शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

àß-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 231 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 27 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भाजपा को मिला रिकॉर्ड चंदा, बाकी पार्टियों के कुल डोनेशन से 10 गुना ज्यादा — पेज 2
असम की स्वदेशी अस्मिता की रक्षा के लिए भाजपा प्रतिबद्ध : दिलीप सैकिया — पेज 3
पूर्ववर्ती सरकार ने जोधपुर में नहीं करवाए काम, अब जनता हमसे मांग रही : मुख्यमंत्री — पेज 5
मीराबाई चानू ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आयोजन पर खुशी जताई... — पेज 7

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

प्रत्यक्ष और परोक्ष साधनों के अनुमान से कार्य की परीक्षा करें।
– आचार्य चाणक्य

ईरान ने भारत समेत पांच देशों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी

बोला–सिर्फ मित्र देशों के लिए खुला रास्ता

नई दिल्ली। ईरान ने भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान एवं इराक जैसे *मित्र देशों* को वाणिज्यिक नौवहन के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने यह जानकारी दी। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक संकरा नौवहन मार्ग है जिससे दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और एलएनजी (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) का परिवहन होता है। पश्चिम एशिया, भारत की ऊर्जा खरीद का एक प्रमुख स्रोत रहा है। ईरानी सरकारी टेलीविजन के अनुसार, अराघची ने कहा कि हमने कुछ ऐसे देशों को (होर्मुज जलडमरूमध्य से) गुजरने की अनुमति दी है –शेष पृष्ठ दो पर

पश्चिम एशिया संकट पीएम मोदी आज मुख्यमंत्रियों से करेंगे बात

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया का संकट कब तक चलेगा, इस पर अनिश्चितता का कुहासा छाया हुआ है। ऐसे में केंद्र सरकार युद्ध के असर को न्यूनतम करने के लिए ठोस उपाय करने में जुटी है। इसी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आव्हान किया है कि सभी राज्य सरकारों को केंद्र सरकार के साथ मिलकर *टीम इंडिया* के रूप में काम करना होगा। संसद से दिए गए इस संदेश के बाद शुक्रवार को पीएम मोदी स्वयं सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों (पांच चुनावी राज्य छोड़कर) से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बात कर राज्यों की तैयारियों पर चर्चा करेंगे कि कैसे युद्ध के संभावित दुष्प्रभावों से आमजन को सुरक्षित रखा जाए। ध्यान रहे कि कोविड के वक्त भी प्रधानमंत्री ने इसी तरह राज्यों को साथ लेकर आगे बढ़ने की रणनीति पर काम किया था। जिन पांच राज्यों में चुनाव आदर्श आचार संहिता लागू है, वहां की तैयारियों को लेकर अलग से एक बैठक वहां के मुख्य सचिवों के साथ –शेष पृष्ठ दो पर

खिलंजिया अस्मिता की रक्षा के लिए सख्त कदम जरूरी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को राज्य में स्वदेशी (खिलंजिया) लोगों की पहचान और अधिकारों की रक्षा पर जोर देते हुए बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ के खिलाफ कड़े कदम उठाने की आवश्यकता बताई। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी समुदायों के अस्तित्व और सम्मान को बनाए रखने के लिए अवैध घुसपैठियों को बाहर करना जरूरी है और इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि *जाति, माटी, भेटी* (समुदाय, भूमि और घर) की रक्षा नहीं की गई, तो असम की पहचान और गौरव को गंभीर खतरा हो सकता है। उन्होंने काजीरंगा में शिकारियों के खतरे का उदाहरण देते हुए स्थिति की गंभीरता को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले पांच वर्षों में निचले असम में स्वदेशी असमिया लोगों को फिर से –शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

दक्षिण 24 परगना में भाजपा–टीएमसी समर्थकों में झड़प, पुलिसकर्मियों पर भी हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव की तैयारियों को लेकर सभी पार्टियां पूरी ताकत के साथ प्रचार कर रही है। भाजपा और टीएमसी के बीच यहां मुख्य तौर पर लड़ाई है। लेकिन हालात उस समय खराब हो गए दक्षिण 24 परगना जिले में चुलाव प्रचार के दौरान दोनों दलों के समर्थक आपस में –शेष पृष्ठ दो पर

प्रमोद तिवारी का हिमंत शर्मा पर पलटवार

भाजपा को इजरायल में बनानी चाहिए सरकार

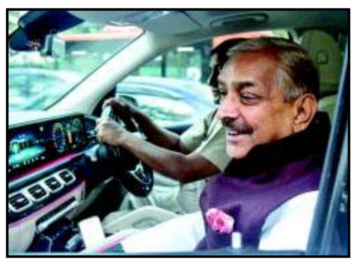

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की उस टिप्पणी की आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पार्टी भारत में सरकार बनाने में असमर्थ है, लेकिन पाकिस्तान में बना सकती है। तिवारी ने पलटवार करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इजराइल में सरकार बनानी चाहिए, जिसे उन्होंने अपना मातृभूमि बताया। तिवारी ने कहा आप मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्री होने के नाते, आपको कुछ न कुछ –शेष पृष्ठ दो पर

जुबीन हत्याकांड की जांच सही दिशा में असम ने अपनाया अलग रास्ता : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि जुबीन गर्ग हत्याकांड की जांच के मामले में असम सरकार सही दिशा में आगे बढ़ी थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिंगापुर और असम की जांच प्रक्रिया पूरी तरह अलग रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि सिंगापुर की जांच पर ही निर्भर रहा जाता, तो जुबीन गर्ग के न्याय की प्रक्रिया आज ही समाप्त हो गई होती। उन्होंने कहा कि असम में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने स्वतंत्र और ठोस आधार पर जांच को आगे बढ़ाया। डॉ. शर्मा के अनुसार, एसआईटी की जांच में यह सामने आया कि पीड़ित को –शेष पृष्ठ दो पर

असम में *एकला चलो* की राह पर ममता 22 सीटों पर चुनाव लड़ेगी टीएमसी

गुवाहाटी। टीएमसी पश्चिम बंगाल के साथ-साथ असम में भी चुनाव लड़ेगी। ममता बनर्जी की पार्टी ने पूर्वोत्तर राज्य में *एकला चलो* नीति पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। पहले पार्टी ने 51 सीटों पर चुनाव लड़ने का विचार किया था। मगर अब पता चला है कि टीएमसी कुल 22 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। तृणमूल ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वे असम चुनाव में विपक्षी गठबंधन में नहीं होंगे। टीएमसी को भरोसा है कि वह एकजुट होकर असम में विपक्ष की भूमिका अदा कर सकती है। टीएमसी ने असम में दो फेज में उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। पहली लिस्ट में 17 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की थी जबकि दूसरी लिस्ट में टीएमसी ने सात उम्मीदवार उतारे थे। साथ ही डुलू अहमद की उम्मीदवारी वापस ले ली थी। इससे उम्मीदवारों की कुल संख्या 23 हो गई। वहीं, मारियानी के उम्मीदवार ने उम्मीदवारी वापस ले लिया। –शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में फिर हिंसा, कुकी उग्रवादियों ने सेना की चौकी पर की फायरिंग, आधे घंटे चली मुठभेड़

नई दिल्ली/इंफाल। गुरुवार को संदिग्ध हथियारबंद कुकी उग्रवादियों ने फौलजांग और गोथोल के पास गोलीबाड़ी की, जिसका निशाना फौगाकचाओ अवांग लीकाई में स्थित भारतीय सेना की चौकी थी। मणिपुर पुलिस के अनुसार, 25 मार्च 2026 को सुबह 11:40 बजे हथियारबंद कुकी उग्रवादियों ने फौलजांग/गोथोल के इलाके में गोलीबाड़ी की, जिसका निशाना फौगाकचाओ अवांग लीकाई में स्थित भारतीय सेना की चौकी थे। पुलिस ने आगे कहा कि भारतीय सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 58वीं बटालियन ने जवाबी गोलीबाड़ी करते हुए तुरंत प्रतिक्रिया दी, जिसके वजह से लगभग 30 मिनट तक दोनों पक्षों के बीच गोलीबाड़ी का आदान-प्रदान चलता रहा। मणिपुर पुलिस ने आगे कहा कि 26 मार्च 2026 की सुबह से ही, भारतीय सेना, सीआरपीएफ, मणिपुर पुलिस और भारतीय रिजर्व बटालियन (आईआरबी) द्वारा उस सामान्य इलाके में, जहां गोलीबाड़ी हुई थी, और आस-पास के पहाड़ी क्षेत्रों में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। पुलिस स्थिति पर लगातार कड़ी नजर रखी जा रही है, और सुरक्षा बल आस-पास के पहाड़ी क्षेत्रों में अपना अभियान जारी रखेंगे। इससे पहले, मणिपुर में –शेष पृष्ठ दो पर

असम में ईंधन की कमी नहीं, लोगों से घबराकर खरीदारी न करने की अपील

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्य सचिव कार्यालय ने पेट्रोल और डीजल की किसी भी तरह की कमी की चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि पूरे राज्य में आपूर्ति स्थिर बनी हुई है और उत्पादन मांग से कहीं ज्यादा हो रहा है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, मुख्य सचिव कार्यालय ने कहा कि बाजार में डीजल और पेट्रोल की कोई कमी नहीं है, जो केंद्र सरकार द्वारा दिए गए आश्वासनों की ही पुष्टि करता है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी एक दिन पहले मीडिया से बातचीत के दौरान इस स्थिति को स्पष्ट किया था। अधिकारियों ने बताया कि अपनी रिफाइनिंग क्षमता के कारण असम एक मजबूत स्थिति में है। –शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी में होगा वनडे और टेस्ट मैच, 2026-27 सत्र में एसीए को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी

ASSAM CRICKET ASSOCIATION

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2026-27 सत्र के लिए टीम इंडिया (सीनियर मेन्स) के अंतर्राष्ट्रीय घरेलू मैचों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। यह खबर असम और पूर्वोत्तर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए उत्साहजनक है। असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने बताया कि गुवाहाटी को इस सत्र में दो प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी के लिए चुना गया है। वेस्टइंडीज के भारत दौरे के दौरान, जो 27 सितंबर, 2026 से शुरू होगा, गुवाहाटी में दूसरा वनडे 30 सितंबर, 2026 को खेला जाएगा। इसके अलावा, गुवाहाटी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट मैच की मेजबानी 11 से 15 फरवरी, 2027 तक करेगा, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला का हिस्सा होगा, जिसकी शुरुआत 21 जनवरी, 2027 से होगी। यह असम के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो गुवाहाटी को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करता है। एक ही सत्र में वनडे और टेस्ट दोनों की मेजबानी करना इस क्षेत्र की विश्वस्तरीय आयोजन क्षमता को दर्शाता है। –शेष पृष्ठ दो पर

चुनावी राज्यों में 400 करोड़ से अधिक की जब्ती

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों और उपचुनावों के मद्देनजर सख्त निगरानी के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 400 करोड़ रुपए से अधिक के अवैध प्रलोभनों की जब्ती की है। आयोग ने बताया कि 26 फरवरी से 25 मार्च के बीच कुल 408.82 करोड़ रुपए की नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातुओं और अन्य मुफ्त वस्तुओं को जब्त किया गया है। चुनाव आयोग ने 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और –शेष पृष्ठ दो पर

आंध्र प्रदेश में बड़ा हादसा

डंपर से टक्कर के बाद बस में लगी आग, 14 की जलकर मौत

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम के निकट रायवरम में एक प्राइवेट ट्रैवल बस की टिपर लॉरी से टक्कर हो गई, जिसमें कम से कम 14 लोग जिंदा जले और लगभग 18 लोग घायल हुए है। हादसा स्लैब क्वारी के पास हुआ, जहां बस में आग लग गई और कई यात्री फंस गए। हाई स्पीड वाली बस ने बजरी ले जा रही टिपर से टकराते ही भयानक आग लग गई। बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। स्थानीय रिपोर्ट्स के –शेष पृष्ठ दो पर

कोरोना जैसे बन रहे हालात : पुतिन

बोले– जंग लड़ रहे देशों को इसके असर का अंदाजा नहीं

मॉस्को। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को लेकर रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष के असर का अंदाजा लगाना अभी मुश्किल है, लेकिन इसके परिणाम कोरोना महामारी जैसे हो सकते हैं। पुतिन ने साफ कहा कि यह युद्ध केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और सप्लाई सिस्टम को प्रभावित कर रहा है। इससे वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई है। पुतिन ने मॉस्को में बिजनेस लीडर्स से बातचीत के दौरान कहा कि अभी तक इस संघर्ष के परिणामों का सही अनुमान लगाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जो देश इस युद्ध में शामिल हैं, वे खुद भी इसके भविष्य को लेकर स्पष्ट नहीं हैं। ऐसे में बाकी दुनिया के लिए स्थिति और ज्यादा अनिश्चित हो जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ आकलनों में इस संकट की तुलना कोरोना महामारी से की जा रही है। पुतिन ने कहा कि इस युद्ध का असर अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स, उत्पादन और सप्लाई चेन पर साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि हाइड्रोकार्बन, धातु और उर्वरक जैसे क्षेत्रों पर भारी दबाव पड़ रहा है। इससे वैश्विक बाजार में अस्थिरता बढ़ रही है और कई देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो –शेष पृष्ठ दो पर

ट्रम्प का ईरान को फाइनल वार्निंग, देर होने से पहले सुधर जाओ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि ईरानी वार्ताकार एक समझौते के लिए भीख मांग रहे थे जबकि उनके अनुसार देश सैन्य रूप से पूरी तरह तबाह हो चुका था, और उन्होंने तेहरान के इस सार्वजनिक बयान को खारिज कर दिया कि वह केवल वाशिंगटन के प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा कि ईरानी वार्ताकार बहुत अलग और अजीब हैं। वे हमसे समझौता करने की भीख मांग रहे हैं, जो उन्हें करना ही चाहिए क्योंकि सैन्य रूप से उनका पूरी तरह सफाया हो चुका है और उनके वापसी की कोई संभावना नहीं है, फिर भी वे सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं कि वे केवल हमारे –शेष पृष्ठ दो पर

जल्द निपटाओ ईरान वॉर, मेरे पास और भी बहुत से काम

ट्रंप का अपनी टीम को सख्त आदेश

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (डोनाल्ड ट्रम्प) ने ईरान के साथ जारी युद्ध को लेकर बड़ा संकेत दिया है। उन्होंने अपने सहयोगियों को साफ संदेश दिया है कि इस संघर्ष को लंबा नहीं खींचा जाएगा और अगले 4 से 6 हफ्तों में इसे खत्म करने की कोशिश की जाए। ट्रंप का कहना है कि ईरान के वार्ताकार बातचीत से इसलिए इंकार कर रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि उनके अपने लोग ही उन्हें मार डालेंगे। ट्रंप ने अपनी टीम को कहा कि ईरान वॉर जल्द निपटाओं क्योंकि मेरे पास और भी बहुत से काम हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप का मानना है कि युद्ध अब अपने अंतिम चरण में है और इसे जल्द समाप्त कर वह अपने –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

अशोकाष्टमी पर सीएम ने दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने अशोकाष्टमी के पावन अवसर पर गुरुवार को राज्यवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि चैत माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाने वाला यह पवित्र पर्व गहरी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्ता रखता है। इस दिन श्रद्धालु ब्रह्मपुत्र नदी में पवित्र स्नान कर अशोक फूल अर्पित करते हैं और शोक तथा दुर्भाग्य से मुक्ति की प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमारी आस्था, परंपरा और आध्यात्मिक मूल्यों का प्रतीक है।

एडीआर रिपोर्ट का बड़ा खुलासा

भाजपा को मिला रिकॉर्ड चंदा, बाकी पार्टियों के कुल डोनेशन से 10 गुना ज्यादा

नई दिल्ली। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय दलों को मिलने वाले चंदे में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 2024-25 में 161 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सत्तारूढ़ भाजपा को सबसे अधिक चंदा मिला है, जो अन्य सभी राष्ट्रीय दलों को मिले कुल चंदे से दस गुना से भी अधिक है। गुरुवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 में राष्ट्रीय दलों द्वारा घोषित 20,000 रुपए से अधिक के कुल चंदे 11,343 प्राप्त चंदों से 6,648.563 करोड़ रुपए रहे। इनमें से भाजपा को अकेले 5,522 चंदों से 6,074.015 करोड़ रुपए मिले, जबकि कांग्रेस को 2,501 चंदों से 517.394 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। रिपोर्ट में बताया गया है कि भाजपा द्वारा घोषित चंदा कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया-मार्क्सिस्ट (सीपीआई-एम) और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीईपी) के उसी अवधि के कुल चंदे से दस गुना से भी अधिक था। इस बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने घोषणा की कि उसे पिछले 19 वर्षों की तरह इस बार भी 20,000 रुपए से अधिक का कोई चंदा नहीं मिला है। राष्ट्रीय दलों को मिलने वाले कुल चंदे में 2023-24 की तुलना में 2024-25 में 4,104.285 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई। अकेले भाजपा के चंदे में पिछले वित्त वर्ष के 2,243.947 करोड़ रुपए से 171 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कांग्रेस को मिलने वाले चंदे में 84 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 2023-24 के 281.48 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024-25 में 517.394 करोड़ रुपए हो गया। राजनीतिक चंदे में कॉरपोरेट चंदे का दबदबा रहा, जो 3,244 चंदों के माध्यम से कुल चंदे का 92.18 प्रतिशत यानी 6128.787 करोड़ रुपए था। व्यक्तिगत दानदाताओं ने 7,900 चंदों के माध्यम से 505.66 करोड़ रुपए का योगदान दिया, जो कुल चंदे का 7.61 प्रतिशत था। भाजपा को 2,794 कॉरपोरेट चंदों से 5,717.167 करोड़ रुपए प्राप्त हुए, जो अन्य सभी राष्ट्रीय दलों द्वारा प्राप्त कुल चंदे (411.62 करोड़ रुपए) से 13 गुना से भी अधिक है। इसे 2,627 अन्य संगठनों से 345.94 करोड़ रुपए का चंदा भी मिला। शीर्ष दानदाताओं में, प्रू डेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट ने भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को मिलाकर कुल 2413.465 करोड़ रुपए का दान दिया। इसमें से 2180.7119 करोड़ रुपए भाजपा को (पार्टी को प्राप्त कुल धनराशि का 35.90 प्रतिशत), 216.335 करोड़ रुपए कांग्रेस को (पार्टी को प्राप्त कुल धनराशि का 41.81 प्रतिशत) और 16.4178 करोड़ रुपए आम आदमी पार्टी को (पार्टी को प्राप्त कुल धनराशि का 43.08 प्रतिशत) मिले। प्रगतिशील चुनावी ट्रस्ट ने दो दान के माध्यम से 834.97 करोड़ रुपए का दान दिया, जिनमें से एक दान एबी जनरल इलेक्टोरल ट्रस्ट का था।

घुसपैठियों को छोड़कर राज्य में सभी भाजपा को देंगे वोट : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को विपक्षी दल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में कोई भी स्थानीय मूल भारतीय कांग्रेस को वोट नहीं देगा। बता दें कि असम की सभी 126 विधानसभा सीटों पर 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होना है। गुवाहाटी में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में असम की स्थिति पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने कहा कि आज लोग अपनी मजबूत संस्कृति और विरासत पर आधारित एक नया असम देख रहे हैं। शर्मा के अनुसार, बांग्लादेशी घुसपैठियों को छोड़कर राज्य के सभी लोग भाजपा के साथ हैं। उन्होंने कहा कोई भी स्थानीय मूल भारतीय कांग्रेस का साथ नहीं देंगा। मुख्यमंत्री ने आगे कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कांग्रेस भारत में कभी सरकार नहीं बना सकती। उन्होंने तंज कसते हुए कहा जब भी कांग्रेस सरकार बनाएगी, तो वह पाकिस्तान या बांग्लादेश में हो सकती है। उन्होंने सवाल किया कि जब कांग्रेस का भारत में कोई भविष्य नहीं है, तो कोई उस पार्टी में क्यों जाना चाहेगा। शर्मा की ये टिप्पणियां आगामी चुनावों से पहले राज्य में लगातार बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच आई हैं। असम में इस बार मुख्य मुकाबला सत्ताधारी एनडीए और कांग्रेस के बीच है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा अपनी पारंपरिक सीट जालुकबाड़ी से चुनाव मैदान में उतरेंगे। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे और 4 मई को वोटों की गिनती होगी। भाजपा की नजर लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने पर है। पिछले चुनाव के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2021 में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन (एनडीए) ने 75 सीटें जीती थीं, जिसमें अकेले भाजपा को 60 सीटें मिली थीं। वहीं, कांग्रेस और उसके सहयोगियों को भारी हार का सामना करना पड़ा था और वे केवल 16 सीटों पर सिमट गए थे। पिछले चुनाव में राज्य के 2.2 करोड़ मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था और 86.2 प्रतिशत मतदान हुआ था।

असम में कोई भी अवैध बांग्लादेशी नहीं दिखा सकता आंख

नलबाड़ी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को सर्थेबाड़ी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा में कहा कि राज्य में कोई भी अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिया स्थानीय असमिया खिलंजिया लोगों को डराने-धमकाने की हिम्मत नहीं कर सकता। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि यदि किसी ने इस तरह की कोशिश की तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि पहले भी ऐसे तत्वों पर सख्ती की गई है और भविष्य में और कठोर कदम उठाए जाएंगे। इस दौरान उन्होंने असम गण परिषद (अगप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन की भी चर्चा की। उन्होंने गठबंधन की तुलना *बूंदिया और भुजिया* से करते हुए कहा कि दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि अगप चाय है, तो भाजपा उसमें डाली जाने वाली चीनी है और दोनों के मिलन से ही सही स्वाद आता है। मुख्यमंत्री राजग प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करने पहुंचे थे और उन्होंने राज्य के खिलंजिया (स्थानीय) लोगों के हितों की रक्षा के प्रति गठबंधन की प्रतिबद्धता दोहराई।

पूसीरे के महाप्रबंधक ने विकासात्मक कार्यों का किया निरीक्षण

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने 24 मार्च को लामडिंग मंडल के अधीन विभिन्न सेक्शनों में बुनियादी ढांचे के विकास, संरक्षा प्रणालियों तथा यात्री सुविधाओं की समीक्षा के लिए व्यापक निरीक्षण किया। उनके साथ पूसीरे, मुख्यालय तथा मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी थे। चल रहे विभिन्न विकास पहलों एवं परियोजनाओं का निरीक्षण किया गया, ताकि पूसीरे के रणनीतिक दृष्टिकोण और परिचालन प्राथमिकताओं के अनुरूप उसकी निरंतर प्रगति सुनिश्चित की जा सके। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने गुरुवार को बताया कि कामाख्या से प्रारंभ हुए इस निरीक्षण में लामडिंग, डिफू तथा बड़पथार सहित प्रमुख स्थान शामिल थे। लामडिंग में महाप्रबंधक ने रिलीफ यार्ड में प्रस्तावित लोको मिड-लाईफ रिहबिलिटेशन प्रोजक्ट की समीक्षा की, जिसका उद्देश्य इंजन की दक्षता तथा दीर्घकालिक परिचालन स्थिरता को बढ़ाना है। बोकाजान और बड़पथार के बीच 31.3 किमी मार्ग पर सफल स्पीड ट्रायल में 120 किमी/घंटा तक की गति हासिल की गई, जिसमें सभी सुरक्षा प्रतिबंधों का पालन किया गया। यह पूसीरे की क्षमता वृद्धि, ट्रैक मानकों तथा सुरक्षित ट्रेन परिचालन पर निरंतर ध्यान को दर्शाता है। डिफू में, उन्होंने कई महत्वपूर्ण यात्री-केंद्रित तथा संरक्षा-वर्धक पहलों का मुआयना किया तथा उन पहलों का प्रदर्शन भी किया गया। इनमें डिफू-दलदली के बीच इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग डबल सेक्शन प्रणाली शामिल था, जो 10 किमी सेक्शन में परिचालन संरक्षा को काफी मजबूत करता है। स्टेशन सुरक्षा तथा यात्री विश्वास को और अधिक बढ़ाने के लिए सीसीटीवी निगरानी प्रणालियों की भी समीक्षा की गई।

गौरव गोगोई के कथित पाकिस्तान लिंक पर मुख्यमंत्री का तीखा हमला

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई के कथित पाकिस्तान संबंधों को लेकर तीखी टिप्पणी की, जिससे राज्य की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री ने बीती रात इस मुद्दे पर बोलते हुए चुनावी शपथपत्र में जानकारी छुपाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गोगोई की पत्नी के पाकिस्तान स्थित बैंक खाते का उल्लेख शपथपत्र में नहीं किया गया, जो एक गंभीर मामला है और इस पर स्पष्टीकरण दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि असम में कांग्रेस की सरकार नहीं बनेगी, बल्कि *पाकिस्तान में बन सकती है,* जिससे सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के बीच बयानबाजी और तेज हो गई है। हालांकि, कांग्रेस की ओर से अब तक इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उधर आगामी चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में असम जातीय परिषद (एजेपी) के संगठनात्मक सचिव अच्युत सैकिया ने बुधवार की रात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण की। सैकिया के साथ ताई अहोम युवा परिषद के कई पदाधिकारियों ने भी औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल होकर पार्टी को सामुदायिक और क्षेत्रीय स्तर पर मजबूती प्रदान की। यह सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्घेरिटा तथा भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जहां नए सदस्यों का स्वागत करते हुए पार्टी नेतृत्व ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके शामिल होने से राज्य में पार्टी की स्थिति और सुदृढ़ होगी।

गुवाहाटी में मणिपुर के तीन ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। पुलिस ने गुवाहाटी में मणिपुर के तीन शातिर ड्रग्स तस्करों-मोहम्मद हायातुल्ला, मोहम्मद याकूब और मोहम्मद जमिर को ड्रग्स लेनदेन के दौरान गिरफ्तार किया। ये तीनों पूर्वोत्तर भारत में संचालित एक संगठित ड्रग्स सिंडिकेट के मास्टरमाइंड माने जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह नकली पंजीकृत वाहन का इस्तेमाल करके क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में ड्रग्स की आपूर्ति करता था। बशिष्ठ इलाके में चलाए गए एक अभियान के दौरान तस्करों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया और इस कार्रवाई में एक आई20 वाहन भी जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ जारी रखी है ताकि पूर्वोत्तर में उनके ड्रग्स वितरण नेटवर्क का पूरा खुलासा किया जा सके।

पृष्ठ एक का शेष

ईरान ने भारत समेत ...

जिन्हें हम मित्र मानते हैं। हमने चीन, रूस, भारत, इराक और पाकिस्तान को आवागमन की अनुमति दी है। ईरानी विदेश मंत्री ने साथ ही स्पष्ट किया कि ईरान के शत्रुओं से जुड़े पोतों को इस जलमार्ग से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हम युद्ध की स्थिति में हैं। यह क्षेत्र युद्ध क्षेत्र बना हुआ है और हमारे दुश्मनों एवं उनके सहयोगियों के पोतों को इससे गुजरने देने का कोई कारण नहीं है लेकिन यह अन्य देशों के लिए खुला है। होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक नौवहन में व्यवधान को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंताएं बढ़ी हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि वह जलमार्ग को पूरी तरह से नहीं खोलता है तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। पिछले कुछ सप्ताह में भारत ने पश्चिम एशिया में संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त कराने और होर्मुज जलडमरूमध्य से ऊर्जा आपूर्ति का निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने पर केंद्रित कूटनीतिक प्रयास किए हैं। भारत का मानना है कि यदि इस नौवहन मार्ग पर अवरोध जारी रहा तो भारत सहित कई देशों की ईंधन और उर्वरक सुरक्षा पर इसके गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं।

पश्चिम एशिया संकट ...

कैबिनेट सचिव द्वारा की जाएगी। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण वैश्विक कारोबार और आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है। सबसे अधिक असर ऊर्जा, पेट्रो पदार्थ और खाद आदि की आपूर्ति पर पड़ा है। बेशक, भारत सरकार ने कूटनीतिक प्रयासों से होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते अपने जहाज निकलवाने में सफलता पाई है। आयात के अन्य वैश्विक विकल्पों पर काम कर उत्पादों की आपूर्ति को बढ़ाया है। साथ ही सरकार की ओर से जनता को आश्वस्त भी किया गया है कि ईंधन, ऊर्जा, खाद या अन्य आवश्यक वस्तुओं का भारत के पास पर्याप्त भंडारण है। जनता को कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी। ध्यान रहे कि पीएम मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा से वक्तव्य देते हुए दो टूक कहा था कि युद्ध लंबा खिंचा तो इसके दुष्प्रभाव पड़ना तय है। ऐसे में उन्होंने राज्यों से विशेष तौर पर आग्रह किया था कि चूंकि आपदा के समय जमाखोर और कालाबाजारी करने वाले तत्व सक्रिय हो जाते हैं, इसलिए सरकारों को इन पर निगरानी और त्वरित कार्रवाई करनी होगी। साथ ही पीएम अन्न योजना सहित जनहित की योजनाओं का लाभ जनता को निर्बाध देते रहने और आपूर्ति व्यवस्था मजबूत बनाए रखने के लिए कहा। इसके बावजूद कई राज्यों से पेट्रोल पंपों पर भीड़, गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें, जनता के बीच अफरातफरी जैसी खबरें सामने आ रही हैं। इन परिस्थितियों से निपटने में राज्यों की क्या तैयारी होनी चाहिए और अभी क्या तैयारी है, इस पर पीएम मोदी मुख्यमंत्रियों के साथ चर्चा करेंगे।

खिलंजिया अस्मिता की ...

सुरक्षा और राहत का अनुभव हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य की जमीन पर अधिकार केवल स्थानीय लोगों का होना चाहिए। आगामी चुनावों को लेकर मुख्यमंत्री ने स्वदेशी पहचान और भूमि अधिकारों की रक्षा के मुद्दे पर एक नए राजनीतिक अभियान की घोषणा की, जिसमें अवैध घुसपैठ का मुद्दा प्रमुख रहेगा। बरपेटा विधानसभा क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन रद्द होने पर खेद जताया। उन्होंने कहा कि गठबंधन उम्मीदवार की जीत तय मानी जा रही थी, लेकिन बिना मुकाबले जीतने में वह संतोष नहीं मिलता जो एक वास्तविक चुनावी मुकाबले में होता है। उन्होंने कहा कि बिना प्रतिद्वंद्वी के जीत का आनंद नहीं होता।

भाजपा को इजरायल...

शिक्षित होना ही चाहिए। आपको कुछ ज्ञान होना चाहिए। लोकतंत्र में, सरकार स्वाभाविक रूप से भारत की सीमाओं के भीतर ही बनेगी। यदि आप पाकिस्तान में कांग्रेस द्वारा सरकार बनाने पर जोर देते हैं, तो आपकी सरकार इजरायल में बननी चाहिए, क्योंकि वह आपकी मातृभूमि है। आपके प्रधानमंत्री ने भी यही कहा है। उन्होंने आगे कहा कि कृपया याद रखें कि आपको आपकी अपनी भाषा में जवाब दिया जाएगा। अपनी मातृभूमि को मत भूलिए। तिवारी की ये टिप्पणी शर्मा के उस बयान के जवाब में थी जिसमें उन्होंने कहा था कि कोई भी स्थानीय नागरिक कांग्रेस को वोट नहीं देगा और पार्टी केवल पाकिस्तान या बांग्लादेश में सरकार बना सकती है, भारत में नहीं। बुधवार को असम के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व में राज्य में पूर्ण परिवर्तन आया है और उन्होंने जोर देकर कहा कि 9 अप्रैल को होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में कोई भी भारतीय मूल निवासी कांग्रेस को वोट नहीं देगा। गुवाहाटी में पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि हमने असम को पूरी तरह से बदल दिया है। आज लोग एक नया असम देख रहे हैं, जो हमारी मजबूत संस्कृति और विरासत पर आधारित है। बांग्लादेशी घुसपैठियों को छोड़कर, सभी लोग भाजपा के साथ हैं। कोई भी स्थानीय भारतीय कांग्रेस को वोट नहीं देगा। उन्होंने आगे कहा कि कौन कांग्रेस को वोट देना चाहेगा? कांग्रेस भारत में सरकार नहीं बना सकती; वह पाकिस्तान में बना सकती है। तो मैं कांग्रेस को कैसे वोट दूं? कांग्रेस भारत में कभी सरकार नहीं बना सकती। जब कांग्रेस सरकार बनाएगी, तो वह या तो पाकिस्तान में होगी या बांग्लादेश में। असम में 126 विधानसभा सीटों पर भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और कांग्रेस के बीच मुकाबला होने जा रहा है। शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में आने का लक्ष्य लेकर चल रही है, जबकि कांग्रेस सत्ता में वापसी की कोशिश करेगी। उम्मीद है कि शर्मा अपने पारंपरिक जलुकबाड़ी सीट से चुनाव लड़ेंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने घोषणा की है कि सभी 126 विधानसभा सीटों पर मतदान 9 अप्रैल को एक ही चरण में होगा और मतगणना 4 मई को होगी।

असम में एकला चलो की...

इसके बाद अब टोटल उम्मीदवारों की संख्या 22 है। तृणमूल ने भाजपा छोड़ने वाले नेताओं को उम्मीदवार चयन में शामिल न करके बागी दलों को मौका दिया है, जिसके भविष्य में दल-बदल का खतरा न हो। तृणमूल का आरोप है कि वे राज्य में कांग्रेस-भाजपा की असमंजस की स्थिति में एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में उभरना चाहते हैं। सांसद सुष्मिता देव ने कहा कि पार्टी एक निश्चित लक्ष्य के साथ चुनाव में उतर रही है। परिणाम चाहे जो भी हो। बता दें कि टीएमसी ने वरिष्ठ नेता दुलू अहमद को असम से उम्मीदवार बनाया है। वे चमारिया निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा, तृणमूल टिकट पर चुनाव लड़ने वाले अन्य उम्मीदवारों में शामिल हैं: कोकराझाड़ - उदंगश्री नरजारी, बिलासिपारा- मोमिनुर इस्लाम, अभयापुरी - कौशिक रंजन दास, बोजाली- कल्याणी कलिता, गोरेश्वर - राजन चौहान, मंगलदै- हरे कृष्ण डेका, काटिगोड़ा - फजीउर रहमान लस्कर, सोनाई- शाहजहां लश्कर। असम में मतदान 9 अप्रैल को होगा। पूर्वोत्तर राज्य में एक ही चरण में मतदान होगा। विधानसभा की कुल सीटें 126 हैं। इनमें से तृणमूल कांग्रेस 22 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। असम चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित होंगे।

मणिपुर में फिर हिंसा...

सुरक्षा बलों ने पटसोई पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले पटसोई इलाके से यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया, और इंफाल पश्चिम जिले में अवैध रूप से बनाए गए छह बंकरों को ध्वस्त कर दिया। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस अभियान के दौरान गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य रही। सुरक्षा बल विभिन्न जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में तलाशी अभियान जारी रखे हुए हैं। सुरक्षा बलों द्वारा कल शुरू किए गए अभियान की निरंतरता में 25 मार्च को लिटान और मोंगकट चेपू ऊपरी गांव के इलाकों में अवैध रूप से बनाए गए छह बंकरों को ध्वस्त कर दिया गया। ऑपरेशन के बाद, हिंसा प्रभावित लिटान इलाके में मौजूद ज्यादातर बंकरों को निष्क्रिय कर दिया गया है। सुरक्षा बल लगातार सतर्क हैं, और इलाके में हिंसा को बढ़ने से रोकने के लिए सैनिकों को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है।

जुबीन हत्याकांड की ...

योजनाबद्ध और उद्देश्यपूर्ण तरीके से शराब पिलाकर पानी में डुबोया गया था। उन्होंने विश्वास जताया कि इसी मजबूत जांच के कारण सरकार जुबीन गर्ग को न्याय दिलाने में सफल होगी। मुख्यमंत्री ने बीती रात एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद यह महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि असम सरकार निष्पक्ष और साक्ष्य-आधारित जांच के माध्यम से न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

असम में ईंधन की कमी ...

चार रिफाइनरियों नुमलीगढ़ रिफाइनरी, नूनमाटी रिफाइनरी, दिगबोई रिफाइनरी और बंगाईगांव रिफाइनरी से होने वाला उत्पादन स्थानीय मांग से काफी ज्यादा है, जिससे सभी जिलों में लगातार उपलब्धता सुनिश्चित होती है। पोस्ट में कहा गया है कि आपूर्ति श्रृंखला में, जिसमें रिफाइनरियों से खुदरा दुकानों तक ईंधन की आवाजाही भी शामिल है, किसी भी तरह की रुकावट की आशंका नहीं है और उपभोक्ताओं से घबराकर खरीदारी न करने की अपील की गई है। इसमें चेतावनी दी गई है कि असामान्य मांग के कारण कुछ दुकानों पर कृत्रिम और अस्थायी कमी पैदा हो सकती है, जिससे वितरण व्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है। अधिकारियों ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए इस बात पर जोर दिया है कि खरीदारी का सामान्य तरीका अपनाने से पूरे असम में ईंधन की सुचारू और निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने में मदद मिलेगी।

गुवाहाटी में होगा वनडे और...

एसीए ने आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह और बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया का धन्यवाद व्यक्त किया और खिलाड़ियों, अधिकारियों और दर्शकों के लिए उच्च स्तरीय व्यवस्था सुनिश्चित करने का वादा किया। इस साल के ये हाई-प्रोफाइल मैच क्रिकेट प्रेमियों को गुवाहाटी में रोमांचक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का आनंद लेने का अवसर देंगे।

चुनावी राज्यों में ...

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों तथा 6 राज्यों में उपचुनावों का कार्यक्रम घोषित किया था। इसके साथ ही राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग के अनुसार निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए 5,173 फ्लाइंग स्क्वॉड और 5,200 से अधिक स्टैटिक सर्विलांस टीमों को तैनात किया गया है, जो विभिन्न स्थानों पर निगरानी और चेकिंग कर रही हैं। जब्त की गई सामग्री में 17.44 करोड़ रुपए नकद, 37.68 करोड़ रुपए की शराब (करीब 16.3 लाख लीटर), 167.38 करोड़ रुपए के ड्रग्स, 23 करोड़ रुपए की कीमती धातुएं और 163.30 करोड़ रुपए से अधिक के अन्य मुफ्त सामान शामिल हैं। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जांच के दौरान नागरिकों को किसी तरह की असुविधा या उत्पीड़न न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। शिकायतों के निवारण के लिए जिला स्तर पर ग्रिवेंस कमेटियां भी बनाई गई हैं। इस बीच सी-विजिल ऐप के माध्यम से 15 से 25 मार्च के बीच कुल 70,944 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 70,831 का निपटान किया जा चुका है। इनमें से 95.8 प्रतिशत शिकायतों का समाधान 100 मिनट के भीतर किया गया। जनता और राजनीतिक दल 1950 हेल्पलाइन नंबर के जरिए भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

डंपर से टक्कर के ...

अनुसार कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य घायल हैं। आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं और बचाव कार्य जारी है। पुलिस ने बताया कि कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि अधिकारी आगे की जानकारी जुटाने में लगे हुए हैं। मार्कापुरम के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) नागराजू ने एक टीवी चैनल को बताया कि लगभग 14 लोग जिंदा जल गए, और अब तक लगभग 18 घायल लोगों को बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना की पूरी जानकारी जुटाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि बचाव दल पीड़ितों की पहचान करने और उनके रिश्तेदारों की जानकारी जुटाने का काम कर रहे हैं; सत्यापन पूरा होने के बाद उनके रिश्तेदारों को सूचित किया जाएगा। नागराजू ने बताया कि माना जा रहा है कि कुछ शव अभी भी बस के अंदर फंसे हुए हैं; दुर्घटना के बाद बस में आग लग गई थी, जिससे शवों को बाहर निकालने का काम मुश्किल हो गया है। इस बीच, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस दुर्घटना पर गहरा सदमा व्यक्त किया और जान-माल के नुकसान पर दुख जताया।

कोरोना जैसे बन...

सकती है। कंपनियों को भी बड़े नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हालात नहीं सुधरे तो यह संकट कोरोना महामारी जैसा बड़ा आर्थिक झटका दे सकता है। उन्होंने याद दिलाया कि कोरोना के दौरान पूरी दुनिया की रफ्तार धीमी पड़ गई थी और हर देश प्रभावित हुआ था। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया का यह युद्ध भी उसी तरह विकास को रोक सकता है और वैश्विक संकट पैदा कर सकता है। पुतिन के बयान से साफ है कि आने वाले समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती खड़ी हो सकती है। उन्होंने संकेत दिया कि अगर युद्ध लंबा चला तो इसका असर हर देश पर पड़ेगा। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक समाधान की जरूरत और बढ़ गई है। दुनिया को इस संकट से बचने के लिए जल्दी कदम उठाने होंगे।

ट्रम्प का ईरान को ...

प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं। गलत!!! डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा कि उन्हें जल्द ही गंभीरता दिखानी चाहिए, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, क्योंकि एक बार ऐसा हो गया तो फिर पीछे मुड़ना संभव नहीं होगा, और परिणाम अच्छे नहीं होंगे। ये टिप्पणियां वाशिंगटन और तेहरान की ओर से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों को लेकर विरोधाभासी संकेतों के बीच आई हैं। ईरान द्वारा अमेरिका द्वारा प्रस्तावित 15 सूत्री युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार करने के बावजूद, ट्रंप ने बार-बार दावा किया है कि समझौता होने ही वाला है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 14 और 15 मई को चीन की यात्रा करेंगे, जहां वह चीन के अपने समकक्ष शी जिनपिंग के साथ पुनर्निर्धारित शिखर वार्ता में भाग लेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय एवं आवास *व्हाइट हाउस* ने यह जानकारी दी। ट्रंप इससे पहले इस माह के अंत में चीन की यात्रा करने वाले थे लेकिन उन्होंने ईरान के साथ जारी युद्ध के कारण यात्रा का कार्यक्रम स्थगित कर दिया था। ट्रंप की *बहुप्रतीक्षित* चीन यात्रा की घोषणा करते हुए व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप इस वर्ष वॉशिंगटन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लीयुआन की मेजबानी करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या दोनों नेताओं ने युद्ध को समाप्त करने की शर्त पर बैठक को पुनर्निर्धारित किया, इस पर लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति और शी के बीच बैठक को पुनर्निर्धारित करने के विषय में कोई चर्चा नहीं हुई थी। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति शी यह समझते हैं कि इस समय पूरे क्षेत्र में मौजूदा हालात के मद्देनजर राष्ट्रपति (ट्रंप) का उपस्थित रहना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बैठक स्थगित करने के अनुरोध को समझा और स्वीकार किया। इसीलिए अब हमारी बैठक हो रही है।

जल्द निपटाओ ईरान...

घरेलू राजनीतिक एजेंडे खासकर आगामी चुनावों और आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन इस समय एक बड़ी दुविधा में फंसा है। एक तरफ कूटनीतिक समाधान की कोशिशें चल रही हैं, तो दूसरी ओर रक्षा विभाग *अधिकतम दबाव* की नीति पर कायम है। यही वजह है कि अमेरिका ने मध्यपूर्व में अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती भी बढ़ा दी है। शांति वार्ता अभी शुरुआती चरण में है और मध्यस्थ देशों के जरिए बातचीत जारी है, लेकिन अब तक कोई ठोस समझौता नहीं हो पाया है। इस बीच, अमेरिका के भीतर भी रणनीति को लेकर मतभेद सामने आ रहे हैं—कुछ नेता बातचीत के पक्ष में हैं, जबकि कुछ कड़ी सैन्य कार्रवाई और यहां तक कि ईरान में शासन परिवर्तन की बात कर रहे हैं। इस पूरे संघर्ष का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी साफ दिख रहा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर जारी तनाव के कारण तेल की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने का खतरा बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप इस संभावना पर भी विचार कर रहे हैं कि किसी समझौते के तहत अमेरिका को ईरान के तेल तक पहुंच मिल सकती है, हालांकि इस पर अभी कोई ठोस योजना नहीं बनी है। जमीनी स्तर पर अमेरिकी सैनिक भेजने का विकल्प भी खुला रखा गया है, लेकिन ट्रंप इससे बचना चाहते हैं क्योंकि इससे युद्ध लंबा खिंच सकता है। अब तक करीब 300 अमेरिकी सैनिक घायल और 13 की मौत हो चुकी है, जो उनकी चिंता का बड़ा कारण है। अमेरिका की घरेलू राजनीति पर भी इसका असर पड़ रहा है। बढ़ती महंगाई, तेल की कीमतें और चुनावी दबाव ने ट्रंप सरकार के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों से यह साफ है कि युद्ध का असर सीधे चुनावी माहौल पर पड़ सकता है। व्हाइट हाउस की ओर से भी सख्त संदेश दिया गया है कि अगर ईरान समझौते के लिए आगे नहीं आता, तो अमेरिका पहले से भी ज्यादा आक्रामक कदम उठा सकता है।

दक्षिण 24 परगना में ...

भिड़ गए। हालात को काबू करने की कोशिश कर रही पुलिसकर्मियों पर भी हमला हुआ। यह घटना एससी आरक्षित बसंती सीट पर हुई। यहां 29 अप्रैल को दूसरे और आखिरी चरण में चुनाव होने है। एक अधिकारी ने बताया कि बसंती सीट से भाजपा उम्मीदवार विकास सरदार इलाके में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। जिस जगह भाजपा कार्यकर्ता चुनाव प्रचार कर रहे थे वहां एक सड़क कनारे पर जमा हुए टीएमसी समर्थक प्रचार की रिकॉर्डिंग कर रहे थे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने रिकॉर्डिंग किए जाने पर आपत्ति जताई। देखते ही देखते बहस शुरू हुई और फिर हाथापाई शुरू हो गई। जब पुलिस इस झड़प को रोकने के लिए आगे आई तो पुलिसकर्मियों पर भी हमला किया गया। भाजपा उम्मीदवार सरदार ने दावा किया टीएमसी के गुंडों ने हमारे कार्यकर्ताओं पर बिना किसी उकसावे के हमला किया, जबकि हम उस इलाके में शांतिपूर्ण ढंग से प्रचार कर रहे थे। पुलिस मूकदर्शक बनी रही। वहीं दूसरा तरफ टीएमसी नेताओं ने भाजपा पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। पुलिस ने इस घटना में आठ लोगों को हिरासत में लिया, और इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

चुनाव 26 : राज्य में विभिन्न एजेंसियों की बड़ी कार्रवाई, 37 करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती

गुवाहाटी (हिंस)। असम में 15 मार्च से 26 मार्च के बीच विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा चलाए गए सघन अभियान में 37 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के अवैध सामान जब्त किए गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कुल जब्ती का मूल्य 3,724.53 लाख रुपए दर्ज किया गया है। इस दौरान 83.23 लाख रुपए नकद और 256.71 लाख रुपए मूल्य की शराब बरामद की गई। जब्ती में सबसे बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों का रहा, जिनकी कुल कीमत 2,525.79 लाख रुपए आंकी गई है, जो राज्य में नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई को दर्शाता है। इसके अलावा 205.29 लाख रुपए मूल्य के कीमती धातु भी जब्त किए गए। अधिकारियों ने बताया कि मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से बांटे जाने वाले फ्रीबीज और अन्य सामान भी 653.50 लाख रुपए मूल्य के जब्त किए गए हैं। प्रशासन के अनुसार, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा निगरानी और कार्रवाई तेज कर दी गई है।

असम की स्वदेशी अस्मिता की रक्षा के लिए भाजपा प्रतिबद्ध : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। असम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया ने गुरुवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम के स्वदेशी लोगों के अधिकार, पहचान और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सैकिया ने कहा कि ऐतिहासिक असम आंदोलन के समय से ही भाजपा राज्य की जनता के साथ खड़ी रही है। उन्होंने 1983 के विवादित चुनावों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए चुनाव का बहिष्कार किया था, जबकि वामपंथी और तथाकथित धर्मनिरपेक्ष ताकतों ने आंदोलन का विरोध किया और चुनाव में भाग लिया। सैकिया ने कहा कि आईएमडीटी अधिनियम की भेदभावपूर्ण प्रकृति को सर्वोच्च न्यायालय पहले ही स्पष्ट कर चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के संरक्षण में बदरुद्दीन अजमल के नेतृत्व में एआईयूडीएफ ने राज्य के अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में अपना प्रभाव बढ़ाया। उन्होंने कहा कि 2016 तक लंबे समय तक कांग्रेस शासन के कारण प्रशासनिक कमजोरियों ने एनआरसी जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया को जटिल बना दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट बैंक की राजनीति के चलते कांग्रेस ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के बसने को बढ़ावा दिया। सैकिया ने कहा कि राज्य की युवा पीढ़ी इन तथ्यों से काफी हद तक अनभिज्ञ है, इसलिए इन मुद्दों को सार्वजनिक विमर्श में लाना जरूरी है। कांग्रेस के *नतुन बड़ असम* नारे पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि उसके शासनकाल में सरकारी भूमि को अवैध कब्जाधारियों के हवाले किया गया। उन्होंने बताया कि 2016 में बटद्रवा में शुरू किए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान के बाद भाजपा सरकार ने कब्जाई गई जमीन को मुक्त कर श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली पर 217 करोड़ रुपए की लागत से श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र का विकास किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में पिछले पांच वर्षों में लगभग 1.5 लाख बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। सैकिया ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का *नतुन बड़ असम* एजेंडा अवैध घुसपैठियों को संरक्षण देने और स्वदेशी असमिया समाज के अधिकारों को कमजोर करने की दिशा में है। सैकिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य सरकार के नेतृत्व में भाजपा भविष्य में भी असम की अस्मिता, संस्कृति और स्वदेशी लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

चुनाव 26 : भाजपा ने असम की सनातन आत्मा को किया बहाल : आशीष भराली

गुवाहाटी (हिंस)। महान संत श्रीमंत शंकरदेव ने अपने बेजोड़ योगदानों के माध्यम से एक सामंजस्यपूर्ण और सांस्कृतिक रूप से दीप्तिमान असमिया राष्ट्र की नींव रखी थी। गुरुजन के उज्ज्वल आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए असम सरकार ने *श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र* के रूप में एक भव्य श्रद्धांजलि अर्पित की है, यह उनकी शाश्वत दर्शन का एक विशाल मूर्त रूप है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के दूरदर्शी और गतिशील नेतृत्व में, इस शानदार सांस्कृतिक भवन को लगभग 200 बीघा जमीन पर विकसित किया गया है, जिसमें ?217 करोड़ का निवेश किया गया है। इस अत्याधुनिक सांस्कृतिक परिसर में एक भव्य *गुरु आसन* स्थापित है, जिसके साथ ही ऐसे समृद्ध संग्रह भी मौजूद हैं जो महान संत के जीवन, दर्शन और रचनात्मक प्रतिभा को दर्शाते हैं। इसके अलावा, विशाल जल निकायों, अत्यंत सुंदर ढंग से सजाए गए बगीचों और आधुनिक अतिथि सुविधाओं से सुसज्जित यह परिसर अब सांस्कृतिक पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। असम प्रदेश भाजपा प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट आशीष भराली ने गुरुवार को कहा कि बोरदोवा की पवित्र भूमि, जो गुरु का जन्मस्थान है, दशकों तक संदिग्ध तत्वों के अवैध अतिक्रमण के अधीन रही थी। वहीं, कांग्रेस शासन ने जान-बूझकर आंखें मूंदे रखीं और एक सोची-समझी उदासीनता का रवैया अपनाया। संक्षेप में कहें तो, कांग्रेस सरकार की नीतिगत दिशा लगातार यहां के मूल निवासियों के हितों के प्रतिकूल रही है। यह केवल 2016 में संभव हो पाया, जब भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने *जाति, माटी, भेटी* (पहचान, जमीन और जड़ें) की रक्षा करने के अपने गंभीर संकल्प के साथ सत्ता संभाली; तभी बोरदोवा की अतिक्रमित जमीनों को वापस पाने और इस भव्य सांस्कृतिक पुनर्जागरण परियोजना को शुरू करने के लिए निर्णायक कदम उठाए गए। आशीष भराली ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि वही असम, जो कभी श्रीमंत शंकरदेव और माधवदेव के आध्यात्मिक मार्गदर्शन से प्रकाशित था, बाद के वर्षों में कांग्रेस शासन के तहत, दुखद रूप से संदिग्ध नागरिकता वाले तत्वों के लिए एक चारागाह बनकर रह गया। यह कांग्रेस के दौर में ही हुआ था कि असम की मूल आबादी 37 विधानसभा क्षेत्रों में अल्पसंख्यक बन गई थी। इसके बिल्कुल विपरीत, 2016 से भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने अतिक्रमण से सत्रों की जमीन, वन भंडार और सरकारी संपत्तियों को वापस पाने के मिशन को लगातार आगे बढ़ाया है, जिससे मूल निवासियों की सही प्रधानता फिर से स्थापित हुई है। बोरदोवा को वापस पाने और *आविर्भाव क्षेत्र* के निर्माण के अलावा, सरकार ने *असम दर्शन योजना* के तहत राज्य भर में कई नामघरों और मंदिरों के सौंदर्यीकरण और संरक्षण के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की है।

असम में निर्वाचन अधिकारियों व पुलिस अधिकारियों के साथ चुनाव आयोग की समीक्षा व प्रशिक्षण बैठक आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। आसन्न 9 अप्रैल को होने वाले असम विधानसभा के आम चुनाव के मद्देनजर भारत निर्वाचन आयोग ने असम के जिला निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों, पुलिस आयुक्तों और अन्य अधिकारियों के साथ ऑनलाइन माध्यम से समीक्षा एवं प्रशिक्षण बैठक आयोजित की। बीती रात जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार बुधवार को हुई इस बैठक में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा 18 फरवरी को असम दौरे के दौरान दिए गए उस आश्वासन को दोहराया गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि चुनाव हिंसा, भय और प्रलोभन से मुक्त वातावरण में आयोजित किए जाएंगे, ताकि हर मतदाता बिना किसी डर या पक्षपात के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने जिला प्रशासन और कानून-व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित करने, ईवीएम प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स, चुनावी कर्मियों के प्रशिक्षण, जब्ती कार्रवाई, कानून-व्यवस्था, मतदाता जागरूकता और प्रचार-प्रसार कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि प्रत्येक प्रजाइडिंग अधिकारी मतदान समाप्ति के बाद उपस्थित सभी चुनाव एजेंटों को मतदान लेखा विवरण युक्त *फॉर्म 17सी* की हस्ताक्षरित प्रति उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि प्रिजाइडिंग अधिकारियों को उचित प्रशिक्षण दिया जाए तथा प्रत्येक दो घंटे के अंतराल पर और मतदान समाप्ति के बाद *ईसीआईनेट* ऐप के माध्यम से मतदान प्रतिशत की जानकारी अपलोड की जाए। जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि मतदान से कम से कम पांच दिन पूर्व सभी मतदाताओं के बीच *वोटर सूचना पर्ची* वितरित की जाए तथा प्रत्येक परिवार को *वोटर गाइड* उपलब्ध कराया जाए। साथ ही दृष्टिबाधित मतदाताओं की सुविधा के लिए ब्रेल युक्त वोटर सूचना पर्ची उपलब्ध कराने की भी जानकारी दी गई। 7 बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों द्वारा प्रचार गतिविधियों के लिए *ईसीआईनेट* के *सुविधा* मॉड्यूल के माध्यम से मांगी गई अनुमतियों का 24 घंटे के भीतर निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से, *पहले आओ-पहले पाओ* के आधार पर निपटारा किया जाए। इसके अलावा राज्य के नदी तटीय और चर क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों के लिए पर्याप्त सुरक्षा और बचाव व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया।

बरपेटा मेडिकल कॉलेज का नाम बदलने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री का गौरव गोगोई पर तीखा हमला

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कांग्रेस नेता गौरव गोगोई पर बरपेटा मेडिकल कॉलेज का नाम बदलने के कथित वादे को लेकर तीखा प्रहार किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौरव गोगोई न केवल इस जन्म में बल्कि अगले सात जन्मों में भी बरपेटा मेडिकल कॉलेज का नाम बदल नहीं सकते। यह टिप्पणी गोगोई के उस बयान के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने चुनावी रैली में कथित तौर पर कहा था कि यदि कांग्रेस सत्ता में लौटती है तो कॉलेज का नाम पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के नाम पर रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने गोगोई की राजनीतिक सोच पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह असम की सांस्कृतिक पहचान को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोगोई के *बड़ असम* के विचार में पारंपरिक संदर्भों को बदला जाएगा और बांग्लादेशी तथा असमिया लोगों को एक साथ रखने की नीति अपनाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि ऐसी सोच से अवैध घुसपैठियों का वर्चस्व बढ़ेगा। उन्होंने गोगोई के *बड़ असम फॉर्मूला* की कड़ी निंदा करते हुए इसे राज्य के हितों और पहचान के लिए नुकसानदायक बताया। उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई शंकर-माधव को बदलकर शंकर-अजान करने की कोशिश में लगे हुए हैं जो होने नहीं दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री के रोड शो में उमड़ी लाखों की भीड़

गुवाहाटी (हिंस)। गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के अलग-अलग रोड शो में लाखों की भीड़ उमड़ती देखी गई। मुख्यमंत्री ने आज बजाली, मंगलदै तथा सर्थेबारी में रोड शो किया। मुख्यमंत्री के सभी कार्यक्रमों में जनसमुद्र देखा गया। लोग मुख्यमंत्री को एक बार देखने, उनसे हाथ मिलाने, उन्हें फूल, गमछा आदि देने के लिए परेशान दिखे। बच्चे, महिलाएं बूढ़े और जवान सभी उम्र के लोग मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों में देखे गए। इस दौरान बीच-बीच में मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए जहां कांग्रेस के अल्पसंख्यक तुष्टिकरण नीति की जमकर निंदा की, वहीं भाजपा सरकार के कार्यों को और आगे ले जाने का आश्वासन भी दिया। मुख्यमंत्री इस दौरान लोगों से हाथ मिलाते, उनके साथ सेल्फी खिंचवाते तथा गले मिलते भी देखे गए।

असम राज्यपाल ने कामाख्या मंदिर में पूजा अर्चना कर लोगों की भलाई की कामना की

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और असम की प्रथम महिला कुमुद देवी ने गुरुवार को कामाख्या मंदिर का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने देवी कामाख्या की पूजा-अर्चना की और असम के सभी वर्गों के विकास और कल्याण के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। राज्यपाल और प्रथम महिला का मंदिर में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान राज्यपाल सचिवालय के अधिकारी भी मौजूद रहे। ज्ञात हो कि राज्यपाल का कामाख्या मंदिर का दौरा चैत्र नवरात्र के अष्टमी के दिन हुआ।

अशोक अष्टमी के अवसर पर ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

गुवाहाटी (हिंस)। हिंदू धार्मिक मान्यताओं और पुराणों में विशेष महत्व रखने वाली अशोक अष्टमी तिथि चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाई जाती है। इस दिन को अत्यंत पवित्र और पुण्य प्राप्ति का महत्वपूर्ण समय माना जाता है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गुरुवार सुबह से गुवाहाटी के विभिन्न घाटों पर ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे अशोक अष्टमी स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। विशेष रूप से, इस बार भी पश्चिम बंगाल और उत्तर बंगाल के विभिन्न स्थानों से अनेक श्रद्धालु अशोक अष्टमी स्नान के लिए गुवाहाटी पहुंचे। इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। स्थानीय निवासियों के साथ-साथ दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं की इस पवित्र स्नान में भागीदारी उनकी धार्मिक आस्था और विश्वास को दर्शाती है। हर साल की तरह इस बार भी पांडु नदी के घाट क्षेत्र में अष्टमी स्नान के अवसर पर छोटे व्यापारियों की उपस्थिति देखी गई। वे विभिन्न धार्मिक सामग्री, प्रसाद, फूल, अगरबत्ती और अन्य आवश्यक वस्तुओं की बिक्री करते देखे गए, जो श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत सहायक साबित हो रही हैं। यह धार्मिक आयोजन स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। अशोक अष्टमी का यह पवित्र स्नान केवल धार्मिक महत्व ही नहीं रखता, बल्कि सांप्रदायिक सौहार्द का भी एक अनूठा उदाहरण है, जहां विभिन्न स्थानों से आए श्रद्धालु एक ही आस्था में बंधकर एकत्रित होते हैं।

लुरिनज्योति गोगोई की उम्र पर विवाद, चक्रधर गोगोई की कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार चक्रधर गोगोई ने असम जातीय परिषद (एजेपी) के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई द्वारा नामांकन पत्र में घोषित उम्र में कथित विसंगति का आरोप लगाते हुए कहा है कि यदि उम्र छिपाने का मामला सही पाया गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अलग-अलग चुनावों में लुरिनज्योति गोगोई द्वारा दी गई उम्र की जानकारी में विसंगति पाई गई है। उनके अनुसार, 2021 के असम विधानसभा चुनाव में दाखिल हलफनामे में उनकी उम्र 43 वर्ष बताई गई थी, जबकि 2024 के लोकसभा चुनाव में यह 45 वर्ष दर्ज की गई। गोगोई ने आरोप लगाया कि 2026 के चुनाव के लिए दाखिल शपथपत्र में उम्र बढ़ने के बजाय फिर से 43 वर्ष बताई गई है, जिससे जानकारी की विश्वसनीयता पर सवाल उठता है।

चुनाव 26 : चाय जनजाति समेत छह समुदायों को जनजाति का दर्जा देने के नाम पर डॉ. शर्मा ने दिया धोखा : बंधु तिर्की

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को आज जनता और विपक्ष के सवालों का जवाब देना होगा। यह बातें गुरुवार को असम कांग्रेस के चुनाव पर्यवेक्षक तथा झारखंड के पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने गुवाहाटी स्थित असम प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय जब तरुण गोगोई मुख्यमंत्री थे, तब चाय बागान के श्रमिकों के लिए एक विशेष समिति बनाई गई थी, जिसका उद्देश्य मजदूरी निर्धारण करना था। लेकिन भाजपा सरकार बनने के बाद और डॉ. शर्मा के मुख्यमंत्री बनने पर इस समिति को निष्क्रिय कर दिया गया और इसे अपना कार्य करने नहीं दिया गया। तिर्की ने पूछा कि इस समिति को निष्क्रिय क्यों किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि चाय श्रमिकों को उनका उचित पारिश्रमिक नहीं मिला। भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री ने आदिवासी चाय श्रमिकों के साथ धोखा किया। 20-30 रुपए की वृद्धि की गई, लेकिन कोई औपचारिक समझौता नहीं किया गया और मजदूरी निर्धारण के नियमों को लागू नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में आदिवासी और चाय श्रमिकों को कमजोर करने का प्रयास किया गया है। तिर्की ने यह भी कहा कि चाय श्रमिकों की दैनिक मजदूरी क्यों निर्धारित नहीं की गई, इसका जवाब मुख्यमंत्री को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में मजदूरी निर्धारण का वादा किया गया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया गया। गंभीर आरोप लगाते हुए तिर्की ने कहा कि वर्तमान सरकार बनने के बाद असम में बड़े पैमाने पर चाय बागानों की बिक्री हुई है। चराईदेव चाय बागान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कई बागान बंद हो गए और कई बेचे गए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भारत सरकार के अधीन 12 चाय बागानों में मजदूरी और राशन समय पर नहीं दिया जा रहा है, जो श्रमिकों के साथ धोखा है। तिर्की ने असम में व्यापक भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि आज हर व्यक्ति मुख्यमंत्री के *सिंडिकेट* के बारे में जानता है, जिसके कारण राज्य में सरकार के खिलाफ माहौल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि लोग डर के कारण खुलकर नहीं बोलते, लेकिन आने वाले दिनों में आवाज उठाएंगे। तिर्की ने कहा कि इस बार आदिवासी और चाय श्रमिकों ने डॉ. शर्मा को सत्ता से हटाने का संकल्प लिया है और गौरव गोगोई के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार बनाने का निर्णय किया है। चुनाव से पहले भूमि पट्टा वितरण को लेकर तिर्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा और कहा कि यह केवल *जुमलेबाजी* है। उन्होंने कहा कि छह समुदायों को जनजाति का दर्जा देने का वादा 12 साल बाद भी पूरा नहीं हुआ। उन्होंने यह भी प्रश्न किया कि जब चाय कंपनियों ने भूमि के बदले ऋण लिया हुआ है, तो बिना स्पष्टता के पट्टा कैसे दिया जा सकता है। उन्होंने भाजपा को *महाठग* करार दिया और कहा कि 350 रुपए मजदूरी देने में भी विफल रही है। तिर्की ने कहा कि कांग्रेस जल्द ही अपना घोषणापत्र जारी करेगी और राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी जैसे नेता असम में चुनाव प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इस बार विशेष रणनीति बनाई है और गौरव गोगोई जैसे शिक्षित और ईमानदार नेता पार्टी के पास हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग व्यक्तिगत स्वार्थ के कारण पार्टी छोड़ चुके हैं, उनके जाने से पार्टी मजबूत हुई है। तिर्की ने दावा किया कि 9 अप्रैल को असम में नई सरकार बनेगी और जनता इस बार बदलाव के लिए वोट देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के 10 वर्षों के शासन और डॉ. शर्मा के मुख्यमंत्री बनने के बाद किए गए वादे पूरे नहीं हुए, विशेषकर छह समुदायों के साथ धोखा हुआ। संवाददाता सम्मेलन में एआईसीसी के राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक अरुण त्रिपाठी और एपीसीसी मीडिया विभाग के अध्यक्ष बेदब्रत बोरा भी उपस्थित थे।

कोकराझाड़ : चुनाव मैदान से कई निर्दलीय उम्मीदवारों ने नाम वापस लिए

कोकराझाड़ (विभास)। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कोकराझाड़ जिले के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में नामांकन वापसी की प्रक्रिया के बाद चुनावी तस्वीर अब और अधिक स्पष्ट हो गई है। जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, कई निर्दलीय उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। यहां से निर्दलीय उम्मीदवार हरकीउलियाश बसुमतारी ने अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया है। पर्वतझोरा विधानसभा क्षेत्र: इस क्षेत्र में सबसे अधिक हलचल देखी गई, जहां चार निर्दलीय उम्मीदवारों ने मैदान छोड़ दिया है। नाम वापस लेने वालों में प्रबोध कुमार ब्रह्म, सजल कुमार सिन्हा, आजाद हुसैन और जहिरुल इस्लाम मंडल शामिल हैं।

होजाई निर्वाचन मंडल का व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और निर्वाचन भागीदारी कार्यक्रम का सफल समापन

होजाई (निसं)। होजाई निर्वाचन कार्यालय के एसवीईईपी कोष द्वारा मतदाताओं, विशेषकर नव-मतदाताओं अर्थात पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं के बीच मताधिकार संबंधी जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम सफलतापूर्वक कार्यान्वित किए गए हैं। राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 के उत्सव के साथ सामंजस्य रखते हुए युवा मतदाताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए अल्हाज सुन्नई बीबी चौधरी महाविद्यालय (उदाली) और डबका के हाजी अनफार अली महाविद्यालय में *नैतिक मतदान: आपका वोट, आपकी जिम्मेदारी* शीर्षक से दो सेमिनार आयोजित किए गए। इन सेमिनारों में छात्रों को मतदान के महत्व, निर्वाचन प्रक्रिया के मूल पहलुओं और जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया।

इसके अलावा, होजाई निर्वाचन जिले में मतदान प्रक्रिया के प्रति आकर्षण बढ़ाने के लक्ष्य से *सुनहरे लोकतंत्र के लिए सुनहरी फसल* स्लोगन के तहत *पैडी पहलवान* नामक एक रचनात्मक निर्वाचन शुभंकर का औपचारिक अनावरण किया गया। इस शुभंकर के माध्यम से ग्रामीण तथा कृषि-आधारित समाज में मतदान का संदेश अधिक प्रभावी ढंग से प्रसारित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, विश्व जल दिवस के साथ सामंजस्य रखते हुए होजाई निर्वाचन जिले के एसवीईईपी कोष और जल जीवन मिशन के संयुक्त उद्यम में जिले के विभिन्न जल आपूर्ति परियोजना स्थलों पर स्थानीय राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों ने आगामी निर्वाचन में स्वयं मतदान करने के साथ-साथ अन्य को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया। होजाई जिला निर्वाचन अधिकारी तथा जिला आयुक्त देव प्रसाद मिश्र ने सभी मतदाताओं से आगामी 9 अप्रैल को आयोजित होने वाले लोकसभा निर्वाचन में सक्रिय रूप से भाग लेकर इस लोकतांत्रिक महोत्सव को सफल बनाने का आह्वान किया है।

रायमोना नेशनल पार्क में बिना अनुमति घुसे जापानी नागरिक को एसएसबी ने पकड़ा

कोकराझाड़ (विभास)। असम के कोकराझाड़ जिले में स्थित रायमोना नेशनल पार्क में बुधवार शाम सीमा सुरक्षा बल की 31वीं वाहिनी ने एक जापानी नागरिक को अवैध रूप से प्रवेश करते हुए पकड़ा। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान 27 वर्षीय ओकेदोई नाओतो के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 25 मार्च 2026 की शाम करीब 07-20 बजे, एसएसबी के जवानों ने गश्त के दौरान नेशनल पार्क के अंदर लगभग 500 मीटर की दूरी पर नाओतो को देखा। वह एक स्कूटर पर सवार था और उसके पास मछली पकड़ने का जाल और विभिन्न प्रकार के हुक बरामद हुए। वन विभाग के अधिकारियों ने पुष्टि की कि विदेशी नागरिक ने संरक्षित क्षेत्र में प्रवेश के लिए कोई वैध अनुमति नहीं ली थी।

सुरक्षा बलों ने जापानी नागरिक के पास से एक स्कूटर (गुवाहाटी से किराए पर लिया हुआ), मछली पकड़ने का उपकरण (जाल और हुक), कैमरा और अंडरवाटर फिल्मिंग इक्विपमेंट, 5000 जापानी येन और 4000 भारतीय रुपये, वैध जापानी पासपोर्ट और भारतीय ई-टूरिस्ट वीजा, विस्तृत पूछताछ और ट्रैवल हिस्ट्री, घटना की सूचना मिलते ही असम पुलिस, एसएसबी और इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से पूछताछ की। पूछताछ में पता चला कि नाओतो एक सोलो ट्रैवलर, व्लॉगर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर है। वह 18 मार्च 2026 को दिल्ली पहुंचा था और गुवाहाटी से स्कूटर किराए पर लेकर पूर्वोत्तर के विभिन्न हिस्सों की यात्रा कर रहा था। उसके पासपोर्ट से चीन, कंबोडिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया सहित कई देशों की हालिया यात्राओं का पता चला है। पूछताछ और दस्तावेजों की जांच में सब कुछ सही पाए जाने के बाद, उसे गोसाईगांव के एक निजी होटल में ठहराया गया। गोसाईगांव थाना प्रभारी द्वारा क्रेडेंशियल्स की दोबारा जांच के बाद उसे आज (26 मार्च) सुबह 9 बजे गुवाहाटी के लिए रवाना होने की अनुमति दे दी गई। जापानी नागरिक ने अपना एक कंटेनर ढूंढने के लिए हल्दीबाड़ी गांव के पास नदी किनारे जाने की इच्छा जताई थी, लेकिन सुरक्षा कारणों और भारतीय कानूनों का हवाला देते हुए पुलिस और एसएसबी ने उसे प्रतिबंधित क्षेत्रों में जाने से सख्त मना कर दिया। इस संबंध में सरायबिल पुलिस चौकी में जीडी संख्या 362 और 365 (दिनांक 25/03/26) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसएसबी की सभी चौकियों को अलर्ट पर रहने और उक्त नागरिक की गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

संपादकीय

वैकल्पिक ऊर्जा है कहां?

ईरान युद्ध के कारण परिस्थितियां ऐसी बनी हैं कि फिर से जीवाश्म (फॉसिल, कोयला-तेल आदि) ईंधन पर बहस छिड़ी है। यह जलवायु-परिवर्तन के कारण नहीं है, बल्कि तेल-गैस को बाधित करना और उनकी उपलब्धता सीमित होने के मद्देनजर यह बहस छिड़ी है। दुनिया आनन-फानन में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर केंद्रित नहीं कर सकती, क्योंकि वे बेहद सीमित हैं और कई देशों में उपलब्ध ही नहीं हैं। भारत ऐसा देश है, जहां सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा का लगातार उत्पादन किया जा रहा है, लिहाजा लोग उनका प्रयोग भी कर रहे हैं। तेल-गैस संकट के इस दौर में सरकार ने मार्च में ही पीएनजी (रसोई में पाइपलाइन गैस) के 3.5 लाख से अधिक कनेक्शन दिलाए हैं। अब देश में इस गैस के मात्र 1.65 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं। देश की आबादी 147 करोड़ से अधिक है। उसमें 33 करोड़ एलपीजी (रसोई गैस) के उपभोक्ता हैं। दरअसल पीएनजी का तो बुनियादी ढांचा ही बेहद सीमित है। पाइपलाइन की सुविधा कुछ बड़े शहरों की गिनी-चुनी कॉलोनियों में ही मौजूद है। तो देश का आम उपभोक्ता वैकल्पिक ऊर्जा की कल्पना भी कैसे कर सकता है, प्रयोग करना तो दूर की कौड़ी है? ईरान युद्ध के कारण तेल-गैस का संकट इतना व्यापक हो गया है कि लोग और व्यावसायिक ठिकाने लकड़ी और कोयले का चूल्हा जलाने पर विचार कर रहे हैं अथवा शुरू कर दिया है। धुआं और प्रदूषण काल की ओर वापसी...! जीवाश्म ईंधनों पर भारत की निर्भरता जलवायु-पर्यावरण का ही मुद्दा नहीं है, बल्कि सुरक्षा-संकट का सरोकार भी है। इस ऊर्जा-संकट से खाद्य-संकट भी जुड़ा है, यह चेतावनी विशेषज्ञ लगातार दे रहे हैं। भारत का आयात-बिल अपने आप में संकटपूर्ण बोझ है। उसमें मध्य-पूर्व देशों की हिस्सेदारी करीब 60 फीसदी है। ईरान युद्ध शुरू होने से पहले भारत का तेल-गैस आयात का बिल उस स्तर तक पहुंच चुका था, जहां एक साल में ही 180 अरब डॉलर तक उछल सकता था। कतर ने 2024-25 में भारत को 1.10 करोड़ टन एलएनजी की आपूर्ति की थी। वह करीब 41 फीसदी थी। तेल-गैस आयात करने के मद्देनजर हमारी अर्थव्यवस्था उन देशों और समुद्री मार्गों पर आश्रित हो गई, जहां हमारी या आपूर्ति करने वाले देशों की भूमिका या दखल सीमित है। प्रधानमंत्री मोदी और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच मंगलवार को फोन पर बातचीत हुई। उसमें प्रधानमंत्री ने शिपिंग मार्ग के खुले और सुरक्षित होने का मुद्दा भी उठाया था। जिस तरह होर्मुज समुद्री मार्ग में ईरान ने बारूदी सुरंगें बिछा रखी हैं और मार्ग अवरुद्ध है, उसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार्य नहीं माना। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी सहमति जताई। भारत के अभी तक 6 जहाज होर्मुज को पार कर चुके हैं, लेकिन अब भी 20 जहाज समुद्र में ही फंसे हैं। मौजूदा संकट के कारण भारतीय जीडीपी की विकास दर 4 फीसदी तक गिर सकती है, यह आकलन 'मूडीज' का है, जबकि गोल्डमैन सैश का आकलन है कि भारत की विकास दर 7 फीसदी से घट कर 5.9 फीसदी तक आ सकती है। महंगाई भी बढ़ सकती है। हम रूस, अमरीका, अफ्रीका, ओमान और लाल सागर के रास्ते हररोज कच्चा तेल आयात कर रहे हैं। युद्ध के बाद भी 18 लाख बैरल तेल हररोज आ रहा है, जबकि युद्ध से पहले 30-35 लाख बैरल तेल आता था। यह सुखद है कि भारत में पेट्रोल-डीजल पर कोई राशनिंग नहीं है, लेकिन गैस को लेकर है, क्योंकि गैस का अधिकतम भंडारण मात्र पौने दो दिन का ही कर सकते हैं। ओडिशा और कर्नाटक में तेल के भंडारण बनाने की बात करीब 5 साल पहले उठी थी, लेकिन आज भी 'शून्य' स्थिति है। हमने खाद भी मोरक्को जैसे देश से मंगवानी पड़ रही है। यदि अब भी युद्ध लंबा खिंचा, तो हमारा चालू खाता घाटा 2.2 फीसदी तक हो सकता है। बहरहाल स्थितियां अच्छी नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी संसद में अपने वक्तव्य में कहा है कि युद्ध के बाद भी, युद्ध के असर, लंबे वक्त तक हो सकते हैं, इसकी प्रबल आशंका है।

> दुनिया आनन-फानन में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर केंद्रित नहीं कर सकती, क्योंकि वे बेहद सीमित हैं और कई देशों में उपलब्ध ही नहीं हैं। भारत ऐसा देश है, जहां सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा का लगातार उत्पादन किया जा रहा है, लिहाजा लोग उनका प्रयोग भी कर रहे हैं। तेल-गैस संकट के इस दौर में सरकार ने मार्च में ही पीएनजी (रसोई में पाइपलाइन गैस) के 3.5 लाख से अधिक कनेक्शन दिलाए हैं। अब देश में इस गैस के मात्र 1.65 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं। देश की आबादी 147 करोड़ से अधिक है। उसमें 33 करोड़ एलपीजी (रसोई गैस) के उपभोक्ता हैं। दरअसल पीएनजी का तो बुनियादी ढांचा ही बेहद सीमित है। पाइपलाइन की सुविधा कुछ बड़े शहरों की गिनी-चुनी कॉलोनियों में ही मौजूद है। तो देश का आम उपभोक्ता वैकल्पिक ऊर्जा की कल्पना भी कैसे कर सकता है, प्रयोग करना तो दूर की कौड़ी है? ईरान युद्ध के कारण तेल-गैस का संकट इतना व्यापक हो गया है कि लोग और व्यावसायिक ठिकाने लकड़ी और कोयले का चूल्हा जलाने पर विचार कर रहे हैं अथवा शुरू कर दिया है। धुआं और प्रदूषण काल की ओर वापसी...! जीवाश्म ईंधनों पर भारत की निर्भरता जलवायु-पर्यावरण का ही मुद्दा नहीं है, बल्कि सुरक्षा-संकट का सरोकार भी है। इस ऊर्जा-संकट से खाद्य-संकट भी जुड़ा है, यह चेतावनी विशेषज्ञ लगातार दे रहे हैं। भारत का आयात-बिल अपने आप में संकटपूर्ण बोझ है।

संविधान ने हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय का वादा किया है, लेकिन यह सवाल आज भी हमारे सामने खड़ा है कि क्या यह वादा वास्तव में हर नागरिक तक समान रूप से पहुँच पाया

मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय—हक़ या केवल सपना?

डॉ. प्रियंका सौरभ

> संविधान ने हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय का वादा किया है, लेकिन यह सवाल आज भी हमारे सामने खड़ा है कि क्या यह वादा वास्तव में हर नागरिक तक समान रूप से पहुँच पाया है? क्या आज भी एक गरीब और एक अमीर व्यक्ति के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय की सुविधाएँ बराबर हैं? यदि नहीं, तो यह स्वीकार करना होगा कि हमारा लोकतंत्र अभी भी अधूरा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हाल के वर्षों में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिला है। दवाइयों को ब्रांड के बजाय "साल्ट" के आधार पर उपलब्ध कराने की पहल ने यह साबित किया है कि सही नीति और नीयत के साथ आम जनता को बड़ी राहत दी जा सकती है। सस्ती दवाइयाँ केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा का माध्यम बनती हैं। यह एक उदाहरण है कि जब सरकार समानता को केंद्र में रखकर काम करती है, तो बदलाव संभव है। यही सोच यदि शिक्षा और न्याय जैसे क्षेत्रों में भी लागू की जाए, तो देश की तस्वीर बदल सकती है।

भारत का लोकतंत्र विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में अपनी पहचान रखता है। यह केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं, बल्कि करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं, अधिकारों और सपनों का प्रतिबिंब है। संविधान ने हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय का वादा किया है, लेकिन यह सवाल आज भी हमारे सामने खड़ा है कि क्या यह वादा वास्तव में हर नागरिक तक समान रूप से पहुँच पाया है? क्या आज भी एक गरीब और एक अमीर व्यक्ति के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय की सुविधाएँ बराबर हैं? यदि नहीं, तो यह स्वीकार करना होगा कि हमारा लोकतंत्र अभी भी अधूरा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हाल के वर्षों में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिला है। दवाइयों को ब्रांड के बजाय "साल्ट" के आधार पर उपलब्ध कराने की पहल ने यह साबित किया है कि सही नीति और नीयत के साथ आम जनता को बड़ी राहत दी जा सकती है। सस्ती दवाइयाँ केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा का माध्यम बनती हैं। यह एक उदाहरण है कि जब सरकार समानता को केंद्र में रखकर काम करती है, तो बदलाव संभव है। यही सोच यदि शिक्षा और न्याय जैसे क्षेत्रों में भी लागू की जाए, तो देश की तस्वीर बदल सकती है। शिक्षा आज के समय में केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक उन्नति का सबसे बड़ा साधन है। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में शिक्षा की व्यवस्था दो भागों में बंटी हुई है—एक ओर महंगे निजी स्कूल और संस्थान, जहाँ विश्वस्तरीय सुविधाएँ और संसाधन उपलब्ध हैं, और दूसरी ओर सरकारी स्कूल हैं, जहाँ कई जगह बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। यह विभाजन केवल संस्थानों का नहीं, बल्कि अवसरों का विभाजन है। एक अमीर परिवार का बच्चा जिस स्तर की शिक्षा प्राप्त करता है, वह एक गरीब परिवार के बच्चे के लिए अक्सर एक सपना बनकर रह जाता है। ऐसी स्थिति में यह विचार स्वाभाविक रूप से सामने आता है कि क्यों न पूरे देश में एक समान शिक्षा प्रणाली लागू की जाए। एक ऐसा ढांचा, जहाँ हर बच्चे के लिए एक जैसी किताबें हों, एक जैसा पाठ्यक्रम हो और हर बच्चे को समान अवसर मिले। इससे शिक्षा के स्तर में संतुलन आ सकता है और प्रतियोगी परीक्षाओं में भी एक समान आधार तैयार हो सकता है। यह व्यवस्था न केवल सामाजिक समानता को बढ़ावा देगी, बल्कि देश की प्रतिभाओं को भी एक समान मंच प्रदान करेगी। हालाँकि, यह भी समझना आवश्यक है कि भारत की विविधता इतनी व्यापक है कि पूरी तरह एकरूप शिक्षा प्रणाली लागू करना सरल नहीं है। अलग-अलग राज्यों की भाषाएँ, संस्कृतियाँ और स्थानीय आवश्यकताएँ हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए एक "कॉमन कोर" के साथ-साथ क्षेत्रीय लचीलापन भी जरूरी है, ताकि समानता और विविधता के बीच संतुलन बना रहे।

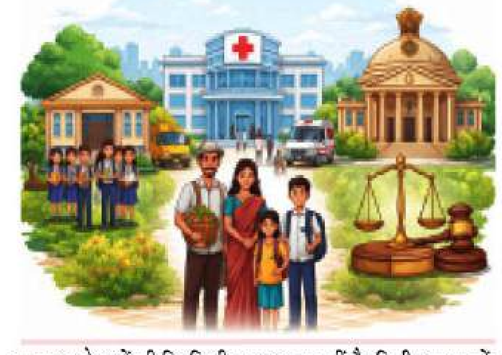

स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। निजी अस्पतालों की ऊँची फीस आम आदमी के लिए एक बड़ी बाधा है, जबकि सरकारी अस्पतालों में भीड़, संसाधनों की कमी और लंबी प्रतीक्षा जैसी समस्याएँ हैं। कई बार एक साधारण बीमारी भी आर्थिक संकट का कारण बन जाती है। ऐसे में यह विचार सामने आता है कि यदि सभी अस्पतालों का राष्ट्रीयकरण कर उन्हें एक समान व्यवस्था के अंतर्गत लाया जाए, तो हर व्यक्ति को समान और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकती हैं। डॉक्टरों और कर्मचारियों को सरकार द्वारा वेतन दिए जाने से सेवा का भाव बढ़ सकता है और मुनाफाखोरी पर अंकुश लग सकता है। न्याय व्यवस्था भी लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, लेकिन आम नागरिक के लिए न्याय तक पहुँचना आज भी एक कठिन प्रक्रिया है। न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या, कानूनी प्रक्रियाओं की जटिलता और वकीलों की ऊँची फीस—ये सभी मिलकर न्याय को महंगा और दूर बना देते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए न्याय प्राप्त करना कई बार असंभव जैसा हो जाता है। यदि न्याय व्यवस्था को सरल, सुलभ और निशुल्क बनाया जाए, तो यह लोकतंत्र के वास्तविक अर्थ को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इन सभी क्षेत्रों—शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय—का पूर्ण राष्ट्रीयकरण एक आदर्श समाधान प्रतीत होता है। एक ऐसी व्यवस्था, जहाँ सरकार सभी सेवाओं को अपने नियंत्रण में लेकर सभी कर्मचारियों को वेतन दे और सेवाओं को निशुल्क एवं समान रूप से उपलब्ध कराए। यह विचार सुनने में आकर्षक है और एक न्यायपूर्ण समाज की कल्पना को मजबूत करता है। लेकिन इसके साथ कई व्यावहारिक चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं। सबसे बड़ी चुनौती है आर्थिक संसाधनों की। पूरे देश में शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय को पूरी तरह निशुल्क और उच्च गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराना एक बहुत बड़ा वित्तीय दायित्व है। इसके लिए सरकार को अपने बजट में बड़े स्तर पर बदलाव करने होंगे, कर व्यवस्था को मजबूत करना होगा और संसाधनों का कुशल प्रबंधन करना होगा। दूसरी चुनौती है गुणवत्ता और जवाबदेही की। पूरी व्यवस्था सरकारी होने पर कई बार कार्यकुशलता में कमी आ जाती है। निजी क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा कई बार सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखने में मदद करती है। यदि पूरी व्यवस्था केवल सरकार के हाथ में होगी, तो नवाचार और सुधार की गति धीमी पड़ सकती है। इसके अलावा, प्रशासनिक स्तर पर भी इतनी बड़ी व्यवस्था को संचालित करना आसान नहीं है। भ्रष्टाचार, लापरवाही और संसाधनों के दुरुपयोग जैसी समस्याएँ भी सामने आ सकती हैं। इसलिए यह जरूरी है कि किसी भी नीति को लागू करते समय इन संभावित चुनौतियों का समाधान पहले से ही तैयार किया जाए। इस परिप्रेक्ष्य में एक संतुलित दृष्टिकोण अधिक व्यावहारिक और प्रभावी हो सकता है। सरकार को चाहिए कि वह शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय के क्षेत्र में मजबूत सार्वजनिक ढांचा तैयार करे, जहाँ हर नागरिक को न्यूनतम स्तर की उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएँ सुनिश्चित हों। इसके साथ ही, निजी क्षेत्र को पूरी तरह समाप्त करने के बजाय उसे सख्त नियमों, पारदर्शिता और जवाबदेही के दायरे में रखा जाए। शिक्षा में एक समान "कॉमन कोर करिकुलम" लागू किया जा सकता है, जिससे पूरे देश में बुनियादी स्तर पर समानता सुनिश्चित हो, जबकि क्षेत्रीय विषयों और भाषाओं के लिए लचीलापन रखा जाए। स्वास्थ्य सेवाओं में "यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज" की दिशा में काम किया जा सकता है, जिससे हर नागरिक को बुनियादी इलाज मुफ्त या अत्यंत सस्ती दरों पर उपलब्ध हो। न्याय व्यवस्था में डिजिटल तकनीक और सरल प्रक्रियाओं के माध्यम से पारदर्शिता और गति लाई जा सकती है। अंततः, लोकतंत्र की सफलता केवल चुनावों में नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में निहित होती है। जब तक एक गरीब व्यक्ति अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा नहीं दिला सकता, जब तक वह बीमारी के समय उचित इलाज नहीं पा सकता, और जब तक उसे समय पर न्याय नहीं मिल सकता—तब तक लोकतंत्र का सपना अधूरा ही रहेगा। यह समय केवल विचार करने का नहीं, बल्कि ठोस कदम उठाने का है। समान शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य और निष्पक्ष न्याय केवल आदर्श नहीं, बल्कि एक सशक्त और समावेशी लोकतंत्र की आधारशिला हैं। यदि हम इन क्षेत्रों में वास्तविक समानता स्थापित कर पाते हैं, तो न केवल लोकतंत्र पूर्ण होगा, बल्कि देश की सामाजिक और आर्थिक संरचना भी मजबूत होगी। अब प्रश्न यह नहीं है कि यह लक्ष्य कठिन है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हम इसे प्राप्त करने के लिए सामूहिक इच्छाशक्ति दिखाने को तैयार हैं। यदि उत्तर 'हाँ' है, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत का लोकतंत्र केवल कागजों पर नहीं, बल्कि हर नागरिक के जीवन में समान रूप से दिखाई देगा।

कुछ अलग

जिंदा लोगों की कतार में

सरकार का कथन है कि उसने बेकारी की समस्या को हल कर दिया है। हल कर दिया है अनुकम्पा उर्फ मुफ्त रेवडियां बांटने की शार्ट कट संस्कृति से। यह दीगर बात है कि इस संस्कृति के पल्लवित होने के साथ-साथ कर्म संस्कृति लुप्त हो गई है। काम के सूचकांक बताते हैं कि एशिया में सबसे अधिक भारत के लोग काम की जगह आराम को पसंद करते हैं। चाहे 'आराम हराम है' का सबसे ऊंचा नारा भारत में लगाया जाता है, लेकिन जगह-जगह फलदार बेरियों के नीचे आपको निष्क्रिय लोग लेटे हुए नजर आते हैं। ये वहां निस्पन्द लेट कर अपनी छातियों पर कोई बेर गिरने का इंतजार करते हैं। बेर गिर जाए तो वे लेटे लेटे पास से गुजरते आदमी को कहते हैं, 'भाई मेरी छाती से उठा कर यह बेर मेरे मुंह में डाल दो।' रहगुजर उस बेर को उठा कर अपने मुंह में डाल लेता है, और कालांतर में सत्ता का दलाल कहलाता है। बाद में आपके लिए बाकी रह जाता है एक ही काम कि साबित करो कि आप अभी जिंदा हो, और इन बेरियों से टपकते बेर खाने के काबिल हो। असमर्थ रहने पर आपका नाम बेर उपकृत संस्कृति से काट दिया जाता है, और आपकी जगह किसी दूसरे को मिल जाती है। वैकल्पिक रूप से उपलब्ध हो जाना यहां कोई समस्या नहीं है। भारी आबादी है, एक तलाशने पर हजार मिलते हैं। यह एक की जगह हजार का मिलना ही सबसे बड़ी समस्या है, इसलिए आजकल जिंदा लोगों में मर चुके लोगों की तलाश हो रही है, अर्थात सब सूचियों को पुनरीक्षित किया जा रहा है। आजकल राज्य-राज्य में वोट सूचियों को पुनरीक्षित किया जा रहा है। इसके बाद मनरेगा सूचियों की पड़ताल होगी।

देश दुनीया से

करुणा की साधना

रूसी लेखक एंटोन चेखव की कहानी 'मिसरी', यानी, कष्ट को विश्व प्रसिद्ध कहानियों में गिना जाता है। इस कहानी का मुख्य पात्र आयोन पोटापोव नामक एक बूढ़ा तांगे वाला है, जो अपने बेटे की मौत के दुख से टूट चुका है। वह बर्फीली रात में ग्राहकों को ले जाता है और उन्हें अपने बेटे की मृत्यु के बारे में बताने की कोशिश करता है क्योंकि वह किसी से अपना दर्द साझा करना चाहता है, लेकिन कोई भी उसकी बात नहीं सुनता और उल्टे अपने दुखों की चर्चा करने लगता है। लोगों के इस रुख से वह इतना परेशान हो जाता है कि अंत में वह अपने घोड़े के पास जाता है, उसे अपना दुख सुनाता है, और उसके साथ लिपट कर अपना मन हल्का करता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, यह एक स्थिति है जिसे हम सभी कभी न कभी भुगतते ही हैं। कभी-कभी मनुष्य के जीवन में दुख इतना गहरा उतर जाता है कि वह किसी का सहारा खोजता है, वह बस इतना ही चाहता है कि कोई उसकी बात सुन ले। आयोन पोटापोव उसी अवस्था का प्रतीक है। उसका दुख कोई दर्शन नहीं मांगता, कोई समाधान नहीं चाहता, वह केवल साझेदारी चाहता है। पर संसार समाधान सुनने का आदी है, दुख सुनने का नहीं। आज का समाज अपने दुखों में, अपने स्वार्थों में, अपने छोटे-छोटे अहंकारों में व्यस्त है। वहां किसी दूसरे के शोक के लिए स्थान नहीं है। आयोन जब अपने बेटे की मृत्यु का उल्लेख करता है, तो सामने वाला उसे अपने जीवन की समस्या सुनाने लगता है। यह केवल कहानी नहीं है, यह मानव-स्वभाव का आईना है। आयोन का दुख इसलिए असह्य नहीं है कि उसका बेटा मर गया, बल्कि इसलिए है कि वह उसे किसी से बांट नहीं पा रहा। दुख बांटने से हल्का होता है, पर जब बांटने का पात्र न मिले, तो दुख बोझ बन जाता है। हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि मनुष्य को यहां सबसे पहले समाधान नहीं, सहानुभूति चाहिए होती है। घोड़ा उत्तर नहीं देता, सलाह नहीं देता, बस उपस्थित रहता है। यही उपस्थिति आयोन को राहत देती है। यहां कोई ज्ञान नहीं, कोई उपदेश नहीं, केवल मौन है और वही मौन औषधि बन जाता है। यह कहानी दुख की नहीं, अनसुनेपन की है। आयोन रो नहीं रहा, चिल्ला नहीं रहा, वह केवल कहना चाहता है कि उसका बेटा मर गया है। लेकिन दुनिया सुनने के लिए रुकी हुई नहीं है। हर आदमी अपने ही नाटक में व्यस्त है। यह एक मनोवैज्ञानिक सत्य है कि मनुष्य तभी सुन सकता है जब वह भीतर से खाली हो। जो स्वयं दुखों से भरा है, वह दूसरे के दुख के लिए जगह कहां बनाए? इसलिए आयोन को कोई नहीं सुनता। अंत में वह घोड़े से बात करता है, क्योंकि घोड़े का मन खाली है। यह कहानी कहती है कि संवाद शब्दों से नहीं, उपस्थिति से होता है। घोड़ा समझता नहीं, फिर भी सुन लेता है। मनुष्य समझने का दावा करता है, पर सुन नहीं पाता। यही विडंबना है।

> वह बर्फीली रात में ग्राहकों को ले जाता है और उन्हें अपने बेटे की मृत्यु के बारे में बताने की कोशिश करता है क्योंकि वह किसी से अपना दर्द साझा करना चाहता है, लेकिन कोई भी उसकी बात नहीं सुनता और उल्टे अपने दुखों की चर्चा करने लगता है। लोगों के इस रुख से वह इतना परेशान हो जाता है कि अंत में वह अपने घोड़े के पास जाता है, उसे अपना दुख सुनाता है, और उसके साथ लिपट कर अपना मन हल्का करता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, यह एक स्थिति है जिसे हम सभी कभी न कभी भुगतते ही हैं। कभी-कभी मनुष्य के जीवन में दुख इतना गहरा उतर जाता है कि वह किसी का सहारा खोजता है, वह बस इतना ही चाहता है कि कोई उसकी बात सुन ले।

दार्शनिक दृष्टि से यह कहानी मानव-अस्तित्व की उस स्थिति को उजागर करती है जहां व्यक्ति समाज के बीच रहते हुए भी अकेला होता है। आयोन का अकेलापन भौतिक नहीं, अस्तित्वगत है। वह लोगों के बीच है, पर संबंध में नहीं। आधुनिक समाज में संवाद एकतरफा हो गया है। हर व्यक्ति बोलना चाहता है, पर कोई सुनना नहीं चाहता। किसी का दुख सुन लेना करुण चेतना की अवस्था है, बुद्धि की नहीं। यहां हम दिमाग से नहीं, दिल से काम ले रहे होते हैं। मनोविज्ञान कहता है कि शोक का सबसे आवश्यक चरण है दुख को शब्द देना। आयोन बार-बार प्रयास करता है, पर असफल रहता है। इससे उसका शोक बढ़ जाता है। जब वह घोड़े से बात करता है, तो उसका मस्तिष्क पहली बार भावनात्मक राहत अनुभव करता है। इससे स्पष्ट होता है कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि सुन कौन रहा है, बल्कि महत्त्वपूर्ण यह है कि कोई सुन रहा है। भारतीय जीवन-दर्शन दुख को समस्या नहीं मानता, वह उसे अवस्था मानता है। यही कारण है कि हमारे यहां दुख के लिए तुरंत उत्तर नहीं दिए जाते, दुख के साथ बैठा जाता है। चेखव की कहानी इसी अंतर को तीखेपन से उजागर करती है। आयोन जिस किसी को भी अपने बेटे की मृत्यु के बारे में बताता है, वह उसे सुनने के बजाय अपनी कहानी सुना देता है। यहां संवाद नहीं, प्रतिस्पर्धा है कि किसका दुख बड़ा है। भारतीय दृष्टि में यह अहम का खेल है, जहां करुणा के लिए स्थान नहीं बचता। गीता का बोध हमें बताता है कि मनुष्य का संतुलन तब टूटता है जब वह केवल अपने अनुभवों में बंद हो जाता है। दूसरे के अनुभव में प्रवेश करने की क्षमता ही करुणा है जो संतुलन को पुनः स्थापित करती है। करुणा कोई भावुकता नहीं है, यह चेतना की परिपक्वता है। आयोन को करुणा नहीं मिलती, इसलिए उसका दुख भारी होता जाता है। दुख स्वयं भारी नहीं होता, उसे अकेले ढोना भारी बना देता है। गीता दुख के समय उपदेश देने के बजाय स्थिति में ठहरने की शिक्षा देती है। यही कारण है कि भारतीय जीवन-दर्शन में मौन का महत्व इतना अधिक है। मौन शून्यता नहीं है, मौन संपूर्ण स्वीकार है। जब कोई व्यक्ति दुख में होता है, तब उसे तर्क नहीं चाहिए, सलाह नहीं चाहिए, उसे यह अनुभूति चाहिए कि उसका दुख वैध है, कि वह देखा जा रहा है। सुनना मतलब अपने भीतर जगह बनाना। जो व्यक्ति सुनता है, वह अपने अहम को थोड़ी देर के लिए हटाता है। समाज में यही सबसे दुर्लभ है। गीता यह भी सिखाती है कि अहम सबसे बड़ा अवरोध है। जो व्यक्ति हर समय बोलना चाहता है, वह खुद को सबसे बड़ा ज्ञानी मानता है, वह चाहता है कि लोग उसकी बातें सुनें, उसके ज्ञान का आदर करें, वह सुन नहीं सकता, वह किसी का दुख भी सुन नहीं सकता। आयोन भी बोलना चाह रहा है, पर वह ज्ञान नहीं बांट रहा। आयोन अहंकार में नहीं है, दुख में है। आयोन के ग्राहक बोलते हैं, इसलिए वे सुन नहीं पाते। घोड़ा नहीं बोलता, इसलिए वह सुन लेता है। यह प्रतीक अत्यंत गहरा है। यह बताता है कि करुणा बुद्धि की नहीं, भावना की उपज है। आयोन जब अपने घोड़े को अपना दुख बताता है तो इस दृश्य में एक बूढ़ा व्यक्ति है और उसका घोड़ा, और बीच में बहता हुआ मौन।

आप का नजरीया

इधर चलो या उधर चलें

सदन के बाहर और भीतर प्रदेश की प्राथमिकताओं का ढेर उठाएं भी तो कैसे। ऐसा लगने लगा है कि हम वक्त गुजार रहे या वक्त को धकेल रहे हैं। हम ऐसी नौका में सवार हैं जिसका कोई गंतव्य नहीं। सियासत कहती है इधर चलो, उधर निकल जाते हैं। हिमाचल का जोगिंद्रनगर-पठानकोट रेल मार्ग अपने हाल पर रो रहा है। यूं तो सांसद हमें कह रहे हैं कि एक दिन रेल की पटरियां चौड़ी हो जाएंगी, लेकिन हकीकत यह कि पठानकोट का सफर जोगिंद्रनगर पहुंचता नहीं। किसने रोकी कांगड़ा घाटी की रेल। कौन संसद में कर रहा खोखली बात। आश्चर्य है कि जहां पटरी है, वहां ट्रेन चल नहीं रही और राजनीतिक सपने कह रहे कि उधर देखो, कल तमाशा होने वाला है। कुछ यही हाल शिमला-कांगड़ा और पठानकोट-मंडी फोरलेन का भी है। पता नहीं कब जसूर और मलां के फ्लाईओवर पूरा न होने की जिद्द छोड़ेंगे। अडियल विकास के स्तंभ कई जगह दिखाई दे रहे हैं। कांगड़ा से निकला फोरलेन सुरंग तक नहीं पहुंच रहा है। बड़े-बड़े पुल बन गए, सुरंगें बन गईं, लेकिन सफर जुड़ नहीं रहा। उधर पिंजौर-बद्दी-नालागढ़ फोरलेन का एक टेंडर हजारों शिकायतें दोहरा कर भी पूरा नहीं हो रहा। प्रदेश में ही देखेंगे तो कई अधूरी इमारतें, तो कई बन के भी उदास हैं, फिर भी आजमाइश में सिलसिला चल रहा है। हर बार अपने मुहाने पर धर्मशाला के जदरांगल में केंद्रीय विश्वविद्यालय का परिसर अपनी शव यात्रा निकालता है, मगर कोई रोता नहीं। न कांग्रेस और न ही भाजपा। कई नेता बदल गए, सरकारें बदल गईं, लेकिन राजनीति का व्यवहार हर बार निर्दोष साबित होता है। परियोजना रोकने की मासूमियत भी बड़ी अजीब होती है। हम प्रदेश में बनते-बिगड़ते संस्थानों को देखते रहे हैं, लेकिन इस सदी का सबसे घटिया मजाक धर्मशाला का केंद्रीय विश्वविद्यालय है और यह जिद्द है या दस्तूर कि एक परिसर की मौत के बाद जनाजा भी उठ नहीं रहा। कहानी तत्कालीन भाजपा सरकार से शुरू हुई और मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल, सांसद अनुराग ठाकुर, स्व. किशन कपूर, जयराम ठाकुर से लेकर सुखविंदर सुक्खू सरकार तक पहुंच गई। हिमाचल का सारा बजट इसी परिसर पर आकर खत्म हो रहा है, तो विकास भी मुंह छिपाता होगा। धर्मशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय का परिसर राजनीति को क्यों नहीं सुहाता, जबकि यहां करीब पंद्रह हजार छात्र बाहर से आकर रह रहे हैं। शहर में तीन दर्जन निजी पुस्तकालय व कई प्रतियोगी व प्रवेश परीक्षाओं पर केंद्रित अकादमियां हैं। एक जिला मुख्यालय की विडंबना यह कि यहां से मेडिकल कालेज की संभावना के बाद विश्वविद्यालय का अस्तित्व भी मिटाया गया। यही हिसाब पर्यटन परियोजनाओं का भी पूरे प्रदेश में दिखाई देता है। राजनीतिक घंटियां बांध कर कई संस्थान खड़े तो होते हैं, लेकिन गिरते धड़ाम से। नूरपुर में दो बार पर्यटन परिसर उजड़ गए और भागसूनाग का कैफे बिक कर मॉल बन जाता है। बैजनाथ के कैफे को निजी हाथों का कबाड़ केंद्र किसने बनाया। आंखें थक जाती हैं कि कभी बीड़-बिलिंग का पैराग्लाइडिंग संस्थान अपनी आंख खोलेगा। अब बात छोटी सी है कि नयनादेवी परिसर में लिफ्ट लगाना कितनी जरूरी है, लेकिन एक पक्ष कहता है, इधर देखो, दूसरा कहता है उधर देखो। विडंबना यह है कि हिमाचल में एकपक्षीय विकास का सिलसिला चल रहा है। हर सरकार के कार्यकाल में कुछ विशेष क्षेत्रों में विकास जीत जाता है, कहीं हरा दिया जाता है और कहीं थोंप दिया जाता है। नाहन में बनते मेडिकल कालेज की बिल्डिंग को देखें, तो पूछना पड़ेगा कि जमीन किस टोडरमल ने चयनित की। अब शहर से बाहर जमीन खोजी जा रही है, तो जो बन गई उन इमारतों के मलबे में किसकी फिजूलखर्ची ढूंढी जाएगी। यह बहुमत की जिद्द है, राजनीति का वर्चस्व या खोखला अहंकार जो हिमाचल में विकास को विकास से उलझाता है। कुछ विधायक इन विषयों पर बोलना चाहते हैं, लेकिन प्रदेश सुनता नहीं। प्रदेश को चाहिए अंधा-बहरा विकास और अंधी-बहरी घोषणाएं। यह अंधकार है, क्योंकि सूरज को पर्दे में रखकर हम अपने भविष्य के मुगालतों में रहना सीख गए हैं।

> हिमाचल का जोगिंद्रनगर-पठानकोट रेल मार्ग अपने हाल पर रो रहा है। यूं तो सांसद हमें कह रहे हैं कि एक दिन रेल की पटरियां चौड़ी हो जाएंगी, लेकिन हकीकत यह कि पठानकोट का सफर जोगिंद्रनगर पहुंचता नहीं। किसने रोकी कांगड़ा घाटी की रेल। कौन संसद में कर रहा खोखली बात। आश्चर्य है कि जहां पटरी है, वहां ट्रेन चल नहीं रही और राजनीतिक सपने कह रहे कि उधर देखो, कल तमाशा होने वाला है। कुछ यही हाल शिमला-कांगड़ा और पठानकोट-मंडी फोरलेन का भी है। पता नहीं कब जसूर और मलां के फ्लाईओवर पूरा न होने की जिद्द छोड़ेंगे। अडियल विकास के स्तंभ कई जगह दिखाई दे रहे हैं। कांगड़ा से निकला फोरलेन सुरंग तक नहीं पहुंच रहा है। बड़े-बड़े पुल बन गए, सुरंगें बन गईं, लेकिन सफर जुड़ नहीं रहा। उधर पिंजौर-बद्दी-नालागढ़ फोरलेन का एक टेंडर हजारों शिकायतें दोहरा कर भी पूरा नहीं हो रहा। प्रदेश में ही देखेंगे तो कई अधूरी इमारतें, तो कई बन के भी उदास हैं, फिर भी आजमाइश में सिलसिला चल रहा है। हर बार अपने मुहाने पर धर्मशाला के जदरांगल में केंद्रीय विश्वविद्यालय का परिसर अपनी शव यात्रा निकालता है, मगर कोई रोता नहीं। न कांग्रेस और न ही भाजपा। कई नेता बदल गए, सरकारें बदल गईं, लेकिन राजनीति का व्यवहार हर बार निर्दोष साबित होता है।

दृष्टि कोण

खंडित वैश्विक परिदृश्य में भारत की विशेष भूमिका

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्थाएं शायद ही कभी एक ही पल में ढहती हैं; वे धीरे-धीरे कमजोर होती हैं। वर्ष 1945 के बाद जो ढांचा बनाया गया था, उसकी रूपरेखा में विनाशकारी अस्थिरता को रोकने के लिए शक्ति का निर्वाह नियमबद्ध ढंग से और प्रगति को अनुमानित प्रारूप से उकेरा गया था। दशकों तक, यह रूपरेखा कायम रही। तथापि, अपने शैशवकाल में भी, इस व्यवस्था में प्रतिस्पर्धी महत्वाकांक्षाओं की छाप साथ चलती रही। जिन देशों को इस व्यवस्था को बनाए रखने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई थी, वे अक्सर समानांतर रणनीतिक एजेंडे अपनाते थे, जिन नियमों को खुद लिखा था उनकी परीक्षा लेते रहे। तत्पश्चात नियमों का चयनात्मक पालन सामान्य बन गया। शीत युद्ध ने प्रतिद्वंद्विता के माध्यम से अनुशासन थोपे रखा; दुनिया बंटी हुई थी, लेकिन गुटों की अनुमानित स्थिति के कारण स्थिरता बनी रही। सोवियत संघ के पतन के बाद कुछ समय के लिए एक 'एक-ध्रुवीय' दौर आया, जिसमें वैश्वीकरण की गति तेज हुई और आपूर्ति शृंखलाएं महाद्वीपों तक फैलीं।

रणनीतिक तनाव के कारण : इस विस्तार के भीतर ही तनाव के बीज छिपे थे। परस्पर निर्भरता बढ़ी, लेकिन साथ ही विषमता भी। दक्षता की ललक, सहनशीलता से कहीं ज्यादा तेज रफ्तार से बढ़ी। जिन नेटवर्कों ने समृद्धि लाने में मदद की, उन्होंने ही जोखिम भी पैदा कर दिया, जिसमें अपना फ़ायदा जबरन या महत्त्वपूर्ण वस्तुओं को रोककर उठाया जा सकता था। आर्थिक एकीकरण, जिसे कभी एक स्व-स्थिरकारी माना जाता था, अब तेज़ी से प्रतिस्पर्धा के रूप में सामने आने लगा। आज ढांचा खड़ा तो है, लेकिन इसका अधिकार क्षेत्र सीमित हो गया। नियम का जिक्र तो किया जाता है, लेकिन लागू चुनिंदा ढंग से ही होते हैं। हम जो देख रहे हैं, वह कोई अचानक आया पतन नहीं बल्कि जो अनुशासन कभी व्यवस्था के दौरान कायम रहा, उसके प्रति सहमति को धीरे-धीरे कम किया जा रहा है। जैसे-जैसे पुरानी सहमति के स्तंभ कमजोर हो रहे हैं, दुनिया नए 'गुरुत्व केंद्र' की तलाश में है। वह गुरुत्व केंद्र कौन प्रदान कर सकता है, यह मामूली सवाल नहीं। बदलती व्यवस्था का बहाव थामने में हरेक शक्ति एक समान समर्थ नहीं। इसके लिए भूगोल, इतिहास, सभ्यतागत स्मृति और संयम रखने के पिछले रिकार्ड को एक साथ मिलाने जरूरत है। इसे एक ऐसी रणनीतिक संस्कृति की भी जरूरत है, जिसकी नीयत किसी और पर अपना वर्चस्व स्थापित करना न हो; संवैधानिक त्वरित सोच की जरूरत है, जो एकरूपता थोपने के बजाय विविधता साथ लेकर चले। इसे एक ऐसे बहुलवादी लोकाचार पर आधारित होना चाहिए, जो मुक्त दुनिया के साथ जुड़ाव तो रखे, लेकिन खुद उसमें न डूबे। इन गुणों बगैर भटकाव स्वतः ठीक नहीं होता; बल्कि और गहरा होता जाता है और अक्सर उनको फ़ायदा देने लगता है, जिन्होंने नियम तो गढ़े, लेकिन उन पर अमल न करने के बहाने ढूंढ़ते हैं।

सभ्यता, पैमाना और दायित्व : भारत की सभ्यतागत स्मृति, उसकी भौगोलिक केंद्रीयता के साथ मिलकर, एक विशिष्ट रणनीतिक स्थिति का निर्माण करती है। यह अपने आप में एक महाद्वीप है, उत्तर में हिमालय का प्रश्रय है-ऐसा क्षेत्र जिसने लंबे समय ढाल और मार्ग की भूमिका निभाई। हिमालयी पर्वत शृंखला ने न केवल रक्षा की, बल्कि सदियों व्यापार का मार्ग बना रहा और आक्रमणों को भी सीमित किया; इस प्रक्रिया ने ऐसी सभ्यता को आकार दिया जो अपनी मूल पहचान खोए बिना बाहरी प्रभाव आत्मसात कर लेती है। इसका प्रायद्वीपीय विस्तार साझे समुद्री क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जो वैश्विक व्यापार की मुख्य धमनियों में इसकी अहम उपस्थिति यकीनी बनाता है।

शिक्षा विभाग ने बिना मान्यता वाले 35 स्कूलों को घोषित किया अवैध

कैथल (हिंस)। जिला शिक्षा विभाग ने बिना मान्यता और अनुमति के संचालित हो रहे निजी स्कूलों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए 35 स्कूलों की सूची जारी की है। जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष ने निदेशालय के निर्देशों के तहत इन स्कूलों को अवैध घोषित किया है और अभिभावकों से सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसे स्कूलों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों का भविष्य जोखिम में पड़ सकता है, क्योंकि इन संस्थानों की मान्यता नहीं होने के चलते उनके शैक्षणिक प्रमाणपत्र मान्य नहीं होंगे। ऐसे में यदि अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला इन स्कूलों में करवाते हैं, तो इसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने इन स्कूलों के नाम सार्वजनिक किए हैं। सूची में जिले के विभिन्न क्षेत्रों के स्कूल शामिल हैं, जिनमें सरस्वती विद्या मंदिर, शहीद भगत सिंह पब्लिक स्कूल (खेड़ी लांबा), गीता विद्या मंदिर कौलेखां, गुरु द्रोणाचार्य पब्लिक स्कूल कैलरम, एसवीएन स्कूल (खरक पांडवा), गीता मॉडल स्कूल (वजीर नगर), सरस्वती पब्लिक स्कूल (चांदना), शहीद उधम सिंह स्कूल भुसला, गीता निकेतन पब्लिक स्कूल भूना, स्विफ्ट इंटरनेशनल स्कूल (क्योड़क), शिक्षा पब्लिक स्कूल (ग्योंग), एसडी मॉडर्न स्कूल (बात्ता), गीतांजलि पब्लिक स्कूल (करोड़ा), गीता मनोहर पब्लिक स्कूल नंदकरण माजरा, टुगेदर वी स्कूल (सेरधा), सरस्वती विद्या मंदिर (थेह बुटाना), नवज्योति पब्लिक स्कूल (चुड़माजरा), ग्रीन वे पब्लिक स्कूल (संगतपुरा), शहीद भगत सिंह स्कूल व आदर्श पब्लिक स्कूल (बरटा), नव जीवन पब्लिक स्कूल, शहीद भगत सिंह स्कूल और मदर प्राइड पब्लिक स्कूल (धनौरी), किड्स ज़ोन (चंदाना), शिव पब्लिक स्कूल (कुराड़), चौधरी देवी लाल स्कूल (बालू), एसके ग्लोबल एकेडमी (करनाल रोड, कैथल), चाणक्य पब्लिक स्कूल कमालपुर, हरियाणा पब्लिक स्कूल ढूंढवा, आरएस पब्लिक स्कूल कलायत, एसवीएन ग्लोबल स्कूल (खेड़ी लांबा), सरस्वती मिडिल स्कूल बडसिकरी, ज्ञानदीप विद्या मंदिर खेड़ी शेरखां, ब्राइट बिगिनिंग पब्लिक स्कूल (धनौरी) तथा हर-हर महादेव स्कूल किच्छाना शामिल हैं।

पूर्ववर्ती सरकार ने जोधपुर में नहीं करवाए काम, अब जनता हमसे मांग रही : मुख्यमंत्री

जोधपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जोधपुर में कोई विकास कार्य नहीं करवाए। अब जनता हमसे मांग रही है। राज्य सरकार उनकी भावनाओं का पूरा ध्यान रखेगी। यह बात उन्होंने आज यहां जोधपुर प्रवास के दौरान राजाराम आंजणा आश्रम ट्रस्ट शिकारपुरा में आयोजित संत राजाराम महाराज के 144वें जन्मोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने अपने संबोधन में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि घोटाले करने वालों का बख्शा नहीं जाएगा। वे सभी जेल जाएंगे। उन्होंने यहां संत राजाराम महाराज की समाधि के दर्शन किए तथा संत दयाराम महाराज का आशीर्वाद लिया। उन्होंने मेले का अवलोकन किया तथा संत राजाराम आश्रम के ऐतिहासिक मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत तथा गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जीवजंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई, पाली सांसद पीपी चौधरी, जालोर सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी, विधायक अर्जुनलाल गर्ग, बाबू सिंह राठौड़, भैराराम सियोल, पब्बाराम विश्नोई, अरुण पटेल, छोटू सिंह, हमीर सिंह भायल, आदूराम मेघवाल व जीवाराम चौधरी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेशवासियों को रामनवमी के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनवमी का दिन हमारे जीवन में हर्षोल्लास, उत्साह और भाईचारे की भावना लेकर आता है। यह पर्व हमें मर्यादा, धर्म और आदर्शों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने जोधपुर सहित पूरे प्रदेश के लोगों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि ऐसे पर्व समाज में एकता और सौहार्द को मजबूत करते हैं।

दुनिया में नाजुक स्थिति, सरकार की तैयारी कमजोर : गहलोत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों को सलाह देते हुए कहा कि वे अपने बेटों को सरकार से दूर रखें। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद से मंत्रियों के परिजनों का सरकारी कामकाज में दखल बढ़ा है, जो भविष्य में सरकार की बदनामी का कारण बन सकता है। उन्होंने नेताओं से कहा कि बेटों को नजदीक रखोगे तो वे बिगड़ जाएंगे, उन्हें दूर रखकर अच्छे संस्कार देना जरूरी है। गहलोत गुरुवार को जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर गहलोत ने राज्य सरकार, केंद्र सरकार और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर एक साथ तीखे बयान दिए। अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर बोलते हुए गहलोत ने विदेश मंत्री के पाकिस्तान को लेकर दिए गए कथित *दलाली* शब्द पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के विदेश मंत्री को इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अगर यह जुबान फिसलने से हुआ है तो अलग बात है, अन्यथा उन्हें माफी मांगनी चाहिए। गहलोत ने कहा कि वर्तमान वैश्विक हालात बेहद संवेदनशील हैं और दुनिया तीसरे विश्व युद्ध जैसी स्थिति की ओर बढ़ रही है। ऐसे समय में हर देश को शांति स्थापित करने के प्रयास करने चाहिए। गहलोत ने डोनाल्ड ट्रंप के बयानों को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ट्रंप कभी नरेंद्र मोदी को अपना दोस्त बताते हैं, तो कभी उनके खिलाफ टिप्पणी करते हैं। किसी भी देश के राष्ट्रपति द्वारा दूसरे देश के प्रधानमंत्री के लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करना असामान्य है। उन्होंने पाकिस्तान की मध्यस्थता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इतिहास में वह भारत के सामने कमजोर रहा है, इसके बावजूद वैश्विक मामलों में उसकी भूमिका बढ़ना चिंताजनक है। गहलोत ने कहा कि तेल-गैस संकट को लेकर राहुल गांधी पहले ही चेतावनी दे चुके थे, लेकिन सरकार ने समय रहते तैयारी नहीं की। राज्य सरकार पर हमला जारी रखते हुए गहलोत ने आरोप लगाया कि सरकार कोचिंग संस्थानों से मिलीभगत कर रही है, जिसके कारण जयपुर में ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ रही है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में देरी और योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी सवाल उठाए। कानून-व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि प्रदेश में हालात बिगड़ चुके हैं और हत्या जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। साथ ही आरोप लगाया कि सरकार आंकड़े कम दिखाने के लिए एफआईआर दर्ज करने में भी ढिलाई बरत रही है। गहलोत ने इंदिरा गांधी के समय का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौर में भारत की अंतर्राष्ट्रीय स्थिति मजबूत थी, जबकि वर्तमान हालात चिंताजनक हैं।

डबल इंजन सरकार में स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं, योजनाएं हो रहीं कमजोर : रघु शर्मा

जयपुर (हिंस)। पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर स्वास्थ्य सेवाओं की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार के आधे कार्यकाल के बावजूद 8 करोड़ जनता के स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। उन्होंने यह बात प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कही। रघु शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के दौरान चिकित्सा क्षेत्र में मजबूत आधार तैयार किया गया था। निःशुल्क दवा योजना, निःशुल्क जांच योजना और 25 लाख रुपए तक के कैशलेस इलाज जैसी योजनाओं से राजस्थान देश में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बना। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का लक्ष्य हर व्यक्ति तक बेहतर चिकित्सा सुविधा पहुंचाना था। उन्होंने बताया कि कांग्रेस शासन में महंगी जांचें, जैसे एमआरआई तक को निःशुल्क योजना में शामिल किया गया था। साथ ही *राइट टू हेल्थ* कानून लागू कर राजस्थान देश का पहला राज्य बना, लेकिन वर्तमान सरकार ने इस कानून को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में आरजीएचएस योजना की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए। उन्होंने बताया के वे रूटीन जांच के लिए एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचे थे। वह आरजीएचएस के तहत एमआरआई कराने गए तो उनको वापस धनवंतरी ब्लॉक जाने के लिए कहा गया। इस अव्यवस्था से नाराज रघु शर्मा ने पैसे देकर बाहर एमआरआई करवाई। कैशलेस सुविधा नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए व्यवस्था की खामियों को उजागर किया। रघु शर्मा ने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल का 24 मंजिला आईपीडी टावर, जिसमें 1200 बेड की सुविधा प्रस्तावित है, आज भी अधूरा पड़ा है। इसी तरह सांगानेर गेट स्थित महिला चिकित्सालय का आईपीडी टावर भी पूरा नहीं हो सका। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार इन परियोजनाओं की समयसीमा तक बताने में असमर्थ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान 33 में से 30 जिलों में मेडिकल कॉलेज खोले गए थे और 17 नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए। लेकिन वर्तमान सरकार नए जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए कोई प्रयास नहीं कर रही है। जालोर में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज को भी निरस्त कर दिया गया। रघु शर्मा ने राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बजट आवंटन और भुगतान में भारी अंतर है। जहां मासिक जरूरत 330 करोड़ रुपए की है, वहीं बजट केवल 250 करोड़ रुपए प्रतिमाह का है। साथ ही 1710 करोड़ रुपए के बकाया भुगतान के कारण निजी अस्पतालों ने इलाज बंद करने की चेतावनी दी है। उन्होंने योजना में गड़बड़ियों का भी जिक्र करते हुए कहा कि छोटी दुकानों द्वारा बड़े क्लेम उठाए जा रहे हैं, जिसकी जांच होनी चाहिए। पूर्व मंत्री ने कहा कि जिला अस्पतालों को रेफरल अस्पताल बनाकर छोड़ दिया गया है। जहां पहले 100 डॉक्टर कार्यरत थे, वहां अब केवल 25-26 डॉक्टर रह गए हैं। कैंसर, किडनी और हार्ट जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में आम जनता को भारी आर्थिक बोझ झेलना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एमआरआई जैसी जांच के लिए जरूरी हीलियम गैस का आयात इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के कारण प्रभावित हो सकता है। ऐसे में सरकार को अपनी तैयारी स्पष्ट करनी चाहिए। रघु शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय राजस्थान का हेल्थ मॉडल देश ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया था, लेकिन वर्तमान सरकार में यह ढांचा कमजोर होता जा रहा है। उन्होंने सरकार से स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

भर्ती परीक्षाओं में बड़ा बदलाव

डिलीट सवालों के अंक अब पूरे पेपर में बांटे जाएंगे, नेगेटिव मार्किंग में राहत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने प्रतियोगी परीक्षाओं में लंबे समय से चल रहे डिलीट सवालों के विवाद को लेकर अहम बदलाव किया है। अब किसी भी परीक्षा में यदि कोई प्रश्न डिलीट होता है, तो उसके अंक केवल संबंधित विषय में नहीं, बल्कि पूरे प्रश्नपत्र में समान रूप से वितरित किए जाएंगे। बोर्ड अध्यक्ष आलोक राज ने बताया कि इस नई व्यवस्था से अभ्यर्थियों के बीच समानता बढ़ेगी और अंक गणना की जटिलता भी कम होगी। उन्होंने इस संबंध में एक्स पर पोस्ट भी लिखी। अब तक यदि किसी विषय का सवाल डिलीट होता था, तो उसके अंक उसी विषय के बाकी प्रश्नों में जोड़ दिए जाते थे। उदाहरण के तौर पर, इतिहास का तीन अंक का सवाल हटने पर वह अंक उसी विषय के अन्य सवालों में बंट जाते थे। इससे सही उत्तर देने वालों को अधिक लाभ मिलता था, जबकि गलत उत्तर देने वालों की नेगेटिव मार्किंग भी बढ़ जाती थी। इस व्यवस्था का असर खास तौर पर एससी, एसटी, सहरिया, टीएसपी क्षेत्र के अभ्यर्थियों, खिलाड़ियों, पूर्व सैनिकों, तलाकशुदा और विधवा महिलाओं पर पड़ता था, क्योंकि उनकी कटऑफ कम होने के बावजूद अंक कम हो जाते थे। उन्होंने बताया कि अब डिलीट प्रश्न के अंक पूरे पेपर में समान रूप से बांटे जाएंगे, जिससे सभी अभ्यर्थियों पर समान प्रभाव पड़ेगा। साथ ही, यह समस्या भी खत्म होगी कि डिलीट सवाल किस विषय का था। नई व्यवस्था के तहत गलत उत्तर पर 1/3 नेगेटिव मार्किंग केवल मूल अंक के आधार पर ही लागू होगी। यानी डिलीट सवाल के कारण बढ़े हुए अंकों का असर नेगेटिव मार्किंग पर नहीं पड़ेगा। इससे अभ्यर्थियों को अतिरिक्त कटौती से राहत मिलेगी।

चंबल का पानी चित्तौड़ लाने का मार्ग प्रशस्त, कार्यादेश जारी गहलोत सरकार में स्वीकृत हुई थी परियोजना

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। विधानसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में पेयजल समाधान के लिए राजस्थान की पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में स्वीकृत चंबल परियोजना धरातल पर उतरने जा रही है। इसके लिए 648 की करोड़ की लागत वाली इस योजना में एलएनटी कंपनी को 636 करोड़ रुपए की राशि में कार्यादेश जारी हो गया है। यह कंपनी वर्तमान में बेगू-भैंसरोड़गढ़ चम्बल परियोजना का कार्य भी कर रही है। इस परियोजना को लेकर पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने बताया कि कांग्रेस सरकार में भीलवाड़ा के सहाड़ा में प्रभारी के तौर पर गांव-गांव में चुनावी दौरे के दौरान वहां पानी का क्राइसिस देखा था। उसी वक्त चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए पानी के संकट को दूर करने के लिए उस समय के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से चम्बल परियोजना की मंजूरी 2021-2022 में ही करवा दी थी। निरन्तर तात्कालीन मुख्य अभियंता पीएचईडी लुहाड़िया, दिनेश गोयल एवं अन्य अधिकारियों के संपर्क में रह कर इस योजना को मूर्त रूप देने के प्रयास में लगा रहा। सरकार बदलने के बाद भी योजना को लेकर अधिकारियों से बराबर संपर्क में रहा एवं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस योजना के लिए बार-बार फीडबैक लेते रहते थे। इस योजना की मंजूरी के लिए चित्तौड़गढ़ की जनता को उनका आभार। पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने बताया कि पूर्व में बार-बार उच्च बीड की वजह से कार्यादेश निरस्त हो जाते थे एवं नेगोसिएशन भी सफल नहीं हुए थे। आखिरकार एलएनटी कंपनी को कार्यादेश जारी होने से बहुप्रतीक्षित यह योजना शीघ्र घर-घर पहुंचेगी जो कि जनता जल मिशन योजना के अंतर्गत ही मूर्तरूप लेगी। चम्बल परियोजना से चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र के 278 गांव, ढाणी, मजरे, एवं चित्तौड़गढ़ शहर के साथ निंबाहेड़ा के 66 गांव भी शामिल है बस्सी क्षेत्र में उच्च जलाशय बनेगा जिसमें राजगढ़ से पानी की कनेक्टिविटी मिलेगी। इस जलाशय से घाटा क्षेत्र, एवं बस्सी के आस पास के गांवों को पानी की आपूर्ति होगी, सबसे बड़ा उच्च जलाशय सेमलपुरा में बनेगा जिससे चित्तौड़गढ़ शहर एवं ग्रामीण में जलापूर्ति होगी, कन्नौज के जलाशय से भदेसर क्षेत्र की पंचायतों को पांडोली के जलाशय से आस पास के ग्राम पंचायत में जलापूर्ति होगी। इस परियोजना से प्रत्येक ग्राम पंचायत में 18 से 20 करोड़ एवं बस्सी एवं सावा जैसी बड़ी ग्राम पंचायत में 30 से 50 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस परियोजना के मूर्त रूप लेते ही आगामी 50 वर्षों तक की पेयजल समस्या का समाधान होगा।

मुनाफे का लालच देकर 18 लाख से अधिक की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

कैथल (हिंस)। मुनाफे का लालच देकर लाखों रुपए ठगने के मामले में पुलिस ने गुरुवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, पूंडरी निवासी बृजभूषण ने शिकायत दी थी कि 12 जनवरी को उसके व्हाट्सएप पर एक अज्ञात व्यक्ति का संदेश आया, जिसमें निवेश कर भारी मुनाफा कमाने का दावा किया गया था। संदेश के साथ एक लिंक भी भेजा गया था। लिंक पर क्लिक करने के बाद उसने दिए गए नंबर पर संपर्क किया, जहां ठग ने उसे एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ लिया। इसके बाद उसे एक अन्य लिंक के जरिए अपनी जानकारी भरने और निवेश करने के लिए कहा गया। झांसे में आकर बृजभूषण ने अलग-अलग समय में कुल 18.22 लाख रुपए निवेश कर दिए। जब उसे ठगी का शक हुआ और उसने पैसे निकालने की कोशिश की, तो रकम नहीं निकली। बाद में आरोपी ने कॉल उठाना भी बंद कर दिया। शिकायत मिलने पर थाना साइबर क्राइम में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान थाना साइबर क्राइम प्रभारी पीएसआई शुभांशु के नेतृत्व में एएसआई जसबीर सिंह की टीम ने कार्रवाई करते हुए पानीपत निवासी सागर सिंगला और रमेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी साइबर ठगों को ठगी के लिए बैंक खाते उपलब्ध करवाते थे, जिनके माध्यम से ठगी की रकम ट्रांसफर की जाती थी।

महिलाओं एवं बालिकाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों का एक बड़ा कारण अशिक्षा : अभिनव द्विवेदी

मुरादाबाद (हिंस)। मुरादाबाद जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में गुरुवार को पुलिस लाइन से मिशन शक्ति अभियान 5.0 के द्वितीय चरण के तहत महिला सुरक्षा एवं जागरूकता दौड़ का आयोजन हुआ। सहायक पुलिस अधीक्षक/कांठ सर्किल के क्षेत्राधिकारी अभिनव द्विवेदी ने हरी झंडी दिखाकर दौ? का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों का एक बड़ा कारण अशिक्षा है। सीओ कांठ अभिनव द्विवेदी ने आगे कहा कि आज आवश्यक है कि हम अपनी बेटियों को हर हाल में शिक्षित करें, ताकि वे किसी भी कार्य में सक्षम हो सकें। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, परंतु उन्हें और अधिक स्वावलम्बी बनाने के लिए उनमें नेतृत्व की भावना जागृत करना अत्यंत आवश्यक है। यदि बेटियों में नेतृत्व की भावना विकसित होगी तो वे शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बनकर स्वावलम्बी व आत्मनिर्भर होंगी। रैली के दौरान क्षेत्राधिकारी जनपद मुख्यालय शुभम पटेल एवं पुलिस बल के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। रैली में महिला पुलिसकर्मियों सहित पुलिस बल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए।

छापेमारी के दौरान पुलिस टीम पर हमला थानाध्यक्ष सहित पांच पुलिसकर्मी घायल

सुपौल (हिंस)। जिले के राघोपुर प्रखंड अंतर्गत करजाईन थाना क्षेत्र के सीतापुर गांव में बुधवार देर रात छापेमारी के दौरान पुलिस टीम पर हमला कर दिया गया। घटना में करजाईन थानाध्यक्ष मनीष कुमार समेत पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। जानकारी के अनुसार करजाईन थाना की पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि शराब तस्करी के मामले में फरार चल रहा अप्राथमिकी अभियुक्त सरोज कुमार मेहता गांव में मौजूद है। इसी सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष मनीष कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम बुधवार देर रात सीतापुर गांव पहुंची और कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस टीम आरोपी को लेकर लौटने की तैयारी कर रही थी, तभी वहां मौजूद शराब धंधे से जुड़े लोगों ने एकजुट होकर पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस हमले में थानाध्यक्ष मनीष कुमार सहित पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायलों को तुरंत इलाज के लिए रेफरल अस्पताल राघोपुर लाया गया, जहां डॉ. निखिल आनंद ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टर ने बताया कि सभी घायल पुलिसकर्मी देर रात अस्पताल पहुंचे थे। उनकी स्थिति को देखते हुए एक्स-रे समेत अन्य जरूरी जांचें लिखी गई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को आगे की देखरेख के लिए भेज दिया गया। इस मामले में डीएसपी वीरपुर सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि आरोपी सरोज कुमार मेहता को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि घटनास्थल से जो गोली का खोखा बरामद होने की बात कही जा रही है, वह पुलिस की ओर से नहीं चलाया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है और हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आरोपी पक्ष के लोगों का कहना है कि देर रात बिना वारंट और महिला पुलिस के बड़ी संख्या में पुलिस बल उनके घर पहुंच गया था।

विकास की रफ्तार को कई गुना बढ़ा सकती है टेक्नोलॉजी : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि टेक्नोलॉजी विकास की रफ्तार को कई गुना बढ़ा सकती है। हमारी गति को प्रगति में बदल सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। बजट में टेक्नोलॉजी पर विशेष ध्यान देने का प्रयास किया है। पिछले नौ सालों में प्रदेश ने प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के गोरखपुर सेंटर के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब हम तकनीक नहीं अपनाते, उससे परहेज करते हैं तो प्रतिस्पर्धा में नहीं होते हैं। और, जब प्रतिस्पर्धा में नहीं होते हैं तो प्रगति की जगह दुर्गति की ओर जाते हैं। हमें प्रगति की ओर नहीं जाना है बल्कि प्रगति का अनुसरण करना है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमारे युवाओं में बहुत प्रतिभा है। उसकी प्रतिभा को जब हम टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ते हैं तो वह अपनी प्रतिभा को कई गुना तेजी के साथ आगे बढ़ाने में सफल होता है। यही कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 11 वर्षों में देश में किया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। यहां युवाओं में स्केल तो था, लेकिन उसे वर्ष 2014 के पहले की सरकारों ने महत्व नहीं दिया। स्केल को स्किल में बदलने का प्रयास नहीं किया, कोई प्लेटफार्म नहीं उपलब्ध करवाया। परिणाम था कि युवा हतोत्साहित होता था, पलायन करता था। युवाओं के मन में निराशा थी। पर, 2014 के बाद एक-एक करके हर एक क्षेत्र में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसटीपीआई का गोरखपुर सेंटर गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगा। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क की सबसे बड़ी विशेषता है कि स्टार्टअप चलाने वाला व्यक्ति केवल अपना कंप्यूटर लेकर वहां जाएगा। उसे जगह, विद्युत कनेक्शन और अन्य जन सुविधाओं की चिंता नहीं करनी है। देश और दुनिया में जहां कहीं भी सॉफ्टवेयर की टेक्नोलॉजी आज अपनी धमक दिखा रही है, उसके पीछे यही मॉडल सब जगह सफल हुए हैं। गोरखपुर में पहली बार इसे शुरू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अप्रैल को गोरखपुर में पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले सेंटर आफ एक्सीलेंस का शुभारंभ भी हो जाएगा। यह सेंटर आफ एक्सीलेंस महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) में बना है। ये सभी कार्यक्रम दिखाते हैं कि अब केवल हार्डवेयर में ही नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर में भी पूर्वी उत्तर प्रदेश का युवा अपनी प्रतिभा का परिचय वैश्विक मंच पर देने में सफल हो पाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्ष के अंदर स्टार्टअप संस्कृति को आगे बढ़ाने का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में बीस हजार से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं और इनमें से आधे महिलाओं द्वारा संचालित किया जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी को भविष्य की ऊर्जा बताते हुए कहा कि सरकार गोरखपुर के मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) में ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनवा रही है। इसके लिए 50 करोड़ रुपए उपलब्ध कराए गए हैं। एनर्जी के लिए हमें किसी अन्य देश पर निर्भर न रहना पड़े, इसके लिए ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी इसका एक माध्यम बनने वाली है। सीएम ने कहा कि हम लोग जापान गए थे। जापान के साथ हमारी बातचीत हुई है। जापान में ग्रीन हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी काफी एडवांस्ड स्टेज में है। हम उनसे मिल करके इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जिस क्षेत्र में जो संभावनाएं हैं, उसी को देखकर सेंटर आफ एक्सीलेंस विकसित किए जा रहे हैं। आईआईटी कानपुर में मेडिटेक के लिए एक सेंटर आफ एक्सीलेंस, एसजीपीजीआई लखनऊ में भी एक सेंटर आफ एक्सीलेंस विकसित करने की कार्यवाही को आगे बढ़ाया गया है। कानपुर में लेदर और कानपुर में ड्रोन टेक्नोलॉजी का, नोएडा, ग्रेटर नोएडा में रोबोटिक्स का सेंटर आफ एक्सीलेंस विकसित करने के लिए धनराशि उपलब्ध करवाई गई है।

रामनवमी को लेकर निकाली गई कलश शोभायात्रा

भागलपुर (हिंस)। जिले के सबौर प्रखंड क्षेत्र के रजांदीपुर सरस्वती स्थान से रामनवमी के उपलक्ष्य में गुरुवार को कलश शोभायात्रा निकाली गई। कलश शोभायात्रा में 300 की संख्या में माता और बहनें शामिल थे। शोभायात्रा रजांदीपुर से बाबूपुर एन एच 80 केनरा बैंक हाड़वा रोड होते हुए बाबूपुर गंगा घाट पहुंची। इसके बाद सभी माता और बहनों ने गंगा स्नान कर कलश में गंगा जल लेकर पुनः सरस्वती स्थान के प्रांगण में पहुंची। शोभायात्रा में काफी संख्या में ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि साथ चल रहे थे। वहीं सरपंच पति राजेंद्र मंडल ने बताया कि हर साल हम लोग धूमधाम से रामनवमी की उपलक्ष्य में शोभायात्रा निकालते हैं। 1947 में मेरे दादाजी शोभा यात्रा निकालते आ रहे हैं। उनके मार्गदर्शन से हम लोग भी शोभायात्रा हर साल निकालते हैं। जिससे समाज में कल्याण हो।

टर्बो-पेट्रोल इंजन वाले सबसे किफायती कारें

टर्बो पेट्रोल इंजन वाली एसयूवी की मांग बढ रही तेजी से

नई दिल्ली

टर्बो पेट्रोल इंजन वाली 7 से 15 लाख रुपये के बजट वाली एसयूवी की मांग तेजी से बढ़ रही है। इस सेगमेंट में टाटा मोटर्स, किआ और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों के साथ रिनाल्ट भी अपने नए माडल्स के जरिए प्रतिस्पर्धा को और तेज कर रही है।

इस रेंज में स्कोड कायलाक एक किफायती और पावरफुल विकल्प के तौर पर उभर रही है। एमक्यूबी एओ इन प्लेटफार्म पर बनी इस एसयूवी में 1.0 लीटर टीएसआई टर्बो पेट्रोल इंजन मिलता है, जो करीब 118एचपी की पावर और 178एनएम का टार्क देता है। इसके साथ मैन्युअल और आटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन विकल्प मिलते हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी यह मजबूत है और इसे 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिल चुकी है। इसकी कीमत लगभग 7.59 लाख से 12.99 लाख रुपये के बीच है। वहीं किआ सोनेट अपने फीचर्स और परफार्मेंस के संतुलन के कारण ग्राहकों के बीच लोकप्रिय बनी हुई है। इसमें 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो लगभग 118एचपी की पावर और 172एनएम का टार्क जनरेट करता है। आईएमटी और डीसीटी जैसे एडवांस ट्रांसमिशन विकल्प इसे और खास बनाते हैं। इसकी कीमत भी 15 लाख रुपये से कम है, जिससे यह बजट सेगमेंट में एक मजबूत विकल्प बनती है। इसके अलावा रिनाल्ट डस्टर की वापसी भी चर्चा में है। नए अवतार में आने वाली यह एसयूवी टर्बो पेट्रोल इंजन और आधुनिक फीचर्स के साथ बाजार में उतर सकती है, जिससे इसे फिर से ड्राइविंग के शौकीनों के बीच लोकप्रियता मिलने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, अगर आप बजट में एक पावरफुल और मजेदार एसयूवी की तलाश में हैं, तो टर्बो पेट्रोल इंजन वाले ये विकल्प परफार्मेंस, फीचर्स और कीमत के लिहाज से बेहतरीन संतुलन प्रदान करते हैं। टर्बो पेट्रोल इंजन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि कम इंजन क्षमता के बावजूद यह ज्यादा पावर और बेहतर टार्क देता है, जिससे शहर और हाईवे दोनों जगह ड्राइविंग का अनुभव बेहतर हो जाता है। यही कारण है कि यह सेगमेंट अब तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। मालूम हो कि भारतीय आटो बाजार में अब ग्राहकों की पसंद तेजी से बदल रही है। लोग सिर्फ माइलेज ही नहीं, बल्कि बेहतर परफार्मेंस और शानदार ड्राइविंग अनुभव को भी प्राथमिकता देने लगे हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय स्टार्टअप्स ने 2025 में जुटाए 9.1 अरब डालर

नई दिल्ली। भारत की प्रौद्योगिकी स्टार्टअप कंपनियों ने एक साल पहले की तुलना में 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 9.1 अरब डालर की रकम जुटाई। रकम जुटाने की यह कवायद और ज्यादा चुनिंदा हो गई है तथा यह नए मुकामों से जुड़ी हुई है। यह कारोबार बढ़ाने वाले और व्यावसायीकरण के लिए तैयार उद्यमों के पक्ष में है। यह रिपोर्ट क्षेत्र के विकास के अगले दौर को आकार देने वाले संरचनात्मक बदलावों पर प्रकाश डालती है। डीपटेक क्षेत्र भारत की नवाचार रफ्तार के अहम स्तंभ के रूप में उभर रहा है। भारत में फिलहाल 4,200 से अधिक डीपटेक स्टार्टअप कंपनियां हैं। इनमें से अकेले साल 2025 में ही स्थापित 550 से अधिक कंपनियां शामिल हैं। साल 2025 में डीपटेक स्टार्टअप कंपनियों ने रकम जुटाने की कवायद में 2.3 अरब डालर जुटाए। इसमें सालाना आधार पर 37 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। यह पूंजी के अधिक चुनिंदा माहौल के बावजूद निवेशकों के निरंतर विश्वास को दर्शाता है। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) डीपटेक के विकास का प्रमुख संचालक बनी हुई है। डीपटेक स्टार्टअप में इसकी 84 प्रतिशत और जुटाई गई रकम में 91 प्रतिशत हिस्सेदारी है और यह तेजी से उद्योगों और उद्यम एप्लीकेशनों में शामिल हो रही है। नैसकाम के एक अधिकारी ने कहा कि भारत का स्टार्टअप तंत्र अब वृद्धि के अधिक अनुशासित चरण में प्रवेश कर रहा है। इसमें अगले नवाचार चक्र के लिए एआई मुख्य अवसंरचना के रूप में केंद्र में है। उन्होंने कहा कि यह उद्यमों के साफ्टवेयर, साइबर सुरक्षा, रक्षा और औद्योगिक प्रणालियों जैसे क्षेत्रों में बड़े स्तर पर एआई बनाने, तैनात करने और व्यावसायीकरण करने की भारत की क्षमता में बढ़ते वैश्विक विश्वास का संकेत है। उन्होंने कहा कि अगला चरण एआई नवाचार का बाजार में इस्तेमाल, बौद्धिक संपदा और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी प्लेटफार्मों की दिशा में बढ़ने पर निर्भर करेगा ।

बाइक राइडर्स के लिए अनोखी न्यूमेरोलाजी सीरीज पेश

नई दिल्ली। बाइक राइडर्स के लिए हेलमेट निर्माता स्टीलबर्ड हेलमेटस ने एक अनोखी न्यूमेरोलाजी सीरीज पेश की है। इस सीरीज की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ग्राहक 01 से 09 तक के अपने पसंदीदा या लकी नंबर के साथ हेलमेट चुन सकते हैं। ये नंबर किसी व्यक्ति के जन्मदिन, उपलब्धि या व्यक्तिगत मान्यताओं से जुड़े हो सकते हैं। कंपनी का उद्देश्य हेलमेट को सिर्फ एक सुरक्षा उपकरण तक सीमित न रखकर उसे राइडर की पहचान और भावनात्मक जुड़ाव का हिस्सा बनाना है। लान्च के मौके पर कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव कपूर ने कहा कि यह सीरीज राइडर्स को सुरक्षा के साथ-साथ एक व्यक्तिगत जुड़ाव का अनुभव देने की दिशा में अहम कदम है। फीचर्स की बात करें तो इस हेलमेट में फिलप-अप मैकेनिज्म दिया गया है, जिससे राइडर जरूरत के अनुसार फुल-फेस और ओपन-फेस मोड के बीच आसानी से स्विच कर सकते हैं। इसके अलावा डुअल वाइजर सिस्टम भी मौजूद है, जिसमें इनर स्मोक सनशील्ड धूप से आंखों की सुरक्षा करता है, जबकि एंटी-स्क्रैच आउटर वाइजर साफ विजिबिलिटी सुनिश्चित करता है। हेलमेट को हाई-इम्पैक्ट थर्मोप्लास्टिक शेल से तैयार किया गया है, जो बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है। इसका एयरोडायनामिक डिजाइन हाई-स्पीड पर स्थिरता बनाए रखता है, वहीं बेहतर वेंटिलेशन और ब्रीथेबल पैडिंग लंबी राइड में आराम देती है।

नया स्मार्टफोन टेक्नो स्पार्क 50 5जी जल्द होगा लान्च

नई दिल्ली। जल्द ही भारत में टेक्नो कंपनी अपना नया 5जी स्मार्टफोन टेक्नो स्पार्क 50 5जी लान्च करने जा रही है। कंपनी ने इस फोन को पावर का टशन टैगलाइन के साथ टीज किया है, जिससे साफ है कि इसका फोकस दमदार बैटरी और बेहतर परफार्मेंस पर रहेगा। यह स्मार्टफोन 27 मार्च को लान्च होगा और इसकी माइक्रोसाइट ई-कामर्स प्लेटफार्म पर लाइव हो चुकी है। लीक जानकारी के अनुसार, इस फोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी 6500एमएएच की बड़ी बैटरी होगी, जो लंबे समय तक इस्तेमाल का भरोसा देती है। इसके साथ 45वाट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट मिलने की भी उम्मीद है, जिससे फोन कम समय में चार्ज हो सकेगा। बेहतर कनेक्टिविटी के लिए इसमें यूपीएस 3.0 सिग्नल बूस्टिंग और 4गुणा4 मीमो जैसी तकनीक दी जा सकती है, जो कमजोर नेटवर्क एरिया में भी बेहतर सिग्नल देने में मदद करेगी। कंपनी इस बार एआई फीचर्स पर भी खास ध्यान दे रही है। फोन में एल्ला एआई जैसे स्मार्ट फीचर्स मिल सकते हैं, जिनकी मदद से यूजर्स वाइस कमांड, भाषा अनुवाद और अन्य कार्य आसानी से कर पाएंगे।

ग्लोबल मार्केट में आसमान पर पहुंचा जेट फ्यूल, हवाई सफर पर असर पड़ने की आशंका

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से हवाई सफर बुरी तरह से प्रभावित होने की आशंका बन गई है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण पिछले एक महीने की अवधि में जेट फ्यूल यानी एयर टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत में वैश्विक स्तर पर 100 प्रतिशत से अधिक की तेजी आ गई है। ऐसी स्थिति में विमानन कंपनियों के सामने हवाई यात्रा को महंगा करने की मजबूरी बन गई है।

जेट फ्यूल की बढ़ी कीमत के कारण दबाव का सामना कर रही विमानन कंपनियों ने इस संबंध में केंद्र सरकार से एयरपोर्ट चार्ज में कटौती करने की मांग की है। इन कंपनियों का कहना है कि अगर एयरपोर्ट चार्ज में कटौती नहीं की गई, तो हवाई किराए में उन्हें लगभग दोगुनी बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

फरवरी से लेकर अभी तक की अवधि में जेट फ्यूल की कीमत में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। 20 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में जेट फ्यूल 95.90 डालर प्रति बैरल के स्तर पर बिक रहा था, जो अब बढ़ कर 197 डालर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है। इस तरह जेट फ्यूल की कीमत में एक महीने की अवधि में दोगुनी से ज्यादा की बढ़ोतरी हो गई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में जेट फ्यूल की कीमत में आई तेजी का असर भारतीय बाजार में भी साफ-साफ नजर आ रहा है। दावा किया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार से सामंजस्य बैठाने और बड़े नुकसान से बचने के लिए भारत की आयल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) अप्रैल के महीने में एटीएफ की कीमत में एक बार फिर बड़ी बढ़ोतरी करने का ऐलान कर सकती हैं। ऐसा होने पर पहले ही बढ़े हुए आपरेटिंग कास्ट का सामना कर रही विमानन कंपनियों के आपरेटिंग कास्ट और अधिक बढ़ोतरी हो सकती है। आपरेटिंग कास्ट में बढ़ोतरी होने का असर हवाई टिकट के मूल्य पर भी नजर आ सकता है।

आपरेटिंग कास्ट बढ़ने की आशंका से चिंतित विमानन कंपनियों ने केंद्र सरकार से हवाई अड्डों पर लैंडिंग और पार्किंग चार्ज को कम करने की मांग की है। इसके साथ ही इन कंपनियों ने टैक्स के मोर्चे पर भी केंद्र सरकार से राहत देने का अनुरोध किया है, ताकि जेट फ्यूल की कीमत में बढ़ोतरी होने की वजह से बढ़ी हुई लागत की कुछ हद तक भरपाई की जा सके। हालांकि मौजूदा व्यवस्था के तहत हवाई अड्डों पर लैंडिंग और पार्किंग चार्ज में कटौती होने की संभावना काफी कम मानी जा रही है। जानकारों का कहना है कि देश के ज्यादातर प्रमुख हवाई अड्डों को निजी कंपनियां संचालित कर रही हैं। ऐसी स्थिति में वे किसी भी तरह की छूट देने का विरोध कर सकती हैं। जानकारों का कहना है कि किसी भी एयरलाइन के कुल आपरेटिंग कास्ट में जेट फ्यूल पर होने वाला खर्च लगभग 40 प्रतिशत होता है। जेट फ्यूल की कीमत बढ़ने पर स्वाभाविक रूप से कंपनियों के मुनाफे में भी कमी आ जाती है। कहा जा रहा है कि पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित करने वाली विमानन कंपनियों को कई रूट पर लंबी उड़ान भी भरनी पड़ रही है। खाड़ी क्षेत्र में कई देशों के एयर स्पेस बंद होने की वजह से विमानों को लंबा रूट अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है, जिससे जेट फ्यूल की खपत भी बढ़ गई है और उड़ानों के संचालन पर होने वाला खर्च भी बढ़ गया है। ऐसी स्थिति में अगर विमानन कंपनियों को एयरपोर्ट चार्ज और टैक्स में रहता नहीं मिला, तो उनके सामने हवाई किराए में बढ़ोतरी करने के अलावा और कोई चारा नहीं होगा।

पांच नई कारों और एसयूवी लान्च करने की तैयारी में होंडा

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में आटोमोबाइल कंपनी होंडा मोटर अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को मजबूत करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। बढ़ते काम्पिटिशन को देखते हुए अब कंपनी पांच नई कारों और एसयूवी को लान्च करने की तैयारी में है। इनमें इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां शामिल हैं।

जो अलग-अलग ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर पेश की जाएंगी। कंपनी की सबसे अहम लान्च में होंडा ओ अल्फा ईवी शामिल है, जो भारत में तैयार होने वाला पहला इलेक्ट्रिक एसयूवी माडल होगा। इसे फ्यूचरिस्टिक डिजाइन, बाक्सी स्टाइल और एडवांस फीचर्स के साथ पेश किया जाएगा। इसमें 65केडब्ल्यूएच और 75केडब्ल्यूएच के बैटरी आप्शन मिल सकते हैं, जो लगभग 450 से 500 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम होंगे। इसकी लान्चिंग अगले साल संभावित है और यह 20 से 25 लाख रुपये के प्राइस रेंज में आ सकती है। इसके अलावा कंपनी होंडा झेडआर वी को भी भारत में लान्च करने की योजना बना रही है, जो एक प्रीमियम हाइब्रिड एसयूवी होगी। इसमें 2.0 लीटर का पावरफुल हाइब्रिड इंजन और आल-वील ड्राइव का विकल्प मिलेगा। इसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये से शुरू हो सकती है और इसे 2026 के आसपास पेश किया जा सकता है। होंडा अपनी टू-डोर कूपे होंडा प्रीलूड को भी भारत में लाने की तैयारी कर रही है, जिसमें स्पोर्टी डिजाइन और करीब 200 बीएचपी का इंजन मिलेगा। वहीं होंडा सिटी का फेसलिफ्ट और हाइब्रिड वर्जन भी जल्द अपडेट होकर आएगा, जिसमें नया डिजाइन और बेहतर फीचर्स मिलेंगे।

डेटा सेंटर कारोबार के लिए अदाणी मेटा और गूगल से करेंगे साझेदारी

नई दिल्ली। भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी अपने तेजी से बढ़ते डेटा सेंटर कारोबार के लिए मेटा प्लेटफार्म्स इंक और गूगल समेत अमेरिकी टेक कंपनियों के साथ साझेदारी पर बातचीत कर रहे हैं। इस मामले से जुड़े लोगों ने यह जानकारी दी। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार सूत्रों ने बताया कि वालमार्ट की फ्लिपकार्ट भी अदाणी समूह के साथ बातचीत कर रही है और कंपनी देश के विभिन्न राज्यों में डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए स्थान तलाश रही है। यह बातचीत अदाणी समूह की 100 अरब डालर की डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर योजना का हिस्सा है, जिसके तहत समूह खुद को हाइपरस्केल डेटा सेंटर के लिए जमीन और नवीकरणीय ऊर्जा उपलब्ध कराने वाले प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करना चाहता है। यह संसाधन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड सेवाओं के लिए बेहद अहम हैं।

सर्राफा बाजार में चमका सोना चांदी के भाव में मामूली तेजी

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। शुरुआती कारोबार के दौरान सोना 3,470 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। हालांकि चांदी के भाव में 100 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक तेजी दर्ज की गई है। कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,50,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,46,830 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

फेसलिफ्टेड स्कार्पियो-एन के जल्द लांचिंग के संकेत

नई दिल्ली

जल्द ही भारतीय आटो बाजार में अपकमिंग माडलों में पावरफुल इंजन, एडवांस टेक्नोलाजी और बेहतर डिजाइन का काम्बिनेशन देखने को मिलेगा। इस लिस्ट में महिंद्रा स्कार्पियो-एन फेसलिफ्ट, टोयोटा फार्च्यूनर का नया जेनरेशन और टोयोटा हाइलक्स का 9वां जेनरेशन प्रमुख हैं। फेसलिफ्टेड स्कार्पियो-एन को हाल ही में टेस्टिंग के दौरान देखा गया है, जिससे इसके जल्द लान्च होने के संकेत मिलते हैं। नए माडल में फ्रंट ग्रिल, एलईडी हेडलाइट्स और बंपर में बदलाव के साथ इंटीरियर में बड़ा टचस्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ और लेवल-2 अडास जैसे फीचर्स मिल सकते हैं।

हालांकि, इसके इंजन विकल्प में बदलाव की संभावना कम है। वहीं 9ह्लद्ध जेनरेशन हाइलक्स में नया और आक्रामक साइबरसुमो डिजाइन, बेहतर केबिन और डिजिटल फीचर्स देखने को मिलेंगे। इसमें 2.8 लीटर टर्बो डीजल इंजन मिलने की उम्मीद है, जो इसे पावरफुल बनाता है। टोयोटा फार्च्यूनर का नया जेनरेशन भी अपग्रेडेड प्लेटफार्म पर आएगा, जिसमें नए डिजाइन, बड़ी टचस्क्रीन और एडवांस टेक्नोलाजी के साथ पेट्रोल और डीजल इंजन आप्शन दिए जाएंगे। इसके अलावा जेटूर टी 2 पर आधारित एक नई एसयूवी को जेएसडब्ल्यू भारत में लान्च कर सकती है, जिसे फार्च्यूनर के मुकाबले में उतारा जाएगा।

वहीं महिंद्रा स्कार्पियो क्लासिक का फेसलिफ्ट वर्जन भी आने की उम्मीद है, जिसमें केबिन और फीचर्स में सुधार किया जाएगा। कुल मिलाकर, आने वाले समय में भारतीय एसयूवी सेगमेंट में जबरदस्त हलचल देखने को मिलेगी, जहां ग्राहकों को ज्यादा पावर, बेहतर टेक्नोलाजी और मजबूत आफरोडिंग क्षमता वाले कई नए विकल्प मिलेंगे। मालूम हो कि भारतीय आटो बाजार में जल्द ही कई नई और अपडेटेड एसयूवी लान्च होने वाली हैं, जो खासतौर पर आफरोडिंग पसंद करने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही हैं।

जीएसटी कटौती से वाहन और कृषि उत्पादों की बिक्री में उछाल

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोक सभा में कहा कि सितंबर 2025 में जीएसटी दरों में सुधार लागू करने के बाद देश में आर्थिक गतिविधियों में स्पष्ट बढ़ोतरी देखी गई है। मंत्री ने बताया कि खुदरा यात्री वाहन बिक्री में 26.1 प्रतिशत, ग्रामीण यात्री वाहन बिक्री में 34 प्रतिशत, और दोपहिया वाहन बिक्री में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ट्रैक्टर की बिक्री में भी 36.4 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। सीमेंट उत्पादन लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा। वित्त मंत्री ने कहा कि मासिक जीएसटी संग्रह में भी हाल के महीनों में लगातार वृद्धि हुई है। तमिलनाडु में दिसंबर 2025 में 8 प्रतिशत, जनवरी 2026 में 5 प्रतिशत और फरवरी 2026 में 18 प्रतिशत की एसजीएसटी वृद्धि देखी गई। मंत्री ने पहले सुविधा, बाद में प्रवर्तन दृष्टिकोण दोहराया। विलंबित आडिट में तकनीकी चूक के लिए निश्चित जुर्माने की व्यवस्था और शून्य कटौती प्रमाणपत्र के लिए नियम-आधारित स्वचालन की घोषणा की। प्राथमिक सहकारी समितियों को दूध, फल, सब्जियां, पशु चारा और कपास बीज की आपूर्ति पर कर कटौती का लाभ मिलेगा। सदस्यों को मिलने वाले लाभांश पर अनुकूल कर उपचार लागू होगा। भारत के मछली पकड़ने वाले जहाजों को विशेष आर्थिक क्षेत्रों और गहरे समुद्र में शुल्क से छूट मिलेगी। 1 अप्रैल 2026 से लागू नए आयकर प्रावधान अनुपालन सरल बनाएंगे, अपील सीमा बढ़ाएंगे और मुकदमेबाजी कम करेंगे। डेटा केंद्रों के लिए निवेश प्रोत्साहन घरेलू अवसंरचना निर्माण और स्थानीय मूल्य संवर्धन से जुड़े हैं, जिसमें निवेश का अनुमान 70 अरब डालर है।

अनमोल एक्का और साक्षी राणा ने हाकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार के लिए नामित होने पर जताई खुशी

नई दिल्ली

हाकी के आठवें वार्षिक पुरस्कार समारोह से पहले देश के दो उभरते हुए हाकी खिलाड़ी अनमोल एक्का और साक्षी राणा ने अंडर-21 वर्ग में नामांकन मिलने पर खुशी और गर्व व्यक्त किया है। यह समारोह 27 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

अनमोल एक्का को जुगराज सिंह पुरस्कार (वर्ष 2025 के उभरते खिलाड़ी-पुरुष अंडर-21) के लिए नामित किया गया है, जबकि साक्षी राणा असुंता लकड़ा पुरस्कार (वर्ष 2025 की उभरती खिलाड़ी-महिला अंडर-21) की प्रमुख दावेदार हैं। दोनों खिलाड़ियों ने पिछले वर्ष अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से यह सम्मान अर्जित किया है। अनमोल एक्का ने अपने नामांकन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह उनके लिए अत्यंत खास अनुभव है। उन्होंने एफआईएच पुरुष जूनियर हाकी विश्व कप तमिलनाडु 2025 में शानदार खेल दिखाते हुए चार गोल किए, जो सभी पेनल्टी कार्नर से आए। अर्जेंटीना के खिलाफ तीसरे स्थान के मुकाबले में उनका गोल भारत को कांस्य पदक दिलाने में निर्णायक साबित हुआ, जिसके लिए उन्हें मुकाबले का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। साक्षी राणा ने भी कम उम्र में अपनी प्रतिभा का प्रभाव छोड़ा है। उन्होंने वर्ष 2025 में सीनियर भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया और बाद में एफआईएच महिला जूनियर हाकी विश्व कप सैंटियागो 2025 में उपकप्तान की भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में उन्होंने तीन गोल किए। सीनियर स्तर पर अब तक 12 मुकाबलों में दो गोल करने वाली साक्षी ने भारत को एफआईएच हाकी विश्व कप बेल्जियम-नीदरलैंड 2026 के लिए क्वालीफाई कराने में भी अहम भूमिका निभाई। साक्षी ने कहा कि यह नामांकन उनकी मेहनत की पहचान है और वह आगे भी पूरी लगन के साथ खेलती रहेंगी। उन्होंने बताया कि अब टीम का ध्यान आगामी विश्व कप की तैयारियों पर है, जहां बेहतर तालमेल और रणनीति के साथ अच्छा प्रदर्शन करने का लक्ष्य है। दोनों खिलाड़ियों का मानना है कि यह सम्मान उनके करियर की शुरुआत भर है और वे भविष्य में भारतीय सीनियर टीम में स्थायी स्थान बनाने के लिए लगातार मेहनत करते रहेंगे।

न्यूज ब्रीफ

यूईएफए महिला चैंपियंस लीगः एल क्लासिको में बार्सिलोना का दबदबा रियल मैड्रिड को 6-2 से हराया

मैड्रिड। यूईएफए महिला चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल के पहले चरण में बार्सिलोना महिला फुटबाल टीम ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड महिला फुटबाल टीम को 6-2 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिया है। यह मुकाबला प्रतिष्ठित एल क्लासिको के रूप में खेला गया, जिसमें बार्सिलोना का पूरी तरह दबदबा देखने को मिला। मैड्रिड में खेले गए इस मुकाबले में ईवा पाजोर ने दो गोल दागे, जबकि एज्मी ब्रुग्ट्स, आइरीन परेडेस, विकी लोपेज और एलेक्सिया पुटेलास ने एक-एक गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। रियल मैड्रिड की ओर से लिंडा कैइसेडो ने दोनों गोल किए, लेकिन वह टीम को हार से नहीं बचा सकीं। बार्सिलोना ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले हाफ में 2-0 की बढ़त बना ली। हालांकि 30वें मिनट में कैइसेडो ने गोल कर रियल को मैच में वापसी दिलाने की कोशिश की। इसके बाद बार्सिलोना ने लगातार गोल कर स्कोर 5-1 कर दिया और मैच पर पूरी तरह कब्जा जमा लिया। दूसरे हाफ में कैइसेडो ने एक और गोल कर अंतर कम किया, लेकिन अंत में पुटेलास ने 89वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 6-2 कर दिया। तीन बार की चैंपियन बार्सिलोना लगातार आठवीं बार सेमीफाइनल में पहुंचने के बेहद करीब है। टीम पिछले पांच सीजन से फाइनल तक पहुंचती रही है, हालांकि पिछले साल उसे खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। अब रियल मैड्रिड को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अगले हफ्ते बार्सिलोना में होने वाले दूसरे चरण में बड़ी वापसी करनी होगी, जो आसान नहीं दिख रहा है।

थामस और उबर कप बैडमिंटन में लक्ष्य और सिंधु पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन अगले महीने होने वाले थामस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष टीम की कमान संभालेंगे। वहीं ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा उबर कप में महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ ने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाले थामस कप के लिए लक्ष्य के अलावा, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बरकरार रखा है। वहीं युवा आयुष शेट्टी को भी पहली बार टीम में जगह दी है। पुरुष टीम में एमआर अर्जुन ध्रुव कपिला और किरण जार्ज को भी जगह मिली है। वहीं उबर कप में सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जाली भारती की ओर से पदक की प्रबल दावेदार रहेंगी। भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर इस बार उसका लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में रहेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं।

ऋषभ को अपने खेलने का अंदाज बदलना होगा : आकाश चोपड़ा, खेल की बुनियादी बातों पर ध्यान देना होगा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईपीएल सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के

कप्तान ऋषभ पंत को अगर बेहतर प्रदर्शन करना है तो उन्हें अपने खेलने का अंदाज बदलना होगा। चोपड़ा के अनुसार ऋषभ अपने अनौखे शाट के लिए जाने जाते हैं पर अब यही उनकी परेशानी बन गये हैं। इस प्रकार के शाट खेलने में जोखिम ज्यादा होने के कारण वह अपना विकेट गंवा देते हैं। इसपर विचार करते हुए उन्हें हालात के अनुसार टिककर खेलना होगा। विशेषकर सफेद गेंद प्रारुप में उन्हें अपनी बल्लेबाजी में बदलाव करते लंबी पारी खेलनी होगी तभी वह भारतीय टी20 टीम में भी वापसी कर पायेंगे। चोपड़ा ने बताया कि भारतीय टी20 टीम में अपनी जगह वापस पाने के लिए उन्हें मूल बातों पर ध्यान देना होगा। चोपड़ा ने कहा, ऋषभ को अब हालात के अनुसार विकेट पर रुककर खेलने का प्रयास करना चाहिये। पिछले सीजन में उन्हें समय लेकर अपनी फार्म वापस पाने के मौके मिले थे, फिर भी वह जोखिम भरे शाट खेलते रहे जिसकी वजह से उनकी आलोचना हुई। उन्होंने आगे कहा, पिछले टी20 विश्वकप विजेता टीम में शामिल होने के बाद भी अब वह राष्ट्रीय टीम से बाहर हैं और उनके लिए इसमें जगह बनाना काफी कठिन है।

मीराबाई चानू ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आयोजन पर खुशी जतायी, युवा प्रतिभाओं को मिलेगा अच्छा मंच

रायपुर

यहां खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (केआईटीजी) शुरु हो गये हैं जो 3 अप्रैल तक खेले जाएंगे। जिसमें 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के खिलाड़ी तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबाल, हाकी, तैराकी, भारोत्तोलन और कुश्ती सहित 9 खेलों में उतरेंगे। वहीं प्रदर्शनी खेलों में मल्लखंभ और कबड्डी को भी शामिल किया गया है। इससे आदिवासी क्षेत्रों की उभरती हुई प्रतिभाओं को सामने आने का अवसर मिलेगा।

इसी को लेकर ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने खुशी जतायी है। मीराबाई के अनुसार देश भर से आने वाले आदिवासी समाज के खिलाड़ियों के एक मंच पर आने से काफी कुछ सीखने को मिलेगा। चानू ने कहा, पहली बार खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आयोजन पर मुझे बहुत खुशी हुई है। आदिवासी समुदाय से आने वाले खिलाड़ियों के लिए यह एक अच्छा अवसर है। साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी को आगे बढ़ने के लिए काफी प्रयास करने पड़ते हैं, इसलिए इस प्रकार के मंच उसके लिए जरुरी हैं। इस प्रदर्शन से उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा, इंडिया ट्राइबल गेम्स में उन आदिवासी खिलाड़ियों को मौका मिलेगा, जो अलग-अलग खेल और राज्यों से होंगे। जिस प्रकार हमें राष्ट्रीमण्डल सहित अन्य खेलों में दूसरे खिलाड़ियों से सीखने को मिलता है। वैसा ही अवसर इन खिलाड़ियों को भी मिलेगा।

चानू ने कहा, इन खेलों में हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों के लिए मेरा संदेश ये है कि आप भी जो इवेंट में हिस्सा लें, उसे दिल से खेलें। आपको अपने खेल से प्यार करना जरूरी है। मैं युवा खिलाड़ियों को यही कहना चाहूंगी कि वे मेहनत करें और अपनी प्रतिभा दिखाएं। चानू ने आमी कामनवेल्थ गेम्स और एशियाई खेलों सहित आने वाले टूर्नामेंटों को लेकर कहा कि मेरी तैयारी अच्छी चल रही है। साथ ही कहा, अभी मेरा इन टूर्नामेंटों की तैयारियों है। मैंने अब तक एशियाई खेलों में पदक नहीं नहीं जीता है। मैं उसी पर अधिक ध्यान दे रही है। वहीं आगामी ओलंपिक के लिए भी मेरी तैयारी जारी है।

ऋतुराज बोले, सैमसन और मैं करेंगे सीएसके की पारी की शुरुआत

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि इस सत्र में वह संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। गायकवाड़ के इस बयान के बाद टीम की सलामी जोड़ी को लेकर लगायी जा रही अटकलें भी समाप्त हो गयी हैं। सैमसन इस सत्र में रायल्स को छोड़कर सीएसके से जुड़ गये थे। ऋतुराज ने कहा कि तीसरे नंबर पर आयुष म्हात्रे उतरेंगे। सैमसन ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन कर दिखाया है कि टी20 में वह पारी की शुरुआत के लिए काफी अच्छे हैं। सैमसन ने टी-20 विश्व कप 2026 में में भी काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 300 से अधिक रन बनाये थे। ऐसे में सीएसके को उनसे इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं गायकवाड़ आईपीएल के पिछले सत्र में केवल पांच मैच ही खेल सके थे। जिसमें उन्होंने 150 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 122 रन बनाए थे। ऐसे में वह इस बार अधिक से अधिक रन बनाने का प्रयास करेंगे। चेन्नई सुपरकिंग्स का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में बेहद निराशाजनक रहा था। टीम 14 में से सिर्फ 4 ही मैच जीत सकी थी जबकि 10 मुकाबलों में टीम को हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, इस बार टीम ने कई युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है जिससे उसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। आईपीएल मुकाबले इसी माह के अंत में खेले जाएंगे।

मियामी ओपन 2026: सबालेंका और राइबाकिना के बीच सेमीफाइनल में होगी टक्कर

मियामी

मियामी में खेले जा रहे प्रतिष्ठित मियामी ओपन 2026 में महिला एकल वर्ग में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका और दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी एलेना राइबाकिना के बीच एक और हाई-वोल्टेज मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने अमेरिका की हैली बैपटिस्ट को 6-4, 6-4 से हराया। वहीं राइबाकिना ने पांचवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 2-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। पेगुला पिछले साल इसी टूर्नामेंट में सबालेंका से फाइनल हार चुकी थीं।

दोनों स्टार खिलाड़ी गुरुवार रात हार्ड राक स्टेडियम में फाइनल में जगह बनाने के लिए आमने-सामने होंगी।

सबालेंका और राइबाकिना के बीच हाल के मुकाबले बेहद रोमांचक रहे हैं। इस साल जनवरी में खेले गए आस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में राइबाकिना ने सबालेंका को हराया था, जो 2026 में सबालेंका की एकमात्र हार रही। हालांकि, सबालेंका ने इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में जीत दर्ज कर उसका बदला चुका लिया।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा कि राइबाकिना के खिलाफ मुकाबले हमेशा कड़े और रोमांचक होते हैं और वह इस भिड़ंत को लेकर काफी उत्साहित हैं। सबालेंका अब सनशाइन डबल (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन जीतने) से सिर्फ दो जीत दूर हैं। क्वार्टरफाइनल में सबालेंका को बैपटिस्ट से कड़ी चुनौती मिली, लेकिन अहम मौकों पर उन्होंने दबाव संभालते हुए जीत दर्ज की। दूसरी ओर, राइबाकिना ने पेगुला के खिलाफ खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने लय पकड़ी और लगातार पांचवीं बार पेगुला को हराया। पुरुष वर्ग में लेहेका की जीत पुरुष एकल वर्ग में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका ने स्पेन के क्वालीफायर मार्टिन लैंडालुसे को 7-6(7/1), 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। लेहेका को यह जीत आसान नहीं रही, क्योंकि लैंडालुसे ने पहले सेट में सभी ब्रेक प्वाइंट बचाए। हालांकि, टाईब्रेक में लेहेका ने दबदबा बनाया और दूसरे सेट के अंतिम गेम में ब्रेक हासिल कर मैच अपने नाम किया।

रोहित और डिकाक की जोड़ी विरोधियों पर भारी पड़ेगी : बद्रीनाथ

नई दिल्ली। आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस (एमआई) 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। इसमें एक बार फिर रोहित शर्मा और क्विंटन डिकाक मुम्बई की पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। इसी को लेकर पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने कहा है कि रोहित और डिकाक की सलामी जोड़ी आईपीएल में विरोधी टीमों पर भारी पड़ेगी। डिकाक को मुंबई ने आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में एक करोड़ रुपये के आधारमूल्य पर खरीदा था। डिकाक ने मुम्बई की ओर से साल 2019 से 2021 तक खेल खेलते हुए टीम की जीत मे अहम भूमिका निभाई थी। बद्रीनाथ ने कहा, रोहित अभी भी भारतीय टी20 टीम का हिस्सा बनने के लिए शानदार हैं। डिकाक के साथ उसकी शुरुआती जोड़ी काफी अच्छी है। बद्रीनाथ ने कहा कि टीम को तिलक वर्मा को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि सूर्यकुमार यादव को नंबर 4 और कप्तान हार्दिक पांड्या को नंबर 5 पर ही उतारें।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 को लेकर चिंताएं बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गईं : मोंटाग्लियानी

अटलांटा

फीफा के उपाध्यक्ष विक्टर मोंटाग्लियानी ने बुधवार को आगामी फीफा वर्ल्ड कप 2026 को लेकर उठ रही राजनीतिक और सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया बताया है। उनका कहना है कि जैसे ही टूर्नामेंट शुरू होगा, ये सभी मुद्दे पीछे छूट जाएंगे और फोकस केवल फुटबाल पर रहेगा।

यह विश्व कप अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। हालांकि, टूर्नामेंट से पहले कई तरह की चुनौतियां सामने आई हैं, जिनमें मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन नीतियां और मेक्सिको में गैंग हिंसा जैसी चिंताएं शामिल हैं।

ईरान ने भी संकेत दिए हैं कि वह अमेरिका में अपने मैच नहीं खेलेगा, क्योंकि ट्रंप ने ईरानी खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चेतावनी दी थी। वहीं, कई देशों के प्रशंसकों ने वीजा मिलने में कठिनाई और इमिग्रेशन एजेंसियों के व्यवहार को लेकर चिंता जताई है।

मोंटाग्लियानी, जो कानकाकाफ के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि इस तरह की भू-राजनीतिक चुनौतियां हर वर्ल्ड कप से पहले सामने आती रही हैं। उन्होंने 1978 के अर्जेंटीना वर्ल्ड कप का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय भी राजनीतिक परिस्थितियां बेहद संवेदनशील थीं।

उन्होंने कहा, हर वर्ल्ड कप में इस तरह के मुद्दे रहे हैं। आज के समय में ये ज्यादा बड़े इसलिए दिखते हैं क्योंकि सोशल मीडिया और मीडिया कवरेज का दायरा बढ़ गया है।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो भी हाल के दिनों में चर्चा में रहे हैं, खासकर ट्रंप के साथ उनके करीबी संबंधों को लेकर। हालांकि, मोंटाग्लियानी ने स्पष्ट किया कि आयोजकों का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों और प्रशंसकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा, हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मजबूत हो। इसके लिए अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की सरकारों के साथ हमारा समन्वय जरूरी है, ताकि सभी दर्शक सुरक्षित माहौल में मैच का आनंद ले सकें।

मोंटाग्लियानी ने विश्वास जताया कि 11 जून को जैसे ही पहला मैच शुरू होगा, दुनिया भर के लोग बाकी सभी मुद्दों को भूलकर सिर्फ खेल पर ध्यान देंगे।

आंकड़ों में आरसीबी पर भारी नजर आती है सनराइजर्स

बेंगलुरु

गत विजेता रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अपने पहले मुकाबले में अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी। इस मैच में हालांकि आरसीबी की राह आसन नहीं कही जा सकती। आंकड़ों पर नजर डालें तो आईपीएल इतिहास में इन दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 26 मुकाबले हुए हैं।

जिसमें से 13 मैच सनराइजर्स हैदराबाद ने जबकि 11 मुकाबले आरसीबी ने जीते हैं। वहीं दो मैचों का परिणाम नहीं निकला। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने पिछली बार खिताबी जीता था जिससे टीम इस बार बनाये रखना चाहेगी। आरसीबी की टीम के पास अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और फिल साल्ट सहित कई अच्छे खिलाड़ी हैं। वहीं देवदत्त पडिक्कल मध्यक्रम में रनों की जिम्मेदार संभालेंगे। इसके अलावा

टिम डेविड और जितेश शर्मा ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा था। रोमारियो शेफर्ड और क्रुणाल पांड्या से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। वहीं वेंकटेश अय्यर के आने से टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है पर टीम की कमजोरी उनकी तेज गेंदबाजी है। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज आस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मुकाबले नहीं खेलेंगे। ऐसे में स्विंग के लिए मशहूर भुवनेश्वर कुमार गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल भी इस बार टीम में नहीं हैं। ऐसे में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद एक बार फिर जमकर रन बनाना चाहेगी। उसके पास अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड और ईशान किशन जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं। कप्तान पैट कमिंस के नहीं होने से ईशान शुरुआती मुकाबलों में कप्तानी संभालेंगे। वहीं हेनरिक क्लासन से भी टीम को आक्रामक बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी।

फिनिशर के तौर पर उसके पास अनिकेत वर्मा के अलावा आलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी हैं। लियाम लिविंगस्टन भी अपने को साबित करना चाहेंगे। सनराइजर्स की भी कमजोरी उसका गेंदबाजी आक्रमण है। मुख्य तेज गेंदबाज कमिंस के नहीं होने से गेंदबाजी की जिम्मेदारी ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट के पास रहेगी। वहीं स्पिन की जिम्मेदारी युवा स्पिनर जीशान अंसारी के पास रहेगी।

होगा दिमाग तेज इन कामों को करने से

सेहत को अच्छा रखने के लिए एक्सरसाइज बहुत जरूरी है। बॉडी को अच्छा रखने के लिए हम व्यायाम तो कर लेते हैं लेकिन दिमाग तो दुरूस्त रखने के लिए भी कुछ एक्सरसाइज जरूरी हैं। जिस तरह लगातार काम करके हमारा शरीर थक जाता है उसी तरह दिमाग की मांसपेशियों को स्वस्थ्य रखने के लिए और सोचने की क्षमता को तेज करने के लिए कुछ काम करने बहुत जरूरी है।

1. म्यूजिक सीख लें : जब दिमाग की थकावट महसूस करे तो म्यूजिक जरूर सुनें। धीरे-धीरे आर फ्रेश फील करेंगे। संगीत दिमाग को दोबारा सक्रिय करने में मदद करता है। आप संगीत सीख कर भी खुद को फ्रेश कर सकते हैं।

2. कामों की लिस्ट बनाएं : कभी-कभी अपने दिमाग की भी परीक्षा जरूर लें। सुबह उठकर दिन भर करने वाले कामों की लिस्ट तैयार करें। इस टूडू लिस्ट को साइड पर रख दें और कामों को जारी रखें। इससे आपको पता चल जाएगा कि आपको कौन से काम याद रहे और कौन से भूल गए।

3. गणित भी जरूरी : घर का बजट हो या ऑफिस का काम,कैलकुलेटर का इस्तेमाल करें। दिमाग को फ्रेश और तेज करने के लिए पैन और कागज से हिसाब -किताब लगाएं। इससे अच्छी कसरत हो जाती है।

4. नई भाषा सीखें : दिमाग को फ्रेश करने का सबसे अच्छा तरीका है नई चीजों को सीखना शुरू करें। इसके लिए किसी नई भाषा को सीखने की कोशिश करें। धीरे-धीरे आपको इसमें दिलचस्पी होनी शुरू हो जाएगी।

5. कुकिंग से करें दिमाग फ्रेश : अपने काम से हट कर कोई काम करें। इसके लिए कभी-कभी रसोई में हल्के-फुल्के डीश बनाना भी ट्राई करें।

रिश्तेदारी

ऐसे बने ननद की प्यारी भाभी

कहते है कि रिश्तों की डोर बड़ी ही नाजूक होती है, एक बार टूट जाए तो दोबारा से जुड़ती नहीं है। यह बात काफी हद तक सही भी है। खासकर जब बात सुसराल में ननद-भाभी हो। ननद-भाभी छोटी सी लापरवाही इस प्यारे से रिश्ते में जिंदगी भर के लिए खटास पैदा कर सकती है। अक्सर ननद अपनी भाभी की दुश्मन बन जाती है क्योंकि उसे लगने लगता है कि शायद शादी के उसे भाई मिलने वाला प्यार कम हो जाएगा। ऐसा नहीं है कि सभी ननद की सोच ऐसी होती है। इस तरह की स्थिति में आपको समझना चाहिए कि आपके आने के बाद भाई का अपने बहन के प्रति कम न हो जाए। अपनी ननद को उसी तरह स्पैशल फिलिंग दिलाएं, जिस तरह भाई अपनी बहन को दिलाता है। अगर आपकी नई- नई शादी हुई है और ननद से नहीं बन रही तो आज हम आपको कुछ प्यारे से टिप्स बताएंगे, जिन्हें फॉलो करके आप अपनी ननद की बैस्ट भाभी बन सकती है।

1. दोस्ती का रिश्ता बनाएं

दोस्ती का रिश्ता किसी भी रिश्ते में प्यार जगा सकता है। अपनी ननद की अच्छी दोस्त बने। उसके दोस्त बाहर घूमने जाए, विश्वास बनाते हुए एक-दूसरे से बातें शेयर करें लेकिन अपने ननद-भाभी के रिश्ते को इतना गहरा भी न बनाए कि बाद में जरा सी तकरार के कारण आप एक-दूसरे की दुश्मन बन कर बैठ जाए।

2. प्यारी ननद को प्यारा तोहफा दें

गिफ्त लेना तो हर किसी को पसंद होता है। फिर वह गिफ्त छोटा हो या बड़ा। जब कभी भी बाहर घूमने जाए तो अपनी ननद के लिए प्यारा सा गिफ्ट लेना न भूले। प्यारे भाई की बीवी से मिला यह प्यारा गिफ्त ननद के दिल में एक खास जगह बनाएगा।

3. नज़रिए का सम्मान करें

भले ही आप दोनों की परवरिश काफी अलग तरीके से हुई हो लेकिन ननद के क्षश्वद्ढठ्ठ श्वद्ब 1द्बह्न2 को प्राथमिकता दें। उसकी बातों और काम को पॉजिटिव प्वाइंट दें। अगर वह कोई गलत कदम उठा रही है तो उन्हें जरा प्यार से समझाएं।

4. दायरे भी हैं जरुरी

भले ही आप ननद-भाभी के बीच कितना ही गहरा रिश्ता हो लेकिन उसे अपनी शादीशुदा जिंदगी में ज्यादा शामिल न करें। क्योंकि यह शेयरिंग आगे जाकर आप दोनों के बीच खटास पैदा कर सकती है।

5. जब चीजें आपके फेवर में न हों

ननद के साथ भले ही आपके संबंध काफी अच्छे हो लेकिन खाने के टैबल पर घर-परिवार की बातों को लेकर विचार न करें क्योंकि कई बार आप दोनों के बीच तनाव बन सकता है।

6.कभी न करें चुगली

भले ही आपकी ननद का व्यवहार आपके साथ कितना ही बुरा क्यों न हो लेकिन कभी भी उसकी पीठ पीछे चुगली न करें। क्योंकि एक तक बात पहुंची तो सारे रिश्तेदारों में फैल जाती है। इससे आप दोनों में दूरियां तो बढ़ेगी साथ ही आपको लोगों के सामने आपकी इमेज खराब होगी।

क्यों न बच्चों संग आप भी सीखें स्विमिंग

अगर आप बच्चों को स्विमिंग सिखाना चाहती हैं तो क्यों न उनके साथ आप भी ये क्लास जॉइन कर लें। हां, आपकी ट्रेनिंग का वक्त अलग हो सकता है। तो क्या हुआ? अपने बच्चे के साथ आप एक नए सब्जेक्ट की स्टूडेंट बन जाएंगी। फिर कुछ कॉमन होगा आप दोनों के बीच डिसकस करने के लिए। यकीन मानिए अपने बच्चे की कंपनी आप इंजॉय करेंगी...

पहले यह जान लें

जॉइंन करने से पहले एक बात का ध्यान रखें कि आपसे जो कोचिंग फीस ली जा रही है जरूरी नहीं कि आप उसमें वह सारी चीजें सीख पाएं, जो आप प्लान करके चल रही हैं। क्योंकि कई स्वीमिंग पुल में इस फीस में आप केवल सीख पाएंगे फ्री स्टाइल, ब्रेस्ट, पैडल और डीप वॉटर। इनके अलावा, अगर आपको स्वीमिंग के दूसरी स्टाइल्स सीखनी हैं, तो आपको देना होगा उनका एक्स्ट्रा चार्ज।

एक्सपर्ट बनने के लिए एक्स्ट्रा चार्ज

स्वीमिंग के पहले दिन आपसे आपका कोच यह बात पूछ सकता है कि आपको नॉर्मल स्वीमिंग सीखनी है या एक्सपर्टाइज हासिल करनी है? हो सकता है कि उसकी यह बातें सुनकर एक पल के लिए आप कन्फ्यूज़ हो जाएं, लेकिन इन दिनों स्वीमिंग सेंटर्स में यह बात आम हो गई है। पिछले 20 दिनों से स्वीमिंग की कोचिंग ले रहीं स्वाति कहती हैं कि जब एक बार मैंने अपने कोच से यह पूछा कि मैं आपकी तरह स्मूथली और स्पीड में स्वीमिंग क्यों नहीं कर पा रही हूं, तो उसका कहना था कि आप नॉर्मल स्वीमिंग सीख रही हैं, जिसमें इतना ही कर सकते हैं। थोड़ी देर तो मेरी समझ में नहीं आया कि वह कहना क्या चाह रहा है। लेकिन जब मैंने उससे डिटेल जाना, तो उसने बताया कि आपने ब्रेस्ट, फ्री स्टाइल, बैक और पैडिलिंग जो भी अभी तक सीखी है, वह नॉर्मल स्वीमिंग है। लेकिन अगर आप इनकी बारीकियां जानकर एक्सपर्टाइज हासिल चाहती हैं, तो उसका एक्स्ट्रा चार्ज आपको करना होगा। उसमें आपको मेहनत तो कम करनी ही पड़ेगी, साथ ही यह भी लगेगा कि आप फिश की तरह पानी में तैर रही हैं।

रेट 5 से 2 हजार रुपये

डीडीए स्पोर्ट्स क्लब में पिछले चार साल से स्वीमिंग की कोचिंग दे रहे मोनू कहते हैं कि आपने 800 रुपये स्वीमिंग की कोचिंग की फी दी है। उसमें आखिर कैसे पॉसिबल है कि आप सारी स्वीमिंग स्टाइल में महारत हासिल कर लें। हां, स्वीमिंग करना सीख जाएंगे, लेकिन जहां तक एक्सपर्ट होने की बात है, तो उसके लिए काफी मेहनत की जरूरत होती है, तो एक्स्ट्रा चार्ज बनता ही है। जब उनसे यह पूछा गया कि एक्सपर्ट स्विमर बनने की फी क्या है, तो उन्होंने बताया कि ब्रेस्ट 2 हजार रुपये, फ्री स्टाइल 2 हजार, बैक 2 हजार, डॉल्फिन 2 हजार और बटरफ्लाई के रेट 5 हजार रुपये हैं। बटरफ्लाई के रेट इतने ज्यादा होने की वजह उन्होंने यह बताई कि स्वीमिंग का यह स्टाइल सीखने में 15 से 20 दिन लग जाते हैं और यह सबसे टफ स्वीमिंग होती है, तो वहीं डॉल्फिन में 10 दिन। वह कहते हैं कि ब्रेस्ट स्ट्रोक सीखाने में भी खासी मेहनत पड़ती है, इसलिए इसके चार्ज भी स्ट्रोक के अकॉर्डिंग डिसाइड किए जाते हैं।

नाम वही, केवल पैसा ज्यादा

आप नॉर्मल स्वीमिंग करें या एक्सपर्ट , नाम दोनों स्वीमिंग स्टाइल के एक ही हैं। ब्रेस्ट का ब्रेस्ट, तो फ्री स्टाइल को फ्री स्टाइल ही कहा जाता है, बस पैसे में डिफरेंस आ जाता है। वैसे, कुछ लोगों ने यह भी बताया कि नॉर्मल स्वीमिंग सीखने और एक्सपर्ट स्विमिंग सीखने में समय भी एक ही लगता है, क्योंकि एक्सपर्ट स्वीमिंग में कोच आप पर खास ध्यान दे रहा होता है। एक स्वीमिंग पुल के ओनर नरेश सिंह कहते हैं कि अगर आप अपने बच्चे को स्वीमिंग कॉम्पिटिशन के लिए तैयार कर रहे हैं , तो उसको एक्सपर्ट स्वीमिंग में डालना जरूरी है। नॉर्मल स्वीमिंग में वह बारीकियां सीख ही नहीं सकता, जो एक्सपर्ट स्वीमिंग में सीख सकता है। दरअसल, नॉर्मल स्वीमिंग में एक साथ 20 से 25 लोग सीखते हैं , तो उसमें एक- एक पर ध्यान नहीं दिया जा सकता। कोच एक बार एक चीज गाइड करता है , उसके बाद आपको खुद प्रैक्टिस करनी होती है। लेकिन एक्सपर्ट स्वीमिंग में एक-एक बच्चे पर ध्यान दिया जाता है। यहां तक कि इसमें एक क्लास में लिया भी लिमिटेड लोगों को जाता है।

इन बातों का ध्यान रखें...

> पूल में उतरने से पहले व बाद में शॉवर जरूर लें।

> स्विमिंग के लिए विशेष तौर से बने स्विमिंग गॉगल्स का प्रयोग करें।

> स्विमिंग पूल के पानी में क्लोरीन आदि केमिकल्स डाले जाते हैं, इसलिए स्विमिंग कैप का प्रयोग करना चाहिए। इससे आपके बाल सुरक्षित रहेंगे।

> स्विमिंग से पूर्व बालों में थोड़ा तेल लगा लें तो बेहतर रहता है।

> किसी प्रकार की चोट लगी होने पर, त्वचा पर बहुत अधिक पिंपल्स होने पर या त्वचा जली हुई होने पर स्विमिंग नहीं करनी चाहिए, इससे इन्फेक्शन फैल सकता है।

> स्विमिंग पूल की साइड की दीवार पर लिखे बड़े-बड़े नंबर, जो कि डेप्थ मार्कर कहलाते हैं, डाइव लगाने से पहले उन्हें जरूर देख लें।

> हमेशा स्विमिग कोच की देखरेख में ही स्विमिंग करें।

> अपने बच्चों को स्विमिंग की ट्रनिंग दिलवाने ले जा रहें है तो ट्रेनिंग सेंटर की पूरी जानकारी रखें और साथ ही यह भी जांचे की ट्रेनिंग सेंटर को लाइसेंस मिला हुआ है या नहीं और वहां बच्चों की सिक्यॉरिटी के क्या इंतेजाम है।

> अगर बच्चे को स्विमिंग सिखा रही हों तो पूल में बिना लाइफगार्ड के न तो उसे नहाने दें और नहीं खड़े होने दें। पहले स्विमिंग सिखाएं और उसके बाद ही उन्हें स्विम करने की इजाज़त दें।

> अपने बच्चे को कभी भी बिना सुपरवाइ?र के स्विम करने की परमिशन न दें। सीडीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकतर पूल एक्सीडेंट्स 1 से 4 साल तक के बच्चों के घर में मौजूद पूल में हुए हैं।

> अगर आप बच्चे को स्विमिंग करवा रहे हैं तो हमेशा अलर्ट रहें क्योंकि जरा सी असावधानी आपके बच्चे की जान जोखिम में डाल सकती है।

> बच्चों को स्विमिंग के लिए तभी भेजें जब लाइफगार्ड मौजूद हो और बच्चों को लाइफगार्ड की बात मानने को समझाएं।

> साथ ही ऐसे एरिया में बच्चों को स्विमिंग करने की इजाजत दें, जहां अधिकारिक तौर पर स्विमिंग के लिए जगह बनाई गई हो।

घर संसार

शहद शुद्ध है या मिलावटी इस तरह करें पहचान

शहद का इस्तेमाल हर घर में किया जाता है। ज्यादातर लोग मोटापा कम करने के लिए नींबू पानी में शहद मिलाकर पीते हैं। ऐसे में शहद का सही होना बहुत जरूरी है लेकिन मार्किट में कई जगह मिलावटी शहद बेचा जाता है जिससे सेहत को नुकसान पहुंचता है। मिलावटी शहद की पहचान करना बहुत मुश्किल है। ऐसे में शुद्ध शहद को पहचानना बहुत जरूरी है। आइए जानिए मिलावटी और शुद्ध शहद में कैसे अंतर किया जा सकता है।

1. पानी के साथ

शहद की पहचान करने के लिए कांच के गिलास में पानी डालें और एक चेमच शहद लें। गिलास में पतले तार के रूप में चेमच से शहद डालें। शुद्ध शहद उसी तरह गिलास की सतह पर बैठ जाएगा लेकिन मिलावटी शहद पानी में घुल जाता है। जिससे आसानी से इन दोनों में फर्क पता कर सकते है।

2. मक्खी

मेखी से शहद की पहचान की जा सकती है। इसके लिए शहद की शीशी को हवा में खुला छोड़ दें जहां मेंखियां हों। शुद्ध शहद में मेखी गिरकर फंसती नहीं और उड़ जाती है लेकिन मिलावटी शहद में मेखी अगर गिर जाए तो वह दोबारा उड़ नहीं पाती और मर जाती है।

3. शीशे की प्लेट

शुद्ध और मिलवटी शहद की पहचान करने के लिए एक शीशे की प्लेट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए प्लेट पर थोड़ा-सा शहद डालें। अगर शहद की आकृति सांप की कुंडली की तरह बन जाए तो समझें कि वह शुद्ध है। मिलावटी शहद प्लेट में फैल जाएगा।

4. जम जाना

शुद्ध शहद की सबसे अच्छी पहचान यही है कि वह ठंड के मौसम में जम जाता है और गर्मी में पिघल जाता है लेकिन मिलावटी शहद हर मौसम में एक जैसा ही रहता है।

5. सफेद कपड़ा

इसके लिए एक सफेद कपड़ा लें और उस पर शहद डालें। कुछ देर बाद पानी से इसे धो लें। शुद्ध शहद का कपड़े पर कोई दाग नहीं रहता लेकिन मिलवटी शहद से दाग रह जाता है।

खुजली से हैं परेशान तो अपनाएं ये उपाय !

गर्मी के मौसम में त्वचा संबंधित कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अधिकतर लोगों को खुजली की शिकायत होती है। अगर सही समय पर इसका इलाज न किया जाए तो यह घमौरिया का रूप ले लेती है। अगर आप भी इस समयस्या से परेशान है तो कुछ घरेलू उपाय को अपनाएं। आज हम आपको कुछ नुस्खों के बारे में बताएंगे जिससे आप इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

» **नमक, हल्दी और मेथी :** बराबर मात्रा में नमक, हल्दी और मेथी को मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। नहाने से पहले इसमें थोड़ा सा पानी मिलाकर शरीर पर मल लें। 5 मिनट बाद नहा लें। इससे खुजली से निजात मिलेगी।

खुजली से निजात पाने के लिए बर्फ काफी फायदेमंद है। बर्फ के टुकड़े को प्रभावित हिस्से पर लगाएं। ध्यान रखें कि इसे सीधा ही स्किन पर न लगाएं। इसे किसी कपड़े में डालकर स्किन पर लगाएं।

» **एलोवेरा :** एलोवेरा स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होती है। खुजली होने पर इसे प्रभावित हिस्सों पर लगाएं। इससे काफी आराम मिलेगा।

गर्मी में रहे कंफर्टेबल और दिखें खूबसूरत

फैशनबेल दिखने के साथ-साथ कंफर्टेबल रहना भी सबसे बड़ी जरूरत होती है। क्योंकि अक्सर कुछ ड्रेसेज और एक्सेसरीज ऐसी होती हैं, जो देखने में तो भले ही खूबसूती बढ़ाती हैं, लेकिन उनको पहनने में पसीने छूट जाते हैं। ऐसे कपड़ों को पहनने की वजह से गर्मी और बढ़ जाती है। इसीलिए जरूरी है कि गर्मियों की चिलचिलाती धूप से बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखा जाए, जो स्टाइलिश और कूल दिखाने के साथ-साथ आपको आरामदायक भी महसूस कराए...

लॉन्ग कुर्ती में इंडियन ब्यूटी

ट्रेडिशनल ड्रेसेज के आगे सब कुछ फीका सा दिखता है। फैशन के बदलते दौर में पारंपरिक सूट्स से निकलकर अब कॉलेज गर्ल्स हों या फिर वर्किंग वूमंस इन कुर्तियों को पसंद कर रही हैं। यह कुर्तियां स्टाइलिश लुक देने के साथ ही बहुत आरामदायक भी रहती हैं। कॉटन के कपड़े में मौजूद कलरफुल प्लेन कुर्तियों के साथ एंब्रॉयडरी, लेस वर्क के काम के अलावा स्ट्रेट कट में दोनों साइड और फ्रंट में लॉन्ग कट की प्लेन कुर्तियां और म्यूलैट कुर्ती आगे से ऊंची, पीछे से लंबी स्टाइलिश कुर्तियों को आप अलग-अलग तरह से ट्राई कर सकती हैं। इन्हें स्ट्रेट लेगिंग, प्लाजो, एंकल लेंथ पैंट्स या फिर लॉन्ग स्कर्ट के साथ पहना जा सकता है। स्टाइल बदलने के लिए कुर्ती को डेनिम के साथ भी पहन सकती हैं। फ्यूजन का यह कॉम्बिनेशन आपको काफी अलग लुक देगा। इनमें व्हाइट, स्काई ब्लू, पिंक, ग्रीन, पीला, मिंट ग्रीन, लाइट शेड्स का इस्तेमाल करें।

फुटवियर भी रखें फिट

गर्मियों के मौसम में पैरों का भी खास ख्याल रखना होगा। धूप, मिट्टी और धूल से पैर खराब हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि पैरों का खास ध्यान रखा जाए। इनमें कैनवास शूज पहली पंसद होते हैं। इनकी खासियत है कि कितनी भी गर्मी हो, इनमें पसीना कम आता है। ये आकर्षक रंग और डिजाइन के साथ लेस शूज और विदाउट लेस शूज पैटर्न में उपलब्ध हैं। इसके अलावा स्वेट लेदर और क्रोकोडाइल शूज भी पसीना सोख लेते हैं। वैसे लोफर शूज एवं स्पोर्ट्स शूज, ओपन सैंडल और चपल भी बेहद आरामदायक होते हैं। इसके अलावा कोल्हापुरी सैंडिल्स और डेनिम चपलें भी आप पहन सकती हैं।

क्रॉप टॉप में बेहतर आप ट्रेडिशनल के अलावा वेस्टर्न लुक में आप आजकल चल रहे क्रॉप टॉप में बेहतर दिख सकती हैं। जिन्हें डेनिम के शॉर्ट्स के साथ कॉलेज और डे आउटिंग के लिए पहना जा सकता है। इनके अलावा टैंक टॉप्स, शियर टॉप और नॉटेड शर्ट्स के साथ भी ये काफी कूल और स्टाइलिश लुक देते हैं। हाई वेस्टेड डेनिम शॉर्ट्स गर्मियों के लिए परफेक्ट चॉइस रहेंगे।

हैट से बचाएं हेड

गर्मियों में बालों को खुला नहीं छोड़ना चाहिए। बालों के लिए इस मौसम में खूबसूरत एक्सेसरीज का चुनाव करना जरूरी है। ये आपको स्टाइलिश लुक भी देंगे और बाल भी सुरक्षित रहेंगे। इसके लिए आप हैट्स या स्कार्फ का काफी अच्छी तरह से इस्तेमाल कर सकती हैं। बस ध्यान रखें कि हैट न तो ज्यादा बड़ा हो और न ही ज्यादा छोटा। इससे आपके चेहरे को धूप की किरणों से बचने में मदद मिलेगी।

एक्सेसरीज से खूबसूरती

गर्मी का मौसम है, इसका मतलब यह नहीं है कि आप बिल्कुल साधारण दिखें। हल्के रंग के कपड़े जरूर पहनें, पर सही एक्सेसरीज के चुनाव से अपने लुक को आकर्षक बना सकती हैं। हेड एक्सेसरीज के अलावा बेल्ट, सनग्लासेज, ब्रेसलेट या कोई भी हल्की ज्वेलरी आपको अलग लुक देगी। बैग और पर्स भी बदल सकती हैं।

रेसिपी

चना सैंडविच

सामग्री

1 कप चना मसाला(बचा या उबला हुआ), 4-6 ब्रेड स्लाइस,1 प्याज(बारीक कटा हुआ), 1 टमाटर(बारीक कटा हुआ), 1 हरी मिर्च(कटी हुई) ,1 चम्मच हरा धनिया(कटा हुआ), 2 चम्मच मक्खन, नमक स्वादअनुसार

विधि

बचे हुए चना मसाला को पैन में डालकर सूखा लें। पानी सूखने पर इसे हल्का मैश करके अलग रख लें। अब एक बाउल में प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। अब ब्रेड के स्लाइस लें और मैश किए चना मसाला उस पर डाल कर फैलाए और फिर प्याज टमाटर का मिश्रण डाल दें और प्लेन ब्रेड रखकर बंद कर दें। एक पैन को गर्म करें। ब्रेड के दोनो साइड पर मक्शन लगा कर अच्छी तरह से सेंक लें। चना मसाला तैयार है। इसे हरी चटनी के साथ सर्व करें।

पनीर एण्ड स्पिनॅच सूप

सामग्री

1 कप पनीर , 11/4 पतली लबी पट्टियों मे कटा हुआ
1 कप बारीक कटी हुई पालक
2 टेबल-स्पून पिली मूंग दाल
1/2 कप कटा हुआ प्याज
2 टी-स्पून मक्खन
नमक और ताज़ी पिसी काली मिर्च स्वाद अनुसार

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन मे मक्खन गरम करें, पनीर डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट या पनीर के भूरे होने तक भून लें। एक तरफ रख दें। मूंग दाल, पालक, प्याज़ और 5 कप पानी को एक गहरे नॉन स्टिक पैन मे डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 8 से 10 मिनट या दाल के पुरी तरह पकने तक पका लें। पुरी तरह ठंडा करने के लिए एक तरफ रख दें। ठंडा करने के बाद, मिक्सर मे पीसकर मुलयाम प्यूरी बना लें और छन्नी से छान लें। प्यूरी को उसी पैन मे डालें, नमक, कालीमिर्च और पनीर के टुकड़े मिलाकर हल्के हाथों से मिलाएं और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 1-2 मिनट पकाएं। गरमा गरम परोसें।

ड्राय फ्रुट खाने से पहले कितने समय के लिए भिगोना है जरूरी

ड्राई फ्रुट खाना सभी को पसंद होता है। बादाम, काजू, अखरोट और कई सारे मेवे होते हैं जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद हैं लेकिन इनकी तासीर काफी गर्म होती है जिससे कई बार इनके अधिक सेवन से ब्लड प्रैशर बढ़ जाता है और पाचन शक्ति भी खराब हो जाती है। ऐसे में मेवों को पानी में कुछ देर भिगोकर रखें और फिर इनका सेवन करें लेकिन हर एक मेवे को पानी में भिगोने का समय भी अलग होता है जिससे यह शरीर को और भी कई फायदे देते हैं। आइए जानिए कौन से मेवों को कितने समय के लिए पानी में भिगोकर रखें।

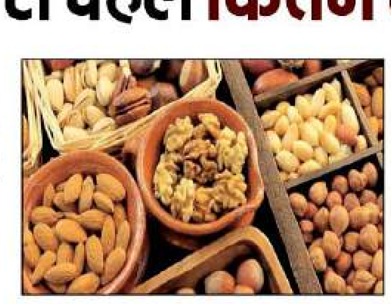

1. अखरोट : अखरोट खाने से सेहत को काफी फायदा होता है लेकिन इसकी तासीर काफी गर्म होती है। इसे लगभग 8 घंटों तक पानी में भिगाकर रखें जिससे इन पर लगी एक्सट्रा गंदगी भी साफ हो जाएगी और इससे सेहत को भी कई फायदे मिलेंगे।

2. बादाम : बादाम खाने से दिमाग तेज होता है। इसे पानी में 12 घंटे भिगोकर रखने से इसका छिलका आसानी से उतर जाता है।

3. कद्दू के बीज : कद्दू की सब्जी बनाकर लोग इसके बीज फैंक देते हैं लेकिन इन बीजों को सूखाने के बाद इस्तेमाल किया जाता है। कद्दू के बीज दिल के लिए फायदेमंद होते हैं। इन्हें तकरीबन 8 घंटे पानी में भिगोकर रखने से यह शरीर को काफी फायदा पहुंचाते हैं।

4.हेजलनट्स : यह नट्स ज्यादातर विदेशों में उगते हैं। इसमें विटामिन, खनिज और कई तरह के पोषक तत्व होते हैं जो सेहत को बहुत फायदा पहुंचाते हैं। इसे इस्तेमाल करने से पहले 8 घंटों तक भिगोकर रखें।

5. काजू : काजू एक ऐसा मेवा है जिसे खाना हर कोई पसंद करता है लेकिन यह काफी गर्म होता है जिससे रक्त चाप बढ़ जाता है। काजू को खाने से पहले 6 घंटो तक भिगोकर रखें जिससे यह सॉफ्ट हो जाएगा और काफी फायदा भी देगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**